



# राजधानी में 1400 से अधिक स्थानों पर विराजेंगे गणपति, पंडालों में सजावट और घरों में स्थापना की तैयारियां बरसात में भी गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे मूर्तिकार, हैलोजन लाइट से सुखा रहे

हरिभूमि न्यूज ॥ भोपाल

गणेश चतुर्थी के साथ रविवार, 14 सितंबर से बारह दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। घरों से लेकर सार्वजनिक पंडालों तक भगवान गणेश की स्थापना की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। राजधानी में इस बार करीब 1400 स्थानों पर गणेश प्रतिमाएं विराजमान होने की संभावना है। चौक-चौराहों पर पंडाल सजने लगे हैं, वहीं गणेश मंदिरों में भी आकर्षक साज-सज्जा की जा रही है। शहर में जगह-जगह रोशनी की जा रही है।

इधर, बारिश ने गणेश प्रतिमा बनाने वाले मूर्तिकारों की परेशानी बढ़ा दी है। मिट्टी में नमी के कारण प्रतिमाओं को सुखाने में सामान्य दिनों की तुलना में अधिक समय लग रहा है। इसका असर रंगई और अंतिम सजावट के काम पर भी पड़ रहा है। समय पर प्रतिमाएं तैयार करने के लिए मूर्तिकार दिन-रात काम कर रहे हैं। प्रतिमाओं को बारिश और नमी से बचाने के लिए प्लास्टिक शीट, टिन शेड और पंखों के साथ अब बड़ी हैलोजन लाइट का भी सहारा लिया जा रहा है।



## घर-घर में तैयारियां पंडालों में सजावट

गणेशोत्सव को लेकर शहर में अभी से उत्साह नजर आने लगा है। घरों में भगवान गणेश की स्थापना के लिए तैयारियां चल रही हैं। वहीं सार्वजनिक समितियों ने पंडालों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। कई स्थानों पर आकर्षक विद्युत सजावट की जा रही है। 14 सितंबर को स्थापना के बाद अनंत चतुर्दशी तक शहर में धार्मिक आयोजनों और झांकियों की रौनक रहेगी।

## अंतिम दौर में चल रहा काम

मूर्तिकारों के अनुसार सार्वजनिक समितियों ने इस बार बड़ी संख्या में प्रतिमाओं के ऑर्डर दिए हैं। 14 सितंबर को स्थापना के लिए झांकी समितियां सुबह से ही मूर्तिकारों के यहां प्रतिमाएं लेने पहुंचेंगी। ऐसे में प्रतिमाओं को अंतिम रूप

देने का काम तेजी से चल रहा है। शहर के विभिन्न मूर्ति निर्माण केंद्रों में देर रात तक काम किया जा रहा है। बारिश के कारण जिन प्रतिमाओं में नमी रह गई है, उन्हें सुखाने के बाद ही रंगई और फिनिशिंग की जा रही है।



## 5 से 18 फीट तक की प्रतिमाएं तैयार

राजधानी में इस बार 5 से लेकर 18 फीट तक की गणेश प्रतिमाएं तैयार की गई हैं। इतवार के मूर्तिकार अजय प्रजापति ने बताया कि गणेश उत्सव को लेकर समितियों की ओर से इस बार भी बड़ी संख्या में प्रतिमाओं के ऑर्डर मिले हैं। बारिश के कारण काम थोड़ा प्रभावित हुआ है, लेकिन समय पर प्रतिमाएं तैयार करने के लिए लगातार

काम किया जा रहा है। साकेत नगर स्थित मूर्ति वर्कशॉप के मूर्तिकार संजीत देवनाथ ने बताया कि प्रतिमा निर्माण का करीब 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। लगातार बारिश के कारण मिट्टी में नमी बनी हुई है, जिससे रंगई और फिनिशिंग में देरी हो रही है। प्रतिमाओं को जल्दी सुखाने के लिए बड़ी हैलोजन लाइट लगाई गई है।

मंडारा समितियां भी इनाम में होंगी शामिल जीरो वेस्ट गणपति झांकी को मिलेगा पुरस्कार, रखना पड़ेगा डस्टबिन

हरिभूमि न्यूज ॥ भोपाल

शहर में इस बार जीरो वेस्ट गणपति उत्सव मनेगा। जो गणेश झांकी साफ-स्वच्छ रहेगी, उन्हें पुरस्कार मिलेगा। ऐसी 5 झांकियां और पांच भंडारा समितियों को पुरस्कार में शामिल किया जाएगा। इसके साथ दो-दो समितियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। सोमवार से शुरू होने वाले गणेशोत्सव को लेकर शनिवार को महापौर मालती राय ने गणेश उत्सव को जीरो वेस्ट बनाने झांकी पदाधिकारियों के साथ बैठक रखी।

महापौर ने कहा कि पवित्रता में ही ईश्वर का वास है। स्वच्छता के प्रति आम लोगों को जागरूक करने और स्वच्छता में सक्रिय सहयोग के लिए हम लगातार नवाचार कर रहे हैं। इसके चलते इस बार गणेश उत्सव को स्वच्छोत्सव के रूप में



## एचओ करेंगे झांकी समितियों का पंजीयन

क्षेत्र के एचओ सभी झांकी समितियों का पंजीयन करेंगे, जिसके आधार पर इन समितियों का चयन किया जाएगा। महापौर ने चल समारोह के मार्गों और विसर्जन घाटों को व्यवस्थित करने को लेकर भी इंतजाम करने की बात कही गई। मनाने पर जोर दिया जा रहा है। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर आने वाली समितियों के साथ ही 2-2 सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

## टीटी नगर दशहरा मैदान में बांधी राखी

बहनों ने पटवारी, प्रवीण और संजीव सक्सेना को बांधी राखी



हरिभूमि न्यूज ॥ भोपाल

टीटी नगर दशहरा मैदान में मातृभूमि सेवा संगठन की ओर से आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव 2026 में दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस मौके पर महिलाओं ने इंजीनियर संजीव सक्सेना सहित प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना को राखी बांधी।

बड़ी संख्या में महिलाओं की मौजूदगी से दिनभर उत्सव जैसा माहौल रहा। संजीव सक्सेना ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम विधानसभा की मातृशक्ति के साथ उनका रिश्ता वर्षों से स्नेह, विश्वास और अपनत्व का रहा है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बहनों से मिलने वाला स्नेह और आशीर्वाद उन्हें जनसेवा के लिए नई ऊर्जा देता है। रक्षाबंधन के मौके पर भाई-बहन के स्नेह में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित किया गया।

## नवनिर्वाचित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सहित दो ऑल इंडिया रैंक होल्डर सम्मानित

आईसीएआई का मिंटो हॉल में दीक्षांत समारोह



## 56 सीए को उनके माता-पिता की मौजूदगी में किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ॥ भोपाल

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की भोपाल शाखा (सीआईआरसी) द्वारा शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, मिंटो हॉल, भोपाल में मई 2026 बैच के नवनिर्वाचित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में लगभग 56 नवनिर्वाचित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को उनके गौरवान्वित माता-पिता एवं परिवारजनों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।



## उत्कृष्टता बनाए रखने दिलाई शपथ

इस अवसर पर दो अखिल भारतीय रैंक धारकों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी नव-सीए को पेशे के प्रति मिष्टा, ईमानदारी, नैतिकता एवं उत्कृष्टता बनाए रखने की शपथ भी दिलाई गई।

## आचार्य समय सागर महाराज का पूजन कर भक्तिमय हुए श्रद्धालु



हरिभूमि न्यूज ॥ भोपाल

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद एवं श्रेयांसनाथ मंदिर से जुड़े सदस्यों ने शनिवार को आचार्य श्री समय सागर जी महाराज का भक्तिभाव से पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद लिया। रानी

धार्मिक भजनों और जयकारों से भक्तिमय हो गया पूरा वातावरण

कमलापति स्टेशन क्षेत्र में चातुर्मास प्रवास पर विराजित आचार्य के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने अष्ट द्रव्य से सजे आकर्षक पूजन थालों के साथ विधि-विधान से पूजा की। इस दौरान धार्मिक भजनों और जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

# आत्मविश्वास का साथ आत्मनिर्भरता की राह



अब तक  
लाड़ली बहनों को  
₹65,300 करोड़+  
की सहायता का अंतरण





## 1.25 करोड़+ लाड़ली बहनों को ₹1835 करोड़+ का अंतरण

मुख्यमंत्री  
**डॉ. मोहन यादव**  
द्वारा

### विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

13 सितम्बर, 2026 । आगर मालवा, मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण

Webcast.gov.in/mp/cmevents

@Cmmadhyapradesh  
@jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh  
@jansamparkMP

JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

## रिटायर्ड जस्टिस विष्णु प्रताप सिंह चौहान होंगे आयोग के प्रमुख

शराब माफिया के अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी, होटल की बाउंड्रीवाल तोड़ी

पाठक सूचना

हरिभूमि

सुनहरा मौका

सुनिश्चित उपहार 2026

का मास्टर कूपन

काल के अंक में देखें।

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY

airtel

चैनल नं. 1155 चैनल नं. 366

### खबर संक्षेप

**स्पाइन सर्जरी के बाद घर लौटे शरत सक्सेना नई दिल्ली।** दिग्गज अभिनेता शरत सक्सेना की रीढ़ की हड्डी (लम्बर स्पाइन) की सफल सर्जरी हुई है, जो करीब 6 घंटे तक चली। सर्जरी से पहले खड़े होकर कराए गए एमआरआई की उनकी तस्वीर देखकर फैसला काफी चिंतित थे। अब 76 वर्षीय अभिनेता ने अस्पताल के बेड और घर लौटने के बाद की मुस्कुराती तस्वीरें शेयर कर अपना हेल्थ अपडेट दिया है। उन्होंने बताया बैसाखी के सहारे की जरूरत नहीं है।

वर्षीय अभिनेता ने अस्पताल के बेड और घर लौटने के बाद की मुस्कुराती तस्वीरें शेयर कर अपना हेल्थ अपडेट दिया है। उन्होंने बताया बैसाखी के सहारे की जरूरत नहीं है।

### पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद की हालत हुई नाजुक

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वामी चिन्मयानंद की तबीयत काफी नाजुक बनी हुई है। बढ़ती उम्र और गंभीर बीमारियों के कारण उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। लखनऊ के एक निजी अस्पताल में करीब एक सप्ताह तक इलाज चलने के बाद, अब उन्हें शाहजहांपुर स्थित मुमुक्षु आश्रम (दिव्य धाम) लाया गया है। आश्रम प्रबंधन के मुताबिक उनकी स्थिति अभी भी गंभीर है।

### 4 लोग घायल पास ही रेलवे ट्रैक

यहां देर रात बड़ा हादसा हो गया। एक थार गाड़ी हाईवे ब्रिज की रेलिंग तोड़कर 50 फीट नीचे जा गिरी। उसमें सवार 4 युवक घायल हो गए हैं। घटना स्थल के पास ही रेलवे ट्रैक मौजूद है। गनीमत रही थार ट्रैक पर नहीं गिरी। सबसे राहत कि बात यह रही कि हादसे के वक्त सड़क पर कोई अन्य वाहन मौजूद नहीं था। हादसा इतना भयानक था कि थार नीचे गिरकर बुरी तरह पलट गई और उसके परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से थार में फंसे लोगों को कार से बाहर निकाला गया और तुरंत पास के अस्पताल भर्ती कराया गया।

#### विशेष प्रतिनिधि ►► मोपाल

सागर जिले की बड़ा तहसील में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामले में राज्य सरकार ने एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन कर दिया है। हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस विष्णु प्रताप सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोग इस पूरे मामले की पड़ताल करेगा और सरकार को तीन माह में अपनी जांच रिपोर्ट देगा। आयोग का मुख्यालय सागर रखा गया है। दूसरी तरफ जहरीली शराब कांड



बुलडोजर से गेट और बाउंड्री तोड़ी गई

## मानसून एक्सप्रेस ने चौंकाते हुए रफ्तार पकड़ी, अमी भी कोटा पूरा नहीं

# भोपाल, इंदौर-धार में तेज बारिश आज भी 15 जिलों में ‘अलर्ट’

मानसून ट्रफ लाइन बंगाल की खाड़ी से छत्तीसगढ़, दक्षिण-पश्चिम मध्यप्रदेश होते हुए राजस्थान तक बनी हुई है। इसके प्रभाव से सतना समेत रीवा संभाग में अगले दौर में कहीं-कहीं हल्की और तेज बारिश होने की संभावना बनी हुई

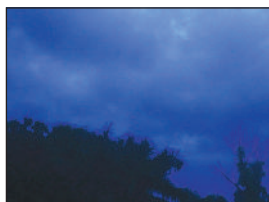
शनिवार को भोपाल समेत 16 जिलों में रुक-रुककर बारिश दर्ज की गई



शाम 6:30 बजे राजधानी के रविंद्र भवन से ली गई तस्वीर

### कोटे से 60 मिमी कम बारिश

इस सीजन में अब तक करीब 801.3 मिमी बारिश दर्ज की गई है। यह अब तक की सामान्य बारिश 868.6 मिमी की तुलना में 60 मिमी कम है। पूर्वी हिस्से में एक प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में औसत से 14 प्रतिशत बारिश कम हुई है। पिछले एक सप्ताह में यह आंकड़ा काफी सुधरा है। बीते एक सप्ताह से यहां के कई जिलों में तेज बारिश हुई है।



भोपाल में बादलों का डेरा

### इसलिए हो रही अच्छी बारिश

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र वर्तमान में ओडिशा के ऊपर बना हुआ है। इसके साथ ही मानसून ट्रफ लाइन बंगाल की खाड़ी से छत्तीसगढ़, दक्षिण-पश्चिम मध्यप्रदेश होते हुए राजस्थान तक बनी हुई है। इसके प्रभाव से सतना समेत रीवा संभाग में अगले दौर में कहीं-कहीं हल्की और तेज बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

### 22 जिलों में ज्यादा बारिश

अनूपपुर, छतरपुर, मैहर, मऊगंज, निवाड़ी, पन्ना, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उमरिया, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, दतिया, गुना, ग्वालियर, खरगोन, राजगढ़, खोपुर और शिवपुरी में औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। जबकि भोपाल में सितंबर महीने की औसत बारिश पिछले 5 साल से कोटे से ज्यादा है।

## इंदौर में चलती कार बनी आग का गोला गेट लॉक होने से अंदर फंसा ड्राइवर, कांच तोड़कर निकाला



### आग देखते ही लोग डरकर इधर-उधर भागे

चोइथराम चौराहे पर शनिवार दोपहर 12:30 बजे बड़ा हादसा हो गया। राजेंद्र नगर से आ रही एक चलती कार में अचानक शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। कार ऑटो-लॉक होने और विंडो का कांच न खुलने के कारण ड्राइवर रुपेश यादव करीब डेढ़ मिनट तक जलती कार के अंदर ही फंसा रहा। मौके पर तैनात ट्रैफिक थाना जोन-4 के टीआई सुमित बिलोनिया, आरक्षक विजय, कमल और एएसआई जेपी तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए कार का कांच तोड़ा और रुपेश को बाहर निकाला। इस ►►शेष पेज 4 पर

## दीपके बोले- सरकार आदिवासी बच्चों की मौत की जिम्मेदार बालाघाट में हम बड़ा आंदोलन करेंगे, यहां टीकाकरण व पीने का साफ पानी तक नहीं

### सारे मंत्री आदिवासियों की इस हालत के लिए जिम्मेदार

काँकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके शनिवार को बालाघाट पहुंचे। वे उन गांवों का दौरा करेंगे, जहां बीते महीने में 30 से ज्यादा आदिवासी बच्चों की मौतें हुई हैं। दीपके ने कहा कि आदिवासी बच्चे जिस तरह से लगातार बीमार हो रहे हैं, उससे साफ है कि उनकी बहुत अनदेखी हुई है। उन्हें बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। टीकाकरण और पीने का साफ पानी नहीं मिल रहा है, इसके कारण वे झीरिया का पानी पीने को मजबूर हैं। हम



पीड़ित परिवारों से चर्चा करते हुए दीपके

यहां बड़ा आंदोलन करेंगे। दीपके ने कहा- एक ओर 7.8 प्रतिशत ग्रोथ रेट का दावा किया जा रहा है, जबकि मूल निवासी आज भी बुनियादी ►►शेष पेज 4 पर

## विद्या भारती की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय

## एक करोड़ लोग एक साथ करेंगे वंदे मातरम का गायन

विद्या भारती द्वारा संचालित 24 हजार विद्यालयों व लगभग 30 हजार स्थानों पर एक साथ वंदे मातरम होगा



दो पुस्तकें- ‘वंदेमातरम के 150 वर्ष’ एवं ‘संत रविदास’ का विमोचन

### विद्या भारती के 75 वर्ष पूर्ण होने पर होंगे कई कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ►►जबलपुर

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की जबलपुर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के द्वितीय दिवस अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह कृष्णगोपाल द्वारा दो पुस्तकों- वंदेमातरम के 150 वर्ष एवं संत रविदास का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कान्हेरे, राष्ट्रीय महामंत्री देशराज शर्मा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री गोविंद चंद्र महंत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवनीश भटनागर एवं संस्कृति शिक्षा संस्थान के ►►शेष पेज 4 पर

## इंदौर में हाईवे ब्रिज की रेलिंग तोड़ 50 फीट नीचे गिरी थार

गाड़ी इतनी रफ्तार में क्यों थी? जांच जारी



हादसे के बाद बिज से नीचे गिरी थार को लोग देखते हुए

**ड्राइवर नशे में तो नहीं था? जांच कर रही पुलिस** घटना की सूचना की मिलते ही एसीपी निधि सक्सेना मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में प्रतीक सेतु ब्रिज से थार के नीचे गिरने की सूचना मिली थी। जिसमें चार लोग सवार थे। चारों घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस हादसे जांच कर रही है कि गाड़ी इतनी रफ्तार में क्यों थी? कहीं कार चालक नशे की हालत में था या नहीं। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है।



पकड़ा गया शराब का जखीरा

### शराब की कीमत करीब 30 लाख रुपए

## रानीपुरा के जंगल में मिला अंग्रेजी ब्रांडेड शराब का ‘बड़ा जखीरा’

### ►► पुलिस ने लावारिस पड़ी शराब को जब्त किया

सागर जिले के बंडा-शाहगढ़ में जहरीली नकली शराब से दो दर्जन मौतों की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई है कि यहां के रानीपुरा जंगल में बड़ी मात्रा में बांडेट अंग्रेजी शराब का जखीरा मिला है। एक अनुमान के अनुसार बरगद शराब की कीमत करीब 25 से 30 लाख रुपए बताई जा रही है। पूरा मामला बहेरिया थाना क्षेत्र का है। जब वामीणों की सुनसान इलाके में अंग्रेजी शराब की कई पेटियां दिखाई दीं। वामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर और लावारिस पड़ी शराब को जब्त कर लिया। कुछ बातें खुली मिलने से बार या ढाबे से कनेक्शन की आशंका ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

जनजातीय मानव अधिकारों के संरक्षण और योजनाओं की उन तक पहुंच पर होगा मंथन

➤ **आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में होगा आयोजन**

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 13 सितंबर को भोपाल स्थित आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के 32वें स्थापना दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।

मुख्यमंत्री समारोह के मुख्य अतिथि और जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष (कार्यवाहक) डॉ. अवधेश प्रताप सिंह करेंगे।

**खबर संक्षेप**

**दिव्यांग विद्यार्थियों से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया संवाद**  
भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतूल के भारत भारती आवासीय विद्यालय में ‘सक्षम’ मध्य भारत प्रांत के प्रांतीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में शामिल होकर दिव्यांग विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान 16 जिलों से आए प्रतिनिधियों के साथ दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, सम्मान तथा आत्मनिर्भरता से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व विश्व कप विजेता गुरुदास राजपूत, ‘सक्षम’ मध्य भारत प्रांत के अध्यक्ष सुरेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महासचिव सत्यम अंधारे, पद्मश्री मोहन नागर, दिव्यांगजन आयुक्त अजय खेरिया, अतीत पवार, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री हंसराज धुर्वे, सक्षम संस्था बैतूल के अध्यक्ष सुनील कुमार हिरानी सहित ‘सक्षम’ संस्था के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

**गिरते पानी में डेब नदी के ऊपर तार बदलने का सफलतापूर्वक कार्य**

**भोपाल।** मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड खरगोन जिले के दक्ष और सेवाभावी कर्मचारियों ने वर्षों के बाद भी नदी के दोनों छोर के ऊपर 33 केबी के तार बदलने का चुनौतीपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक किया है। उर्जा मंत्री तोमर ने इस कार्य को प्रशंसनीय और अनुकरणीय बताया है। 220 केबी अति उच्च दाब सब स्टेशन जुलवानिया से खरगोन जिले के सेगांव तक जाने वाले 33 केबी फीडर के तार भूलागांव के पास डेब नदी के उत्तर से निकलते हैं।



**गले की हड्डी बना रिहायशी इलाकों में कारोबार...**

शहर में रिहायशी इलाकों में कारोबार नगर निगम अफसरों के गले की हड्डी बन गया है। अफसरों ने खुद को बचाते हुए 60 हजार दुकानों की जानकारी छिपाकर साढ़े आठ हजार दुकानदारों को ही नोटिस जारी किए। जबकि सीलिंग की गई है। ऊपर से कोर्ट में बढ़ाकर चढ़ाकर पेश किए जाने की रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है। इधर, बताया जा रहा है कि निगम ने जिन दुकानों की सीलिंग की थी, वह दोबारा से कारोबार कर रहे हैं। इसके पीछे कहा जा रहा है कि अफसरों ने ही दुकानदारों से मौखिक बोल दिया है कि कारोबार शुरू कर दो। अब समझ नहीं आ रहा कि निगम कार्रवाई के पक्ष में है या निपट कर में।

**आंखों देखी की जगह कानों सुनी पर भरोसा कर रही मैडम**

शहर सरकार से जुड़ी एक मैडम इन दिनों आंखों देखी की जगह कानों सुनी पर भरोसा कर रही हैं, दरअसल मैडम शहर में क्षमण कम ही करती हैं, जिसका फायदा उठाते हुए मातहत अफसर मैडम को वास्तु फीडबैक देकर वाहवाही लूटते हैं। कहा जाता है कि सब कुछ ठीक चल रहा है, जबकि ठीक कुछ भी नहीं है। शहर भर में सीपेज नेटवर्क के नाम पर जगह जगह खुदाई करके करोड़ों की सड़कें

# मुख्यमंत्री आज मानव अधिकार आयोग के 32वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम का करेंगे शुभारंभ

## स्मारिका और डायरी का होगा विमोचन

समुख्यमंत्री डॉ. यादव और आयोजन के अतिथि मप्र मानव अधिकार आयोग, भोपाल द्वारा प्रकाशित विषय आधारित ‘स्मारिका’ एवं बहुउपयोगी डायरी का विमोचन करेंगे। स्मारिका में विभिन्न लेखकों के विषय आधारित आलेखों के साथ जनजातीय वर्ग के मानव अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की उन तक पहुंच से संबंधित जानकारी शामिल की

गई है। कार्यक्रम में मप्र राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा, आयुक्त तरुण राठी सहित मानव अधिकार आयोग एवं जनजातीय कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी, विभागीय हितग्राही, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि और जनजातीय वर्ग के विद्यार्थी उपस्थित रहेंगे।

**अनुसूचित जनजाति वर्ग के मानव अधिकारों पर होगा विचार**

कार्यक्रम में ‘अनुसूचित जनजाति वर्ग के मानव अधिकारों का संरक्षण एवं शासकीय योजनाओं की उन तक पहुंच विषय पर वक्ताओं के उद्बोधन होंगे, साथ ही प्रेजेंटेशन के माध्यम से जनजातीय कार्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में मिशन कर्मियों के तहत साप्ताहिक सप्ताह में अच्छे प्रदर्शन के लिए जनजातीय कार्य विभाग के उत्कृष्ट अधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

## मुख्यमंत्री ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्य खेल मंत्री मांडविया से की सौजन्य भेंट



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मप्र के विकास, रोजगार सृजन, युवाओं के कौशल विकास तथा प्रदेश में रोजगार के नए अवसरों के विस्तार से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने मप्र में

युवाओं के कौशल विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही प्रदेश के युवाओं को अधिक अवसर उपलब्ध कराने तथा केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सहयोग से रोजगार एवं कौशल विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री मांडविया के बीच युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों के विस्तार, कौशल विकास को बढ़ावा देने तथा केंद्र और राज्य के समन्वय से रोजगारपरक गतिविधियों को गति देने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई।

## उन्नत कृषि करने वाले किसानों और जनप्रतिनिधियों से किया संवाद

# सीएम ने किसानों से कहा, बुंदेलखंड हीरों की धरती, यहां जमीन में निकलता है हीरा

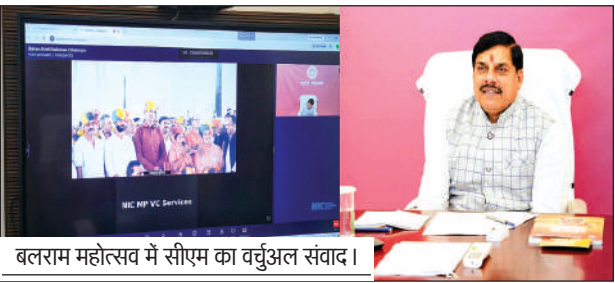
हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धरती पुत्र परिश्रम से फसल उगाते हैं, जो सभी को उपलब्ध होता है। अन्नदाता किसानों की समस्याओं को दूर कर उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड हीरों की धरती है। यहां की जमीन में हीरा निकलता है। मुख्यमंत्री ने जिले में होने वाली पिपरमेट की खेती का भी जिक्र किया।

साथ ही फर्नीचर की क्वालिटी को बेहतर बताया। मुख्यमंत्री नई दिल्ली प्रवास के दौरान शनिवार को बलराम कृषि महोत्सव छतरपुर में वर्चुअल रूप से जुड़कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रगतिशील किसानों से संवाद भी किया। छतरपुर जिले के किसानों को रबी सीजन की फसलों की नवीनतम तकनीक, उन्नत कृषि पद्धतियों एवं आधुनिक कृषि संसाधनों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुए बलराम कृषि महोत्सव के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों ने दीप जलाकर किया। छतरपुर में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, प्रशासक अपेक्ष बैंक डॉ. महेन्द्र सिंह यादव, प्रशासक सहकारिता केपी सिंह, विधायक राजनगर अरविंद पटेरिया उपस्थित थे।

➤ **दिल्ली प्रवास के दौरान बलराम कृषि महोत्सव में वर्चुअल रूप से जुड़कर संबोधित कर रहे थे, उन्होंने प्रगतिशील किसानों से किया संवाद**

प्रगतिशील किसान और कृषक परिवारों के मेधावी बच्चे हुए सम्मानित



बलराम महोत्सव में सीएम का वर्चुअल संवाद।

➤ **प्रगतिशील किसान और मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित**

कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने जिले के 10 प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। साथ ही प्रावीण्य सूची में आए कृषकों के बच्चों को भी सम्मानित किया गया। बलराम कृषि महोत्सव में कृषि वैज्ञानिक एवं विषय विशेषज्ञ किसानों को रबी मौसम की

प्रमुख फसलों की उन्नत किस्मों, नवीनतम कृषि तकनीक, बेहतर कृषि पद्धतियों, फसल प्रबंधन तथा समसामयिक कृषि विषयों की जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाकर उत्पादन और कृषि आय बढ़ाने के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया।

## फसलों का उत्पादन करते हुए प्रोसेसिंग के साथ बाजार में बेचा जाता है

जनजाति समाज की हब्बीबाई ग्राम सलैया ने बताया कि उनके द्वारा कोदो, कुटकी, रागी, बाजरा, ज्वार एवं अन्य लघु धान्य फसलों का उत्पादन करते हुए प्रोसेसिंग के साथ बाजार में बेचा जाता है। ग्राम हतना निवासी अनिल यादव ने बताया कि उन्होंने कस्टम हायरिंग केन्द्र की स्थापना की। ट्रैक्टर सहित कुल 6 यंत्र खरीदे। तब वर्ष अन्य किसानों को किराए पर यंत्र उपलब्ध करवाने से लाभान्वित 5.50 लाख तक मुनाफा प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने किसान तुलसा कुशवाहा निवासी लखनगुवा से भी संवाद किया। तुलसा ने बताया कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ फसल और सब्जी उत्पादन, मुर्गा पालन, मछली पालन, बतख पालन आदि कर रही हैं जो उन्हें मुनाफा दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने विभिन्न जनप्रतिनिधियों से भी संवाद किया।

## मुख्यमंत्री को किसानों ने बताए कृषि क्षेत्र के नवाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को किसानों ने कृषि क्षेत्र के नवाचारों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने छतरपुर जिले के प्रगतिशील किसान सलीम खान से संवाद किया। सलीम ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ होलेस्टिक फार्मिंग एवं औषधीय फसल उत्पादन एवं कृषि के साथ अन्य कृषकों को प्राकृतिक खेती के बिजावर प्रोत्साहित करने के संबंध में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। मुख्यमंत्री को बिजावर निवासी कृषक सोरभ भटनागर ने बताया कि वे जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ फल और सब्जी उत्पादन कार्यक्रम तथा होलेस्टिक फार्मिंग (मुर्गा पालन, मछली पालन, बतख पालन) करते हैं।

>>>

**सुनो शहर सरकार**

**गले की हड्डी बना रिहायशी इलाकों में कारोबार...**

शहर में रिहायशी इलाकों में कारोबार नगर निगम अफसरों के गले की हड्डी बन गया है। अफसरों ने खुद को बचाते हुए 60 हजार दुकानों की जानकारी छिपाकर साढ़े आठ हजार दुकानदारों को ही नोटिस जारी किए। जबकि सीलिंग की गई है। ऊपर से कोर्ट में बढ़ाकर चढ़ाकर पेश किए जाने की रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है। इधर, बताया जा रहा है कि निगम ने जिन दुकानों की सीलिंग की थी, वह दोबारा से कारोबार कर रहे हैं। इसके पीछे कहा जा रहा है कि अफसरों ने ही दुकानदारों से मौखिक बोल दिया है कि कारोबार शुरू कर दो। अब समझ नहीं आ रहा कि निगम कार्रवाई के पक्ष में है या निपट कर में।

**आंखों देखी की जगह कानों सुनी पर भरोसा कर रही मैडम**

शहर सरकार से जुड़ी एक मैडम इन दिनों आंखों देखी की जगह कानों सुनी पर भरोसा कर रही हैं, दरअसल मैडम शहर में क्षमण कम ही करती हैं, जिसका फायदा उठाते हुए मातहत अफसर मैडम को वास्तु फीडबैक देकर वाहवाही लूटते हैं। कहा जाता है कि सब कुछ ठीक चल रहा है, जबकि ठीक कुछ भी नहीं है। शहर भर में सीपेज नेटवर्क के नाम पर जगह जगह खुदाई करके करोड़ों की सड़कें

## माय भारत के छह दिवसीय राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षण शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत ‘मेरा युवा भारत’ (माय भारत), भोपाल द्वारा पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान में आयोजित छह दिवसीय आवासीय राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक अभिमुखीकरण प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को समापन हो गया।

7 सितंबर से शुरू हुए इस शिविर में भोपाल, सीहोर, विदिशा एवं राजगढ़ जिले के लगभग 50 राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश

शासन के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल रहे। युवाओं को संबोधित करते हुए मंत्री पटेल ने अपने जीवन के प्रेरक अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ने चारों जिलों के प्रतिभागी स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रमाण पत्र वितरित किए।

# प्रतिवर्ष 70 हजार टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी ग्रीन मोबिलिटी क्रांति, वर्ष 2027 तक 1,100 नई ई-बसों से सजेगा मध्यप्रदेश का परिवहन बेड़ा

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मप्र में सार्वजनिक यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित, समावेशी और वित्तीय रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पल बन रहा है। प्रतिवर्ष 70 हजार टन कार्बन उत्सर्जन को घटाने के लिए तैयार बस बेड़ा विषय पर आयोजित विशेष तकनीकी सत्र में पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन और सतत विकास पर गहन विचार-विमर्श किया गया। सत्र के दौरान

## सीएनजी को वर्तमान परिदृश्य में एक अत्यंत किफायती

सीएनजी थिंक गैस सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राणा दत्ता ने कहा कि सीएनजी को वर्तमान परिदृश्य में एक अत्यंत किफायती और व्यावहारिक ईंधन का विकल्प है। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एवसीबीएसएल, हरियाणा अशोक कुमार बंसल ने कहा कि इलेक्ट्रिक बस संचालन के जमीनी अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि राज्य में ई-बसों के सफल और टिकाऊ संचालन के लिए सुदृढ़ चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, राज्य सड़क नीति पीपीपी मॉडल में पूर्ण पारदर्शिता होना आवश्यक है।

स्वच्छ परिवहन प्रणालियों को अपनाने और आधुनिक यात्री सेवाओं के विस्तार पर बल देते हुए राज्य में हरित गतिशीलता के चार प्रमुख आधार स्तंभ निर्धारित किए गए सुरक्षा, सुगमता और यात्री सुविधा को प्राथमिकता देने वाला भविष्य-अनुकूल बेड़ा; ई-बसों और

कम कार्बन उत्सर्जन वाले ईंधनों का अधिकतम उपयोग, प्रगतिशील नीतियों व पारदर्शी नियामक ढांचे से निजी भागीदारी (पीपीपी मॉडल) को बढ़ावा तथा पारंपरिक डिपो का आधुनिकीकरण कर उन्हें अत्याधुनिक मोबिलिटी हब में तब्दील करना।

## पीएम ई-बसें और 120 इंटरसिटी बसें संचालित

राज्य में 96 पीएम ई-बसें और 120 इंटरसिटी बसें संचालित हैं। प्रदेश के परिवहन बेड़े का विस्तार करते हुए आगामी 6 महीनों में 486 नई पीएम ई-बसें व 34 नई इंटरसिटी बसें जोड़ी जाएंगी, जिनसे वर्ष-27 तक बढ़ाकर 1,100 बसें तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इस बेड़े को सहায়ता देने के लिए वर्तमान 7 डिपो के अतिरिक्त 6 महीनों में नौ-सौ-सैं बसों की क्षमता वाले 9 नए अत्याधुनिक डिपो विकसित किए जाएंगे। इस विस्तार से प्रति वर्ष 70 हजार टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

## निवेश संभावनाओं पर हुई सार्थक चर्चा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से मिले सीएम डॉ. यादव

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से सीएम ने की भेंट।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से भेंट की।

इस दौरान मप्र में वस्त्र एवं टेक्सटाइल क्षेत्र के विस्तार, निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास

तथा रोजगार सृजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने मप्र में वस्त्र उद्योग के लिए उपलब्ध संभावनाओं और राज्य सरकार की ओर से उद्योग एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों से केंद्रीय वस्त्र मंत्री को अवगत कराया।

## इंदौर से 50 हजार लोगों के साथ आने का ऐलान जीतू का अल्टीमेटम-3 माह में मास्टर प्लान न आया तो करेंगे पदयात्रा

➤ **कांग्रेस नेता पीसी शर्मा के 31 घंटे के उपवास और धरने का हुआ समापन**

➤ **आरोप, भाजपा सरकार के 20 साल हुए पर नहीं आया मास्टर प्लान**

विशेष प्रतिनिधि ►►भोपाल

भोपाल और इंदौर के मास्टर प्लान को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य सरकार को तीन महीने का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने ऐलान किया कि अगर तीन महीने में प्रदेश सरकार ने दोनों शहरों का मास्टर प्लान जारी नहीं किया तो कांग्रेस 50 हजार लोगों के साथ इंदौर से भोपाल तक पदयात्रा निकालेगी और मुख्यमंत्री निवास में घुसकर विरोध करेगी।

पटवारी, कांग्रेस नेता पीसी शर्मा भोपाल का मास्टर प्लान जारी करने की मांग को लेकर किए गए 31 घंटे के उपवास और धरने के समापन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार को 20 साल हो गए, लेकिन भोपाल का मास्टर प्लान अब तक नहीं आया।

## वोट देने की सजा दे रही भाजपा सरकार

पटवारी ने कहा कि लोगों ने भाजपा को केंद्र और राज्य दोनों में सरकार बनाने का मौका दिया। सांसद, विधायक और महापौर चुने, लेकिन अब यही सरकार लोगों को वोट देने की सजा दे रही है। उन्होंने कहा कि अब हालात ये हैं कि मोदी... मोदी... मोदी नहीं, बल्कि राहुल... राहुल... राहुल होने लगा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपना राजनीतिक और जनहित का रोल निभा रही है और मास्टर प्लान जारी करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है। पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण बालाघाट, सागर, छिंदवाड़ा और इंदौर में लोगों की जान गई। उन्होंने भोपाल का मास्टर प्लान अब कि सरकार को जनता के मुंहों पर जवाब देना चाहिए।

## 21 साल से नहीं आया मास्टर प्लान: पीसी

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि हर दस साल में मास्टर प्लान आना चाहिए, लेकिन भोपाल का मास्टर प्लान 21 साल से नहीं आया है। इससे व्यवसायी और रहवासी दोनों परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आवासीय और कर्मश्रिल जमीन से होने वाले फायदे और कमाई को देखते हुए भाजपा के नेता और अधिकारी मास्टर

प्लान जारी नहीं होने दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल का आखिरी मास्टर प्लान 1995 में तत्कालीन दिग्विजय सिंह सरकार के समय आया था, जो 2005 तक के लिए था। धरने के समापन कार्यक्रम में विधायक नितेंद्र सिंह राठौर, मुकेश नायक समेत कांग्रेस के तमाम नेता बड़ी तादाद में कार्यक्रमों मौजूद रहे।

## अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन की अपेक्षा सीएस बर्णवाल ने की सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा कि आगामी 17 सितंबर से चलने वाले एक माह के सेवा संकल्प अभियान-2026 की सभी सेवा गतिविधियों में संबंधित विभाग अपना पूरा ध्यान दे। सेवा संकल्प अभियान में कार्यक्रम दो स्तरों पर होगा। जिला स्तर पर 19 से 26 सितम्बर तक और राज्य स्तर पर 4 एवं 5 अक्टूबर को आयोजित होगा। सरकारी स्कूलों, कॉलेजों के साथ-साथ सभी निजी स्कूलों, कॉलेजों की भागीदारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य सचिव बर्णवाल ने शनिवार को मंत्रालय में अभियान की गतिविधियों के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अभियान के पहले दिन सेवा आशीर्वाद का दिया प्रज्वलन के अलावा रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। आशीर्वाद का दिया 17 सितम्बर को शाम 7 बजे पूरे प्रदेश में एक साथ दीप प्रज्वलन होगा।

## सेवा की कहानी 17 अक्टूबर तक संचालित होगा

सेवा संकल्प अभियान के तहत यह कार्यक्रम 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित होगा। केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं के कारण जिन हितग्राहियों का जीवन बदल गया है, उनके आभार स्वरूप संदेश, वीडियो तैयार किए जाएंगे। लाभ लेने से पहले की स्थिति और योजना का लाभ मिलने के बाद की स्थिति का वर्णन होगा। फोटो, वीडियो, रील हितग्राहियों द्वारा सेवा की कहानी के रूप में [www.modiat25.in](http://www.modiat25.in) पर अपलोड किए जाएंगे। इस संबंध में आवश्यक समन्वय जिला स्तर से किया जाएगा।

## विशेष रूप से दीप प्रज्वलन के होंगे कार्यक्रम

इसके अतिरिक्त जिला स्तर पर विभिन्न ऐतिहासिक स्थल, प्रमुख सार्वजनिक स्थान अथवा 12 वर्षों में प्रधानमंत्री के कार्यकाल से जुड़ी उपलब्धियों के स्थल पर भी दीप प्रज्वलन होगा। प्रदेश में निर्मित और निर्माणाधीन आध्यात्मिक लोक जैसे श्री महाकाल लोक, श्री राम राजा लोक, सतकनपुर देवी लोक आदि में विशेष रूप से सामूहिक दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम होंगे। जहां विभिन्न कारणों से दीपक प्रज्वलित करना संभव न हो, उन स्थानों पर लाईटिंग, रोशनी भी की जा सकेगी। लाभार्थी परिवारों, व्यक्तियों एवं संस्थाओं की ओर से दीप प्रज्वलन के फोटो, वीडियो, रील [www.modiat25.in](http://www.modiat25.in) पर अपलोड किए जाएंगे।

# जलकुंभी से पटा बड़े तालाब का बड़ा हिस्सा, करोड़ों की व्यवस्था फिर भी सफाई नहीं

हरिभूमि न्यूज़

भोपाल

शहर की पहचान और पेयजल के प्रमुख स्रोत बड़े तालाब की हालत एक बार फिर नगर निगम के दायों पर सवाल खड़े कर रही है। तालाब के कई हिस्सों में जलकुंभी की मोटी परत जमी हुई है। खासकर रेत घाट के पास मोटी गाद की परत जम गई है जिसके कारण रेत घाट के पास बने शंकर दयाल की पार्क में बैठने वाले लोगों का बदबू की वजह से बैठना मुश्किल हो गया है। बारिश के बाद तालाब का जलस्तर बढ़ रहा है, वहीं जलकुंभी का फैलाव भी तेजी से बढ़ रहा है। वहीं शहर में गणेश चतुर्थी का पर्व भी नजदीक है और प्रतिमा विसर्जन की तैयारियां शुरू होने लगी हैं, इसके बावजूद तालाब के आस-पास सफाई व्यवस्था अधूरी दिखाई दे रही है। नगर निगम ने शहर के बड़े तालाब, शाहपुरा तालाब, छोटे तालाब समेत जलस्रोतों से गाद और जलकुंभी हटाने के लिए करीब चार करोड़ रुपए की व्यवस्था की है। बड़े तालाब में पिछले कुछ महीने से सफाई का काम चलने की बात कही जा रही है। दो नावें भी जलकुंभी हटाने के लिए लगाई गई हैं, लेकिन मौके पर इनकी रफ्तार जरूरत के मुकाबले बेहद धीमी नजर आती है। एक हिस्से से जलकुंभी हटाई जाती है तो दूसरे हिस्से में कुछ ही समय बाद फिर इसकी मोटी परत दिखाई देने लगती है।

जलकुंभी हटाने का दावा, लेकिन बड़े तालाब में हालात जस के तस, विसर्जन घाट भी बदहाल

फतेहगढ़ और शिरीन नदी के पास सीवेज का असर



राजा भोज सेतु के नीचे बड़े तालाब के किनारे जमा जलकुंभी।

तालाब के फतेहगढ़ और शिरीन नदी वाले हिस्से में जलकुंभी की मोटी परतें बन रही हैं वहीं तालाब में अब भी प्रदूषित पानी पहुंच रहा है। शुक्रवार की शाम हुई बारिश ने एक बार फिर से जलकुंभी के स्तर को बढ़ा दिया है। इससे पानी में ऑक्सीजन की मात्रा कम होती है और जलीय जीवन पर भी खतरा बढ़ता है। जलकुंभी हटाने से ज्यादा जरूरी सीवेज रोकना बड़े तालाब की जलकुंभी केवल सफाई की समस्या नहीं है। इसकी जड़ तालाब में पहुंच रहा सीवेज है। जब तक नालों का गंदा पानी पूरी तरह रोकना और ट्रिट नहीं किया जाएगा, तब तक जलकुंभी हटाने पर खर्च होने वाला पैसा स्थायी समाधान नहीं देगा।

विसर्जन घाट की स्थिति भी चिंताजनक

प्रेमपुरा विसर्जन घाट की स्थिति भी चिंता बढ़ा रही है। यहां हर साल बड़ी संख्या में प्रतिमाओं का विसर्जन होता है, लेकिन पर्व नजदीक होने के बावजूद सफाई व्यवस्था पूरी तरह तैयार नहीं है।

जल्द ही जलकुंभी को पूरी तरह निकाल लेंगे

हमने सफाई करने वाली मशीन लगा रखी हैं, काम चल रहा है। जल्द ही जलकुंभी को पूरी तरह निकाल लिया जाएगा।

-संतोष गुप्ता, अधीक्षण यंत्री, प्रोजेक्ट ड्रॉल संरक्षण प्रकोष्ठ, नगर निगम

## केरल एक्सप्रेस 12.52 घंटे देरी से पहुंची, अमरकंटक सवा तीन घंटे और राजधानी आधा घंटे लेट पहुंची ट्रैक मेंटेनेंस और बारिश का असर... भोपाल आने वाली ट्रेनें 13 घंटे तक की देरी से आईं

प्लेटफॉर्म पर घंटों इंतजार करते रहे यात्री

हरिभूमि न्यूज़

भोपाल



भोपाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री।

यह ट्रेनें आईं देरी से

|                                          |                                                                                                     |
|------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 12626 केरला एक्सप्रेस 12:52 घंटे लेट आई  | 11058 अमृतसर एक्सप्रेस 0.53 मिनट देरी से आई                                                         |
| 12853 अमरकंटक एक्सप्रेस 3:14 घंटे लेट आई | 12198 क्वालिटर-भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस 0.39 मिनट लेट आई                                            |
| 12920 मालवा एक्सप्रेस 1:29 घंटे लेट आई   | 22222 हजरत निजामुद्दीन - मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस राजधानी एक्सप्रेस 0:27 मिनट देरी से आई |
| 22537 कुशीनगर एक्सप्रेस 1:24 घंटे लेट आई | 18238 छत्तीसगढ़ एक्स. 1:19 घंटे लेट आई                                                              |
| 12628 कर्नाटक एक्सप्रेस 1:20 घंटे लेट आई | 12138 पंजाब मेल 0:46 मिनट देरी से आई                                                                |

नादरा-लालघाटी में आरटीओ अमले ने की 17 बसों की जांच, दो बसें जब्त और दो की फिटनेस निरस्त

बीमा नहीं होने पर एमपी 33 पी 3586 और परमिट शर्तों के उल्लंघन पर एमपी 20 डीए 2268 पर कार्रवाई, 12 हजार रु. का जुर्माना किया वसूल



लालघाटी इलाके में बसों की जांच करता आरटीओ अमला।

परिवहन आयुक्त के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय की टीम ने शुक्रवार शाम नादरा बस स्टैंड और लालघाटी क्षेत्र में यात्री बसों के खिलाफ जांच अभियान चलाया। शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक चले अभियान में करीब 17 बसों की जांच की गई। इस दौरान यात्रियों की सुरक्षा और बसों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का विशेष रूप से निरीक्षण किया गया। जांच में यात्री बस का बीमा नहीं होने पर उसे जब्त किया गया। वहीं, एमपी 20 डीए 2268 को परमिट शर्तों के उल्लंघन के कारण जब्त किया गया। एमपी 04 जेडजे 9007 और एमपी 05 पी 0396 में आपातकालीन द्वार बंद पाए जाने पर दोनों बसों की फिटनेस निरस्त कर दी गई। आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि टीम ने दो अन्य यात्री बसों के खिलाफ भी कार्रवाई की। इन मामलों में कुल 12 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया गया।

## दो महीने पहले इटारसी रेलवे स्टेशन से पुणे जाते वक्त हुए लापता नेपाली समाज से मांगी मदद तो दिया गया आसरा

हरिभूमि न्यूज़

भोपाल



इटारसी जंक्शन से दो महीने पहले लापता हुए पिता तेज बहादुर कार्की की तलाश में भोपाल पहुंची बेटियां भूमिका और अनुजा।

जाना कर रही है। पिता तेज बहादुर कार्की रेलवे स्टेशन से इटारसी शहर में जाते दिखाई दिए थे। इटारसी जीआरपी ने इस मामले में गुमशुदगी दर्ज की है। लेकिन पुलिस की तलाश सरगर्मी से नहीं होने के कारण दोनों बेटियों ने भोपाल में पशुपतिनाथ

## समय पर पहचान होने से हो सकते हैं ठीक

हरिभूमि न्यूज़

भोपाल



बच्चे के शरीर में होने वाले हर बदलाव को सामान्य मानकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। लंबे समय तक रहने वाली असामान्य समस्या, बिना वजह कमजोरी या बीमारी के दूसरे संकेत दिखें तो समय पर डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है। एम्स भोपाल के चिकित्सकों ने बाल कैंसर जागरूकता सत्र में अभिभावकों को यही संदेश दिया।

बाल रक्त एवं कैंसर रोग में डीएम कर रहे डॉ. पंकिवेश रेड्डी, डॉ. अनुराग मोहंती और डॉ. मेधा धवन ने मरीजों और अभिभावकों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों में होने वाले सामान्य कैंसर, शीघ्र पहचान और उपचार पूरा करने के महत्व को

## एम्स में बाल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में बोले विशेषज्ञ बच्चे को बिना वजह कमजोरी, शरीर में बदलाव दिखें तो हो जाएं सतर्क, यह कैंसर का हो सकता है संकेत...

एम्स के जागरूकता सत्र में विशेषज्ञों ने अभिभावकों को किया अलर्ट, डॉ. रेड्डी, डॉ. मोहंती और डॉ. धवन ने बताया शीघ्र पहचान का महत्व

झाड़-फूंक के इलाज से बढ़ गई बीमारी



एम्स में आयोजित कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टर।

एक अभिभावक ने बताया कि बच्चे के हड्डी के कैंसर का इलाज चार चक्र तक कराने के बाद उन्होंने उपचार बीच में रोक दिया और झाड़-फूंक उपचार का सहारा लिया। इसके बाद बीमारी बढ़ गई। उन्होंने कहा कि कैंसर का इलाज किसी भी परिस्थिति में बीच में न छोड़ें।

इन बातों को नहीं करें नजरअंदाज

- बच्चे की लगातार बनी रहने वाली असामान्य समस्या को नजरअंदाज न करें।
- जरूरत पड़ने पर समय पर विशेषज्ञ से जांच कराएं।
- कैंसर का इलाज शुरू होने के बाद डॉक्टर की सलाह के बिना बीच में न रोकें।
- नियमित फॉलो-अप और निर्धारित उपचार पूरा करें।

जैकेट का शेष...

नई दिल्ली घोषणा ...

है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में उनके सकारात्मक रुख के लिए धन्यवाद दिया। इस बैठक के माध्यम से अब दोनों देशों के पास द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा करने का अवसर है। ब्रिक्स के महत्व को रेखांकित करते हुए जिनपिंग ने कहा कि पिछले दो दशकों में ब्रिक्स सहयोग तंत्र लगातार मजबूत हुआ है और यह उभरती अर्थव्यवस्थाओं व विकासशील देशों के लिए दुनिया का सबसे प्रभावशाली मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों ने अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप विकास का मार्ग चुनकर आत्मनिर्भरता का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उधर, 11 देशों के बीच जिस संयुक्त घोषणा पत्र में सहमति बनी, उसमें अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों में वृद्धि के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की गई, जो व्यापार को बाधित करते हैं और डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुरूप नहीं हैं। बैठक के बाद चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने जानकारी दी कि अगले वर्ष चीन ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा और 19वें ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

पीएम मोदी ने समुद्री ...

संपर्क स्थापित होगा। प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि ग्लोबल साउथ को अब केवल नियमों का पालन करने वाला नहीं, बल्कि नियम तय करने वाला बनना होगा। उन्होंने कहा कि आज विकासशील देश वैश्विक संकटों को सबसे प्रभावी ढंग से हल करने में, लेकिन निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में उन्हें पीछे रखा जाता है। इस विशेषाधिकार के पिरामिड को खत्म कर एक ऐसा मंच बनाना होगा जहां हर देश की समान आवाज और हिस्सेदारी हो। वैश्विक शासन सुधार के लिए पीएम मोदी ने अगले शिखर सम्मेलन तक एक ब्रिक्स सुधार रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से 10 सूत्रीय प्रस्ताव का आह्वान किया, ताकि बहुपक्षीय संस्थानों में पारदर्शी और प्रभावी बदलाव लाए जा सकें।

ईरान, सऊदी अरब ...

कूटनीतिक चुनौती थी। भारत की कूटनीतिक कुशलता ने यह सुनिश्चित किया कि ये मतभेद ब्रिक्स प्रक्रिया को पटरी से न उतारें, जिससे सदस्य देशों के बीच भू-राजनीतिक स्थितियों में भारी अंतर के बावजूद एक संयुक्त बयान पर आम सहमति का मार्ग प्रशस्त हुआ।

सीएम हाउस में छत्तीसगढ़ी रंग, तीजा-पोरा तिहार में लोक-संस्कृति की झलक



छत्तीसगढ़ सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही : साय

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास में शनिवार को तीजा-पोरा तिहार के अवसर पर विशेष आयोजन हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की सभ्य लोक परंपरा, संस्कृति और पारिवारिक भावनाओं की झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आतिथ्य में हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। लोकगीतों, पारंपरिक नृत्य, झूलों और छत्तीसगढ़ी पकवानों ने पूरे आयोजन में उत्सव का रंग भर दिया। तीजा छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए खास महत्व रखने वाला पर्व है। यह त्यौहार मायके, परिवार और रिश्तों से जुड़ी भावनाओं को सामने लाता है। आयोजन में महिलाओं की बड़ी भागीदारी ने तीजा की पारंपरिक रौनक को और बढ़ा दिया। मुख्यमंत्री निवास में महिलाओं ने उत्साह के साथ पर्व मनाया।

पेज एक का शेष...

जहरीली शराब से ...

परिस्थितियों का परीक्षण तथा तथ्यात्मक निर्धारण कर उसकी जानकारी आयोग देगा। जांच का दूसरा विषय संबंधित क्षेत्र के आबकारी अधिकारियों, पुलिस एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा निर्धारित दायित्वों के निर्वहन की स्थिति का परीक्षण करने से संबंधित रहेगा। जांच का तीसरा विषय इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी नियंत्रण करने एवं निगरानी के लिए आवश्यक उपायों की सिफारिश करने से संबंधित है।

50 विद्यार्थियों से ...

कार हटाने से मना कर दिया। इसके बाद खेम सिंह बंस से उतरा और कहा कि वे धक्का देकर कार सड़क के बीच से हटा दें। इस पर युवक भड़क गए। उनमें से एक ने जब से कट्टा निकालकर 4 फायर कर दिए। इनके छर्रे खेम सिंह की आंख के पास और गाल पर लगे। वह जमीन पर गिर गया। इसके बाद युवक भाग निकले। कार के पिछले शीशे पर ‘गुर्जर’ लिखा था: पिछोर थाना प्रभारी शिवम सिंह राजावत ने बताया कि डबरा के अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद खेम सिंह को ग्वालियर रेफर किया गया है। उसने बताया है कि कार के सभी शीशों पर काली फिल्म चढ़ी थी। पिछले शीशे पर गुर्जर लिखा था। एसडीओपी सौरभ कुमार ने बताया कि आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, एक स्टूडेंट बोला-जिसने गोली चलाई, उसके बड़े-बड़े बाल थे।

गेट लॉक होने ...

हादसे में ड्राइवर करीब 60% झुलस गया है। गंभीर स्थिति को देखते हुए पुलिसकर्मী उसे लोडिंग रिक्शा से चोटथराम अस्पताल ले गए और रास्ते में सीपीआर भी दिया। फिलहाल घायल ड्राइवर का इलाज जारी है। पुलिस के त्वरित एक्शन से एक बड़ा हादसा टल गया।

बालाघाट में हम ...

सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। देश को विश्वगुरु बनाना है तो आदिवासी इलाकों में आदिवासियों को बेहतर जिंदगी, अच्छी शिक्षा और बेहतर मौके देने होंगे। सीजेपी फाउंडर ने कहा- आदिवासियों की इस हालत के लिए आदिवासी विकास मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और

सचिव जिम्मेदार हैं। दीपके ने कहा- आज मैं उन गांवों में जा रहा हूं, जहां बच्चों की मौत हुई है। उनके परिवारों से मिलूंगा। जो जरूरी होगा वो हम करेंगे। जिन लोगों ने अपने बच्चे खोए हैं, उन्हें न्याय जरूर दिलाएंगे। जवाबदेही तय न होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम यही देखने आए हैं। यहां की पुलिस हमारे लोगों पर दवाब बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन ये लोग भी पीछे हटने वालों में से नहीं हैं।

एक करोड़ लोग...

सुधीर कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। वंदेमातरम के 150 वर्ष के अंतर्गत विद्या भारती ने आगामी 25 सितंबर को संपूर्ण देश में नमामि भारतम के अंतर्गत 1 करोड़ जन-सामान्य के साथ एक लय, एक स्वर और एक समय में पूर्ण वंदे मातरम गायन का निर्णय लिया है। अखिल भारतीय महामंत्री देशराज शर्मा ने कहा कि विद्या भारती द्वारा संचालित 24 हजार विद्यालयों एवं अन्य शैक्षिक संस्थानों से संपर्क करते हुए हम लगभग 30 हजार स्थानों पर एक साथ वंदे मातरम का गायन करेंगे। संत रविदास की जयंती के 650 वर्ष पूरे होने पर विद्या भारती ने अपने समस्त विद्यालयों में सप्ताह भर आयोजन करने का निर्णय लिया है। इन आयोजनों में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं, संगोष्ठियों एवं भजन गायन जैसे कार्यक्रमों के साथ परिवार संपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है।

30 हजार से ...

सम्मिलित होंगे। विद्या भारती के पूर्व छात्रों की संख्या लगभग 50 लाख है, जिनमें से 11 लाख पूर्व छात्र विद्या भारती पोर्टल पर पंजीकृत हैं। इनमें से चयनित विशिष्ट श्रेणी के पूर्व छात्रों का सम्मेलन भी दिल्ली में ही आयोजित होगा।

सभी विद्यालयों का...

किया जाएगा। इस संदर्भ में रिलायंस जियो कंपनी के साथ समझौता (टाई-अप) करते हुए इस वर्ष पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 300 विद्यालयों में इसे प्रारंभ किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उल्लिखित बाल वाटिका के संदर्भ में विचार किया गया कि देशभर में विद्या भारती शिशुवाटिका के 100 आदर्श केंद्र विकसित किए जाएं, जिनमें 12 शैक्षिक व्यवस्थाओं और पंचकोशी विकास की अवधारणा पर आधारित क्रिया-आधारित गतिविधियों का पाठ्यक्रम संचालित हो।

देवताओं ने थाने में दी हाजिरी, पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने किया स्वागत

केशकाल में मंगाराम जात्रा की हुई शुरुआत

केशकाल में देवताओं की अदालत, थाने में हाजिरी देने पहुंचे नौ परगना के देवी-देवता

विराम उपाध्याय ►► केशकाल

बस्तर की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान रखने वाली केशकाल की प्रसिद्ध भंगाराम जात्रा की शुरुआत शनिवार को पारंपरिक रीति-रिवाजों और धार्मिक मान्यताओं के साथ हुई। जात्रा में नौ परगना के देवी-देवताओं के प्रतीक स्वरूप शामिल हुए, जिसके चलते केशकाल क्षेत्र में सुबह से ही श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा। भंगाराम जात्रा की परंपरा के अनुसार देवी-देवताओं के प्रतीक स्वरूपों को लेकर ग्रामीण केशकाल थाना परिसर पहुंचे।



यहां देवी-देवताओं ने परंपरा के तहत थाने में हाजिरी दी। इस दौरान पुलिस विभाग की ओर से देवी-देवताओं का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। पुलिस विभाग की ओर से अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अरुण नेताम, नगर निरीक्षक विकास बघेल सहित पुलिस स्टाफ ने थाना परिसर पहुंचे देवी-देवताओं का सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया। पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने परंपरा के अनुरूप उनका स्वागत किया। थाना परिसर में इस दौरान श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की मौजूदगी से धार्मिक वातावरण देखने को मिला। भंगाराम जात्रा की पहचान यहां आयोजित होने वाली “देवताओं की अदालत” की अनूठी परंपरा से भी है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार देवी-देवताओं से संबंधित मामलों और परंपराओं को लेकर यहां विशेष रस्में निभाई जाती हैं। इसी अनूठी धार्मिक परंपरा को देखने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग केशकाल पहुंचते हैं, देवताओं पर फैसला कल रविवार को होगा।



नौ परगना के देवी-देवताओं का समागम

भंगाराम जात्रा की खासियत यह है कि इसमें आसपास के विभिन्न क्षेत्रों और परगनां से देवी-देवताओं के प्रतीक स्वरूप शामिल होते हैं। नौ परगना के देवी-देवताओं के एक स्थान पर पहुंचने से यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक समागम का रूप ले लेता है। देवी-देवताओं के साथ पारंपरिक वेशभूषा और रीति-रिवाजों के साथ पहुंचे ग्रामीण इस आयोजन को और विशेष बनाते हैं।



आवश्यकता है
 खरीदना है
 बेचना है
 व्यापार
 विक्रिस्ता
 ज्योतिष
 डिस्टेंड विज्ञापन

# हरिभूमि

## क्लासीफाइड

संपर्क सूत्र : 9407279644

हरिभूमि
 उत्तमर हो नहीं, विचार ही

# भोपाल बाजार

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
 मो. 9407279644

प्लॉट मात्र
 3,55,000
 हजार में
 आसान किश्तों पर

साईट:-
 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एम्पूड ऑफिस इंडिया प्रोपर्टी करैंड भोपाल
 मो. 7772079910

## Medical Help Line

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

## सफेद दाग

 चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी
 44 वर्षों का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव
 Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
 कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
 M. 9425006131, 8871714432
 सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

Timing
 10:30 am to 8:00 pm

|    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  |
|    |    |    |    |    |    |    |    |
| 9  |    |    |    |    |    |    |    |
|    | 15 |    |    | 16 |    | 17 |    |
| 21 |    | 22 |    | 23 |    | 24 |    |
| 28 | 29 |    | 30 |    | 31 |    | 32 |
|    | 34 | 35 |    | 36 |    | 37 |    |
|    |    |    |    |    |    |    |    |
| 40 |    | 41 | 42 |    | 43 |    | 44 |
|    |    |    |    |    |    |    |    |
| 47 | 48 |    | 49 | 50 |    |    | 52 |
|    |    | 53 | 54 |    | 55 | 56 |    |
|    |    |    |    |    |    |    |    |
| 59 |    | 60 | 61 |    | 62 | 63 |    |
|    |    |    |    |    |    |    |    |
| 66 |    |    | 67 |    | 68 |    | 69 |

- बाएँ से दाएँ
 1. होल, अधर-2
 3. बड़ी सवारी गाड़ी-2
 5. डेजेर-2
 7. हरे रंग का-2
 9. शक, संदेह-3
 11. विस्फोटक -2
 13. बड़ी नाली-2
 15. नमस्कार, नमस्ते-3
 17. प्राण-2
 19. लाक्ष्मी, कमला-2
 22. बल, दम-3
 24. ठाठ-बाट-2
 26. पिता-2
 28. कसर-2
 30. कुमारी, तरुणी-3
 32. जी, चित-2
 34. नाखून-2
 36. पढ़ने वाला-3
 38. उद्देश्य-2
 41. मोटा आटा-2
 43. नामित-3
 45. नर का विलोम-2
 47. उर्वरक-2

49. भीगा हुआ-2
 51. गिरवी वस्तु-3
 53. मनमौजी-2
 55. सम्मान-2
 57. ले जाने वाला-3
 60. आनंद, मजा-2
 62. दोस्त, सखा-2
 64. निर्माण-3
 66. संदेव, हमेशा-2
 67. नेत्र, नयन-2
 68. आकाश, गगन-2
 69. लाख, गोंद-2
 ऊपर से नीचे
 1. यार (अंग्रेजी-2)
 2. भगिनी, दीदी-3
 4. सभी-2
 6. गीत गायन-2
 8. मार्ग, नाखून-2
 10. मां का दुलार-3
 12. आनंद, रस-2
 14. थूक, लेस-2
 16. अनुकृति-3
 18. सरूर, खुमार-2
 20. मां, मदर-2

|   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 1 | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 |
| म | त  | क  | ज  | टि | ल  | व  | अ  | र  |    |
| म | क  | अ  | ग  | त  | म  | य  | ज  |    |    |
| म | जी | दा | र  | प  | ल  | म  | द  | द  |    |
| व | चा | अ  | ट  | ल  |    | रा |    |    |    |
| न | ज  | र  | बं | द  | का | न  | भ  | र  | ना |
|   | जी |    | र  | न  | र  | भ  | र  | ना |    |
| अ | न  | ल  | क  | र  | अ  | क  | व  | र  |    |
| म | क  | ह  | क  | त  | र  | ना | ख  |    |    |
| र | ह  | ह  | ल  | वा | द  | आ  | ना |    |    |
| द | म  | दा | र  | स  | व  | सा | ना |    |    |

|   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 4 | 3 | 9 | 7 | 5 | 6 |   |
| 3 |   |   |   |   | 2 |   |   |
|   |   | 7 | 6 | 5 |   |   | 4 |
| 9 | 6 |   | 5 |   | 1 | 7 |   |
| 5 |   | 1 | 4 | 9 | 8 | 2 |   |
| 4 | 8 |   |   |   |   | 5 | 3 |
| 2 |   |   |   | 6 | 1 | 4 |   |
|   |   | 7 |   |   |   |   | 8 |
| 7 | 3 | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | 1 |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
 ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
 ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
 ■ पहेली का केवल एक ही हल है।

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 4 | 9 | 5 | 2 | 6 | 1 | 3 |
| 9 | 6 | 2 | 4 | 3 | 1 | 8 | 5 | 7 |
| 1 | 3 | 5 | 7 | 8 | 6 | 2 | 4 | 9 |
| 4 | 2 | 3 | 6 | 1 | 5 | 9 | 7 | 8 |
| 8 | 5 | 9 | 2 | 4 | 7 | 1 | 3 | 6 |
| 6 | 7 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 2 | 5 |
| 3 | 1 | 7 | 8 | 6 | 4 | 5 | 9 | 2 |
| 5 | 9 | 6 | 1 | 2 | 3 | 7 | 8 | 4 |
| 2 | 4 | 8 | 5 | 7 | 9 | 3 | 6 | 1 |

बेचना है
 बेचना है- बिलासपुर (सकरी मेन रोड से वाकिंग डिस्टेंस) इन्वेस्टर्स हेतु मकान बनाकर बेचने का अवसर सभी साइजों में डायवर्टेड आवासीय प्लॉट सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित सम्पर्क करें- 7898855268 (RO- 41750)
 02/09/26 to 05/10/26

## हरिभूमि

 आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इवन्टर, जाहिर सूचना
 R. 1200/-
 12X4.cm
 अन्य साईज में
 R. 40 sq.cm
 1 अप्रैल 2025 से लागू
 बुकिंग के लिए संपर्क करें।
 मो. 9977912473

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्साकीया सलाह, दिवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अवधी तरह जांच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संवादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

|         |                                                                                                                                                             |
|---------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| मेघ     | मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।                      |
| अश्लेष  | नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेगे।                |
| वृष     | कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।                           |
| मिथुन   | किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। क्रोध एवं अपेक्षा के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।                             |
| कर्क    | परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।        |
| सिंह    | संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।                                     |
| कन्या   | नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वाश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।                      |
| तुला    | मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।                            |
| वृश्चिक | सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।            |
| धनु     | किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग्य बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।                      |
| मकर     | आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। वैयसीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। |
| कुंभ    | शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।                            |
| मीन     |                                                                                                                                                             |

# आर्थिक आजादी की असली सुरक्षा कमाई के साथ जोखिम का भी बीमा

- बाढ़, आग, सड़क हादसे व साइबर ठगी जैसे जोखिम एक झटके में खत्म की रहे जमा पूंजी
- अब निवेश के साथ बीमा सुरक्षा को भी वित्तीय योजना का जरूरी हिस्सा बनाने की जरूरत

## सुरक्षा बिजनेस डेस्क

आर्थिक आजादी का मतलब सिर्फ अच्छी कमाई, बैंक में पर्याप्त पैसा या शेयर और म्यूचुअल फंड में निवेश होना नहीं है। असली आर्थिक मजबूती तब मानी जाती है, जब अचानक आने वाले बड़ा खर्च भी परिवार की वॉशे की बचत और निवेश को हिला न सके। बीमारी, सड़क हादसा, घर या दुकान में आग, प्राकृतिक आपदा और अब साइबर ठगी जैसे जोखिम कभी भी सामने आ सकते हैं। ऐसे में बीमा केवल किसी नुकसान की भरपाई का साधन नहीं, बल्कि पूरी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखने वाली ढाल बन जाता है। अक्सर निवेशक अपनी संपत्ति बढ़ाने पर ज्यादा ध्यान देते हैं, लेकिन उस संपत्ति को जोखिम से बचाने की योजना पीछे छूट जाती है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति ने कई वर्षों में बचत करके घर बनाया, बच्चों की पढ़ाई के लिए निवेश किया और सेवानिवृत्ति के लिए अलग कोष तैयार किया। यदि अचानक कोई बड़ा हादसा हो जाए और लाखों रुपये का खर्च सामने आ जाए तो वह व्यक्ति अपने निवेश को समय से पहले निकालने के लिए मजबूर हो सकता है। बाजार में गिरावट के समय निवेश बेचने की स्थिति पैदा हो जाए तो आर्थिक नुकसान और बढ़ सकता है।



## बीमा और निवेश की भूमिका अलग-अलग

वित्तीय योजना में बीमा और निवेश को एक-दूसरे का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। निवेश का मुख्य उद्देश्य समय के साथ धन बढ़ाना है, जबकि बीमा का उद्देश्य बड़े जोखिम से आर्थिक सुरक्षा देना है। इसलिए पहले पर्याप्त बीमा सुरक्षा तैयार करना और उसके बाद लक्ष्य का स्वरूप भी बदल रहा है। पहले चोरी, आग या प्राकृतिक आपदा जैसे जोखिम प्रमुख माने जाते थे, अब साइबर ठगी भी आम व्यक्ति की आर्थिक सुरक्षा के सामने बड़ी चुनौती है। फर्जी बैंक कॉल, गलत लिंक, पहचान संबंधी जानकारी की चोरी और दूसरे डिजिटल धोखे से लोग अपनी जमा पूंजी गंवा सकते हैं। हालांकि हर तरह का साइबर नुकसान सामान्य बीमा से स्वतः सुरक्षित नहीं होता। इसलिए किसी भी साइबर सुरक्षा उत्पाद या बीमा योजना को लेने

## वित्तीय योजना में सुरक्षा की चार परतें

एक मजबूत वित्तीय योजना को चार स्तरों में देखा जा सकता है। पहला, रोजमर्रा और अचानक आने वाले छोटे खर्चों के लिए आपातकालीन निधि। दूसरा, परिवार के लिए पर्याप्त जीवन बीमा। तीसरा, स्वास्थ्य और दूसरी जरूरी बीमा सुरक्षा। चौथा, लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए विविध निवेश। इन चारों को अलग-अलग उद्देश्य के साथ तैयार करने से किसी एक संकट का असर पूरी आर्थिक योजना पर नहीं पड़ता। इसके साथ ही नामांकित व्यक्ति की जानकारी, पॉलिसी दस्तावेज और दावा प्रक्रिया से जुड़े जरूरी कागजात परिवार के सदस्यों को भी पता होने चाहिए।

## पॉलिसी लेते समय जल्दबाजी से बचें

बीमा खरीदते समय केवल प्रीमियम की राशि देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। बीमित राशि, जोखिम का दायरा, दावा निपटाने की प्रक्रिया, प्रदीक्षा अवधि, अपजर्जन और नवीनीकरण की शर्तों को ध्यान से पढ़ना जरूरी है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा में अपनी वास्तविक जरूरत के मुताबिक कवरेज तय करना चाहिए। संपत्ति या कारोबार का बीमा लेते समय भी यह देखना जरूरी है कि पॉलिसी में वास्तविक संपत्ति और संग्रहित जोखिम पर्याप्त रूप से शामिल हैं या नहीं। किसी भी पॉलिसी में दावा करने की समयसीमा और जरूरी दस्तावेजों की जानकारी पहले से रखना बाद में परेशानी कम कर सकता है।

और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। दुकान, मशीनरी, माल और कारोबार से जुड़े जोखिमों के लिए उचित बीमा न होने पर एक दुर्घटना का असर केवल मालिक की संपत्ति पर नहीं, बल्कि पूरे कारोबार और कर्मचारियों की आय पर पड़ सकता है।

## साइबर ठगी बना नया आर्थिक जोखिम

डिजिटल लेनदेन बढ़ने के साथ वित्तीय जोखिमों का स्वरूप भी बदल रहा है। पहले चोरी, आग या प्राकृतिक आपदा जैसे जोखिम प्रमुख माने जाते थे, अब साइबर ठगी भी आम व्यक्ति की आर्थिक सुरक्षा के सामने बड़ी चुनौती है। फर्जी बैंक कॉल, गलत लिंक, पहचान संबंधी जानकारी की चोरी और दूसरे डिजिटल धोखे से लोग अपनी जमा पूंजी गंवा सकते हैं। हालांकि हर तरह का साइबर नुकसान सामान्य बीमा से स्वतः सुरक्षित नहीं होता। इसलिए किसी भी साइबर सुरक्षा उत्पाद या बीमा योजना को लेने

## 2047 की आर्थिक मजबूती में बीमा की बड़ी भूमिका

भारत जब विकसित अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब परिवारों की आय और संपत्ति के साथ उनके जोखिम भी बढ़ेंगे। अधिक घर, वाहन, कारोबार, डिजिटल लेनदेन और निवेश का मतलब यह भी है कि संभावित वित्तीय नुकसान का आकार बड़ा हो सकता है। इसलिए आने वाले समय में वित्तीय स्वतंत्रता का मतलब केवल ज्यादा कमाना और ज्यादा निवेश करना नहीं होगा। इसमें जोखिम का सही आकलन और पर्याप्त सुरक्षा भी शामिल होगी। निवेश से संपत्ति बनाने की प्रक्रिया जितनी जरूरी है, उसे किसी बड़े झटके से बचाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आर्थिक आजादी की असली परीक्षा उस समय होती है, जब ज़िंदगी अचानक योजना से बाहर चली जाती है। अगर उस समय परिवार को अपने बच्चों की पढ़ाई, घर के खर्च या भविष्य के निवेश की बचाने के लिए वर्षों की जमा पूंजी नहीं तोड़नी पड़े, तभी आर्थिक सुरक्षा को मजबूत कहा जा सकता है। इसलिए निवेश की रणनीति बनाने समय एक खयाल जरूर पूछा जाना चाहिए कि कितना काम और निवेश कर रहा हूँ, इसके साथ यह भी कि अचानक बड़ा जोखिम आया तो मेरी बचत हुई संपत्ति कितनी सुरक्षित है?



# पहली बार निवेश कर रहे हैं तो इन 5 गलतियों से बचें

## निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में पहला कदम रखना जितना उत्साहजनक होता है, उतना ही महत्वपूर्ण यह समझना भी है कि शुरुआत कहां से और कैसे की जाए। अक्सर नए निवेशक किसी बेस्ट की सलाह, इंटरनेट पर मिली जानकारी या बाजार में चल रही चर्चा के आधार पर पैसा लगाना शुरू कर देते हैं। लेकिन निवेश का सही तरीका किसी एक उत्पाद को चुनने से नहीं, बल्कि अपनी जरूरत, लक्ष्य, समय और जोखिम को समझने से शुरू होता है। नए निवेशकों के लिए कुछ बुनियादी नियम ऐसे हैं, जिन्हें शुरुआत में ही समझ लिया जाए तो आगे की कई वित्तीय गलतियों से बचा जा सकता है।

## 1. बीमा और निवेश को एक ही नजर से न देखें

भारत में कई परिवारों के लिए पहली बड़ी वित्तीय योजना जीवन बीमा होती है। इसलिए लोग बीमा पॉलिसी को निवेश का माध्यम भी मान लेते हैं। लेकिन दोनों का उद्देश्य अलग है। बीमा का प्राथमिक मकसद परिवार को वित्तीय जोखिम से सुरक्षा देना है, जबकि निवेश किटना पैसा संपत्ति बनाने के लिए लगा रहा है।

## 2. पूरा पैसा एक ही जगह न लगाएं

निवेश में सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक है विविधता। अपनी पूरी रकम किसी एक ही साधन या संपत्ति वर्ग में लगाने से जोखिम बढ़ सकता है। अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का प्रदर्शन एक जैसा नहीं होता। बाजार आधारित निवेश में उतार-चढ़ाव हो सकता है, जबकि सुरक्षित माने जाने वाले साधनों में रिटर्न की क्षमता अलग हो सकती है। सोने की कीमत भी अलग परिस्थितियों में बदलती है। इसलिए निवेशक अपनी जोखिम क्षमता और लक्ष्य के आधार पर अलग-अलग साधनों में संतुलन बना सकते हैं। इसका उद्देश्य किसी एक निवेश से सबसे ज्यादा रिटर्न हासिल करना नहीं, बल्कि पूरे निवेश को एक ही जोखिम से बचाना है।

## 3. सेवानिवृत्ति दूर है तो भी शुरुआत आज से करें

युवा उम्र में सेवानिवृत्ति काफी दूर लगती है। इसी वजह से बहुत से लोग इस लक्ष्य के लिए निवेश टालते रहते हैं। लेकिन लंबी अवधि के

- **बीमा को निवेश न समझें और पूरा पैसा एक ही साधन में न लगाएं**
- **शुरुआती निवेशक अवसर करते हैं कुछ गलतियां**
- **सही शुरुआत लंबे समय में बना सकती है मजबूत वित्तीय आधार**

निवेश में समय सबसे महत्वपूर्ण साथी बन सकता है। छोटी उम्र में निवेश शुरू करने का फायदा यह है कि छोटी-छोटी नियमित रकम भी लंबे समय में बड़ा कोष तैयार करने में योगदान दे सकती है। इसका कारण चक्रवृद्धि का प्रभाव है, जिसमें निवेश पर मिलने वाला लाभ आगे अतिरिक्त लाभ कमाने की क्षमता पैदा करता है। इसलिए सेवानिवृत्ति के लिए निवेश शुरू करने के लिए बड़ी रकम का इंतजार जरूरी नहीं है। आय बढ़ने के साथ निवेश की राशि धीरे-धीरे बढ़ाई जा सकती है।

## 4. पैसे लगाने से पहले वित्तीय समझ बढ़ाएं

निवेश करना अब पहले की तुलना में आसान हो गया है। मोबाइल फोन से खता खुल सकता है और कुछ ही मिनट में निवेश भी शुरू किया जा सकता है। लेकिन निवेश की प्रक्रिया आसान होने का मतलब यह नहीं है कि हर उत्पाद समझना भी आसान है। नए निवेशक को यह समझना चाहिए कि किसी निवेश में पैसा कैसे काम करता है, उसमें कितना जोखिम है, शुल्क कितना है और पैसा कितने समय के लिए लगाया जाना चाहिए। किसी उत्पाद का पिछला प्रदर्शन उसके भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं होता। सोशल मीडिया या परिचितों की सलाह पर बिना समझे पैसा लगाने के बजाय जरूरत पड़ते पर योग्य वित्तीय सलाहकार की मदद लेना बेहतर हो सकता है। जब निवेश की रकम बड़ी हो या लक्ष्य लंबी अवधि का हो।

## 5. सारी कमाई सिर्फ निवेश में न लगाएं

वित्तीय अनुशासन का अर्थ यह नहीं है कि वर्तमान ज़िंदगी की हर छोटी खुशी को टाल दिया जाए। निवेश जरूरी है, लेकिन परिवार व जरूरतों के लिए खर्च करना वित्तीय योजना का हिस्सा है। मासिक बचत बनाने समय बचत, निवेश और जरूरी खर्चों के साथ मनोरंजन और व्यक्तित्व इच्छाओं के लिए भी एक उचित रकम जरूरी है। इससे निवेश योजना बोझ जैसी महसूस नहीं होती और लंबे समय तक जारी रखना आसान रहता है। अगर लगातार अपनी जरूरतों और इच्छाओं को दबाता रहे तो वित्तीय योजना लंबे समय तक टिकाऊ नहीं रह सकती।

### शुरुआत छोटी हो सकती है, योजना बड़ी रखें

पहली बार निवेश करने वाले व्यक्ति के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वह किसी एक निवेश के पीछे भागने के बजाय अपनी पूरी वित्तीय तस्वीर को समझे। पहले जरूरी खर्चों और आपातकालीन जरूरतों के लिए व्यवस्था करें, फिर बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करें और उसके बाद लक्ष्य के अनुसार निवेश की योजना बनाएं। निवेश का चुनाव उम्र, आय, लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुसार बदल सकता है।

# गुल्लक से बाजार तक पहुंचा पैसा बदल रही बचत की तस्वीर

## सुझाव बिजनेस डेस्क

भारतीय परिवारों के लिए पैसा बचाने का मतलब लंबे समय तक घर में नकद रखना, सोना खरीदना, जमीन लेना या बैंक की सावधि जमा में रकम लगाना रहा है। लेकिन अब इस सोच में धीरे-धीरे बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। परिवारों की बचत का एक हिस्सा बैंक और पारंपरिक साधनों से निकलकर म्यूचुअल फंड, एसआईपी और शेयर बाजार जैसे वित्तीय साधनों की ओर बढ़ रहा है। यानी बचत की पुरानी आदत खत्म नहीं हुई है, लेकिन उसके साथ निवेश की नई आदत तेजी से जुड़ रही है। इस बदलाव का सबसे बड़ा संकेत घरेलू बचत में वित्तीय साधनों की बढ़ती हिस्सेदारी है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 23 में घरेलू बचत में वित्तीय बचत की हिस्सेदारी करीब 27 फीसदी थी, जो वित्त वर्ष 25 में बढ़कर 33 फीसदी हो गई। वहीं, वित्त वर्ष 25 में प्रतिभूति बाजार के माध्यम से परिवारों की बचत का प्रवाह बढ़कर करीब 6.91 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह करीब 3.58 लाख करोड़ रुपये था।

## एफडी के साथ अब बाजार भी विकल्प

भारतीय परिवारों की वित्तीय मानसिकता में बदलाव का मतलब यह नहीं है कि बैंक जमा या एफडी का महत्व खत्म हो गया है। बैंक जमा आज भी बचत का बड़ा माध्यम है। लेकिन अब निवेशक अपने पूरे पैसे को एक ही जगह रखने के बजाय अलग-अलग साधनों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। बैंक में तरल जरूरतों के लिए रखा जा रहा है, कुछ पैसा बीमा और सेवानिवृत्ति योजनाओं में जा रहा है और लंबी अवधि के लक्ष्य के लिए म्यूचुअल फंड या शेयर बाजार का रास्ता अपनाया जा रहा है। हालांकि आंकड़ों में भी यही बदलाव दिखाई देता है। वित्त वर्ष 25 में घरेलू वित्तीय परिसंपत्तियों में म्यूचुअल फंड में प्रवाह करीब 4.7 लाख करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 24 के करीब 2.4 लाख करोड़ रुपये के कार्पी ज्यादा है।

## एसआईपी ने बदली निवेश की आदत

म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ने की एक बड़ी वजह एसआईपी का बढ़ता चलन है। पहले शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए लोगों को बड़ी रकम की जरूरत महसूस होती थी। एसआईपी ने इस धारणा को बदला है। अब नियमित अंतराल पर छोटी रकम निवेश करना संभव है। इससे निवेश बाजार में एकमुश्त पैसा लगाने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करने की आदत में बदल रहा है। सरकार के एक हालिया आधिकारिक विवरण के मुताबिक वार्षिक घरेलू वित्तीय बचत में इक्विटी और म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 12 के करीब 2 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 25 में 15.2 फीसदी से ज्यादा हो गई। इसी अवधि में एसआईपी का औसत मासिक प्रवाह भी कई गुना बढ़ा है। यह बदलाव निवेश की



संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि नियमित निवेश बाजार की तेजी या मंदी के बजाय निवेशक की वित्तीय दिनचर्या का हिस्सा बन सकता है।

## छोटे शहरों से भी बड़ी मागीदारी

बाजार आधारित निवेश को लंबे समय तक बड़े शहरों और ज्यादा कमाई वाले लोगों से जोड़कर देखा जाता था। डिजिटल प्लेटफॉर्म और आसान ऑनलाइन खाता खोलने की सुविधा ने इस तस्वीर को बदला है। अब निवेश शुरू करने के लिए बड़े शहर में रहना या किसी निवेश कार्यालय तक जाना जरूरी नहीं रह गया। मोबाइल फोन और डिजिटल मुगलान व्यवस्था ने वित्तीय उत्पादों तक पहुंच आसान की है। इससे छोटे शहरों और कस्बों के निवेशकों की मागीदारी बढ़ने का रास्ता खुला है। युवा निवेशकों के लिए यह बदलाव और ज्यादा स्पष्ट है। वे बचत को केवल भविष्य की जरूरत के लिए सुरक्षित रखने के बजाय उसे लंबी अवधि में बढ़ाने के विकल्प भी तलाश रहे हैं।

# नकद, सोना और एफडी के साथ एसआईपी, म्यूचुअल फंड में लगा रहे पैसा छोटे निवेशकों की बढ़ती मागीदारी से तेज हो रहा वित्तीय बचत का दौर

है। सिर्फ सोशल मीडिया पर किसी की सलाह देखकर शेयर खरीदना या बाजार तेजी में देखकर निवेश बढ़ाना जोखिमपूर्ण हो सकता है। निवेशक को अपने लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार निवेश का चुनाव करना चाहिए। छोटी अवधि की जरूरत का पैसा अत्यधिक जोखिम वाले साधनों में लगाने से बचना जरूरी है।

## बचत से पोर्टफोलियो तक पहुंच रहा परिवार

भारतीय परिवारों की वित्तीय सोच में सबसे बड़ा बदलाव शायद यही है कि अब बचत को केवल एक जगह जमा करके रखने के बजाय अलग-अलग उद्देश्यों में बांटने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। घर का जरूरी खर्च और आपातकालीन जरूरतों के लिए सुरक्षित रकम, बच्चों की पढ़ाई के लिए अलग निवेश, सेवानिवृत्ति के लिए लंबी अवधि की योजना कि "पैसा कहां सुरक्षित रहेगा", बारिक यह भी पूछ रहा है कि "पैसा कितने समय में और किस लक्ष्य के लिए बढ़ सकता है?"

## आने वाले वर्षों में और बढ़ सकता है वित्तीय निवेश

भारत की युवा आबादी, डिजिटल वित्तीय दांचा और निवेश उत्पादों तक बढ़ती पहुंच इस बदलाव को आगे बढ़ा सकती है। हालांकि आंकड़ों में भी वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर बढ़ती रुचि साफ दिखाई देती है। हालांकि भारत में परिवारों की बड़ी संपत्ति अभी भी भौतिक परिसंपत्तियों में है।



# कमाई बढ़ने के साथ खर्च बढ़ा तो हाथ रह सकता है खाली बचत को प्राथमिकता, नियमित निवेश, जीवनशैली पर नियंत्रण जरूरी सालाना वित्तीय समीक्षा लंबे समय में बना सकती है मजबूत संपत्ति

# सैलरी बढ़ने से नहीं, पैसे की सही चाल से बनती है दौलत

## जानकारी बिजनेस डेस्क

अच्छी नौकरी, बढ़ती सैलरी और हर साल मिलने वाली वेतनवृद्धि किसी भी व्यक्ति को आर्थिक रूप से मजबूत होने का भरपौरा देती है, लेकिन ज्यादा कमाई अपने आप में दौलत की गारंटी नहीं है। कई बार आय बढ़ने के साथ खर्च भी उसी रफ्तार से बढ़ जाता है और महीने के अंत में बचत पहले जितनी ही रह जाती है। इसके उलट सीमित आय वाला व्यक्ति अगर खर्च पर नियंत्रण रखे, नियमित बचत करे और लंबे समय तक अनुशासन के साथ निवेश करता रहे तो वह अच्छी संपत्ति बना सकता है। यही वजह है कि धन बनाने की प्रक्रिया में कमाई के साथ पैसे को संचालने की आदतों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। वित्तीय विशेषज्ञों के मुताबिक आर्थिक मजबूती किसी एक बड़े निवेश या अचानक मिले बड़े रिटर्न से नहीं बनती। यह छोटे-छोटे लेकिन लगातार लिए गए सही वित्तीय फैसलों का परिणाम होती है।



## पहली आदत : बचत बाद में नहीं, पहले

ज्यादातर लोगों की आर्थिक दिनचर्या कुछ ऐसी होती है कि पहले घर का खर्च, बिल, खरीदारी और दूसरी जरूरतें पूरी की जाती हैं और महीने के अंत में बची रकम को बचत में डालने की कोशिश होती है। समस्या यह है कि अक्सर महीने के अंत तक बचाने के लिए कुछ ख़ास बचता ही नहीं इसके बजाय वेतन आने ही बचत और निवेश की रकम अलग कर देना ज्यादा प्रभावी तरीका हो सकता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति की मासिक आय एक लाख रुपये है तो वह अपनी क्षमता के मुताबिक 20 से 30 हजार रुपये पहले ही बचत या नियमित निवेश के लिए अलग कर सकता है। इसके बाद बची रकम में महीने का खर्च चालाने की

आदत बनाई जा सकती है। इसका फायदा यह है कि बचत इच्छा पर निर्भर नहीं रहती, बल्कि वित्तीय दिनचर्या का हिस्सा बन जाती है।

## दूसरी आदत: बाजार के उतार चढ़ाव से घबराएं नहीं

निवेश शुरू करना आसान है, लेकिन बाजार में गिरावट आने पर निवेश जारी रखना ज्यादा मुश्किल होता है। शेयर बाजार में तेजी के दौरान निवेशक उत्साहित होते हैं और गिरावट में कई लोग डरकर निवेश रोक देते हैं या जल्दबाजी में अपनी हिस्सेदारी बेच देते हैं। लंबी अवधि के निवेश में सबसे महत्वपूर्ण चीज नियमितता और अनुशासन है। निवेश का तरीका व्यक्ति की आय, जोखिम उठाने की क्षमता और वित्तीय लक्ष्य के अनुसार होना चाहिए। भविष्य के लक्ष्य के लिए अलग-अलग साधनों में निवेश का संतुलन बनाया जा सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि, सार्वजनिक भविष्य निधि, पेंशन योजनाएं, म्यूचुअल फंड और अन्य साधनों की भूमिका व्यक्ति की जरूरत के अनुसार अलग हो सकती है।

## तीसरी आदत : आय बढ़े तो पूरा खर्च न बढ़ाएं

सैलरी बढ़ने के साथ जीवनशैली में बदलाव स्वाभाविक है। समस्या तब शुरू होती है जब आय में हुई हर वृद्धि

का बड़ा हिस्सा नए खर्च में चला जाता है। बेहतर कार, महंगा मोबाइल, बड़ा घर, बाहर खाना और बार-बार छुट्टियों पर खर्च जैसी चीजें धीरे-धीरे मासिक बजट का हिस्सा बढ़ा देती हैं। इसे जीवनशैली की महंगाई कहा जा सकता है। इससे बचने का आसान तरीका यह है कि वेतनवृद्धि का पूरा फायदा खर्च में न लगाया जाए।

## चौथी आदत : बीमा को निवेश नहीं, सुरक्षा मानें

वित्तीय योजना में बीमा की भूमिका को लेकर अक्सर भ्रम रहता है। कई लोग बीमा को भी निवेश की तरह देखते हैं और रिटर्न की तुलना करने लगते हैं। जबकि बीमा का मूल उद्देश्य बड़े वित्तीय जोखिम से सुरक्षा देना है। स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में अस्पताल का बड़ा खर्च वर्षों की बचत पर भारी पड़ सकता है। पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा ऐसी स्थिति में बचत और निवेश को अचानक निकालने की जरूरत कम कर सकता है। इसी तरह परिवार के कमाने वाले सदस्य के साथ अनहोनी होने पर जीवन बीमा परिवार की आर्थिक जरूरतों को संभालने में मदद कर सकता है। इसलिए निवेश की योजना बनाने से पहले जरूरी जोखिमों के लिए पर्याप्त सुरक्षा तैयार करना समझदार है। बीमा का चुनाव केवल प्रीमियम देखकर नहीं, बल्कि कवरेज और शर्तों को समझकर करना चाहिए।

## पांचवी आदत : साल में एक बार पूरे पैसे का हिसाब

निवेश शुरू करने के बाद उसे भूल जाना भी सही रणनीति नहीं है। आय, खर्च, बचत, बॉनस और निवेश की स्थिति समय के साथ बदलती रहती है। इसलिए साल में कम से कम एक बार पूरी वित्तीय स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए। इस समीक्षा में देखा जा सकता है कि पिछले वर्ष कितना पैसा बचा, निवेश कितना बढ़ा, कर्ज कितना कम हुआ और क्या मौजूदा निवेश अभी भी तय लक्ष्य के मुताबिक है। आय बढ़ने पर निवेश की रकम बढ़ाई जा सकती है।

## दौलत बनाने का असली सूत्र

धन निर्माण को एक सरल कदम में समझा जा सकता है। कमाई बढ़ाएं, बचत पहले करें, जोखिम से सुरक्षा लें, नियमित निवेश करें और समय-समय पर समीक्षा करते रहें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि निवेश के लिए छोटी रकम से शुरुआत करके समय के साथ निवेश बढ़ाना अधिक व्यावहारिक हो सकता है। नियमित निवेश लंबे समय में चक्रवृद्धि का फायदा मिलने की संभावना बढ़ती है। अभी बनाने का फार्मूला या रातोंरात पैसा दोगुना करने वाली योजना नहीं है। मजबूत संपत्ति आमतौर पर लगातार किए गए छोटे वित्तीय फैसलों से बनती है।

राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन में जर्जर इमारत ढहने की घटना कोई अकेली त्रासदी नहीं है, बल्कि यह भारत की बदहाल शहरी बुनियादी संरचना और जर्जर इमारतों के उस विशाल संकट का एक ख़ौफनाक प्रतीक है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासन की घोर लापरवाही इंसानी जिंदगियों पर भारी पड़ रही है। एक तरह शहरों में तब्दील हो रहे गांव और उनमें बढ़ती आबादी के ज़रूरत अनुसार तमाम सुविधाएं जुटाने और सुरक्षा मुहैया कराने में प्रशासन और स्थानीय निकाय सुस्त पड़े हैं। वहीं किसी भी घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय न होना भी इस समस्या को और विराल रूप दे रही है। शहरों को स्मार्ट बनाने का अर्थ केवल कैमरे, ऐप और डिजिटल सिस्टम लगाना नहीं है। स्मार्ट शहर वह है, जहां नागरिक को साफ सड़क, सुरक्षित फ़ुटपाथ, व्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पानी, बेहतर सीवर, स्वच्छ वातावरण और समय पर सरकारी सेवाएं मिलें। इसके लिए सरकार को शहरी प्रशासन का विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और नागरिकों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। अब समय केवल शहरों को फैलाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर संचालित करने का है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

# बढ़ती आबादी और सुस्त स्थानीय निकाय

| विश्लेषण        |  |
|-----------------|--|
| उमेश चतुर्वेदी  |  |
| वरिष्ठ स्तंभकार |  |

**शहरी नियोजन और उसकी चुनौतियों को समझने से पहले शहरी इलाकों में रह रही जनसंख्या और शहरों की ओर बढ़ती ललक के आंकड़ों पर ध्यान देना जरूरी है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शहरी आबादी देश की कुल जनसंख्या का 31.16 प्रतिशत यानी करीब 37.71 करोड़ थी। हालिया अनुमानों के अनुसार, यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 36 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। 1981 की जनगणना रिपोर्ट के मुताबिक देश की शहरी आबादी 15.9 करोड़ और तब की आबादी का 23.3 प्रतिशत थी। साफ है कि भारत में शहरीकरण या शहरों की ओर पलायन अस्सी के दशक में बढ़ गया था, जिसमें नई आर्थिक नीति के बाद तेजी दिख रही है।**

शिक्षक दिवस के अगले ही दिन दिल्ली के सत्य निकेतन की एक इमारत के जमींदोज होने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने भारत की शहरी आबादी की सुरक्षा, सहूलियतों और सुविधाओं पर सवाल खड़ा कर दिया है। भारत की सदियों से पहचान उसकी ग्राम और कृषि संस्कृति के लिए रही है। लेकिन आधुनिक आर्थिकी की अपनाने के बाद भारत अपनी इस पहचान को लगातार पीछे छोड़ने की कोशिश में जुटा है। पश्चिम की तरह वह भी शहरीकरण को विकास का मानदंड मान चुका है। देश की बड़ी आबादी कभी मजबूरी के रोजगार तो कभी शिक्षा तो कभी स्वास्थ्य कारणों से लगातार शहरों की ओर पलायन कर रही है। पलायन की इस प्रवृत्ति को प्रतिशत के लिहाज से देखें तो घटी भले न लगे, लेकिन विशाल जनसंख्या वाले देश के लिहाज से असल में यह संख्या बहुत बड़ी है। इसका असर शहरी नियोजन और प्रशासन पर भी रोजाना दिखता है।

आंकड़ों की बाजीगरी में इस दबाव की लगातार अनदेखी होती रहती है। इस खेल में शहरी इलाकों में रहने वाली जनसंख्या और उन्हें मिलने वाले छोटे और किसी तरह पेट भर पाने वाले रोजगार को ही विकास का पैमाना मान लिया जाता है। सत्य निकेतन की घटना ने आंकड़ों की इसी बाजीगरी और शहरी नियोजन के साथ ही शहरी निकाय प्रबंधन के बारे में सोचने का अवसर मुहैया कराया है। शहरी नियोजन और उसकी चुनौतियों को समझने से पहले शहरी इलाकों में रह रही जनसंख्या और शहरों की ओर बढ़ती ललक के आंकड़ों पर ध्यान देना जरूरी है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शहरी आबादी देश की कुल जनसंख्या का 31.16 प्रतिशत यानी करीब 37.71 करोड़ थी। हालिया अनुमानों के अनुसार, यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 36 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। 1981 की जनगणना रिपोर्ट के मुताबिक देश की शहरी आबादी 15.9 करोड़ और तब की आबादी का 23.3 प्रतिशत थी। साफ है कि भारत में शहरीकरण या शहरों की ओर पलायन अस्सी के दशक में बढ़ गया था, जिसमें नई आर्थिक नीति के बाद तेजी दिख रही है।

### शहरों की ओर पलायन

संयुक्त राष्ट्र-हैबिटेट के वर्ल्ड सिटीज रिपोर्ट 2016 के आकलन के मुताबिक भारत की शहरी आबादी 2015 में 42 करोड़ थी। कुछ अनुमानों के अनुसार, साल 2030 तक भारत की 40 फीसद से अधिक आबादी शहरी क्षेत्रों में रहने लगेगी, जबकि कुछ अनुमानों में इसे पचास प्रतिशत तक बताया जा रहा है। अगर मौजूदा आंकड़ों के अनुसार मान लें कि करीब 40 फीसद ही आबादी शहरों में रह रही है तो एक सौ पचास करोड़ की जनसंख्या के लिहाज से यह संख्या साठ करोड़ के आसपास बैठती है। यह संख्या अकेले अमेरिका की जनसंख्या से डोगुनी है। लेकिन अर्थव्यवस्था के लिहाज से देखें तो भारत की स्थिति अमेरिका के मुकाबले बेहद कम है। इसलिए उसकी बराबरी कम से कम मौजूदा हालात में संभव नहीं है। उदाहरण के लिए का जिस मौजूदा आर्थिकी को पूरी दुनिया ने अपना रखा है, वह अमेरिका और ब्रिटेन से आई है। इस लिहाज से देखें तो मौजूदा आर्थिकी के प्रभाव में पूरी दुनिया अमेरिका होना चाहती है, लेकिन संसाधनों के संदर्भ में देखें तो ऐसा होना तत्काल संभव नहीं है।

## अदालती चेतावनी को भी कर रहे नजरअंदाज

| अनदेखी           |  |
|------------------|--|
| रवि शंकर         |  |
| स्वतंत्र पत्रकार |  |

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक बहुमंजिला इमारत गिरने की घटना में एक बार फिर साबित कर दिया है कि राष्ट्रीय राजधानी में लापरवाही की कीमत लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है। जहां कभी अवैध इमारत ढह जाती है, कभी होटलों में आग लग जाती है, कभी पानी क्रॉचिंग सेंटों के भीतर घुस जाता है, तो कभी भगदड़ जैसी घटनाएं हो जाती हैं। हर बार जवाबदेही बयानों और कागजों में दबकर रह जाती है। सत्य निकेतन की घटना कोई अकेली त्रासदी नहीं है, बल्कि यह भारत की बदहाल शहरी बुनियादी संरचना और जर्जर इमारतों के उस विशाल संकट का एक खौफनाक प्रतीक है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासन की घोर लापरवाही इंसानी जिंदगियों पर भारी पड़ रही है। दिल्ली में इमारत गिरने की यह कोई अकेली घटना नहीं है। बीते दो वर्षों में रोहिणी, साकेत, वेलकम, करोल बाग, पहाड़गंज और मुस्तफाबाद के अलावा दिल्ली के कई अन्य इलाकों में इमारत गिरने की घटनाएं हुईं। दिल्ली की एक बड़ी समस्या अनऑथराइज्ड कॉलोनियां भी हैं, जिसकी वजह से आए दिन कोई न कोई हादसा सुनने में आता ही है। इन इलाकों में लंबे समय से मालिकाना हक, सड़क, सीवर और दूसरी बुनियादी सुविधाओं की समस्या रही है। अप्रैल 2026 में सरकार ने 1,511 अनऑथराइज्ड कॉलोनियों को 'जैसी है, जहां है' के आधार पर नियमित करने का फैसला किया। दिल्ली में समस्या यह नहीं है कि हर घर असुरक्षित है या हर सड़क जानलेवा है। समस्या यह है कि बार-बार होने वाले हादसे व्यवस्था की कमजोरियां सामने ला रहे हैं। एनसीआरबी की एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड्स इन इंडिया (एडीएसआई) रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2024 के बीच देशभर में कुल 7,874 लोगों की जान चली गई। इसमें सबसे चिंताजनक स्थिति देश की राजधानी में इस तरह की घटनाओं में मौत के आंकड़ों का बढ़ना

है। अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई की जगह उन्हें संरक्षण दिया जाता है। इन घटनाओं से अवैध निर्माण को कानूनन वैध करने की प्रक्रिया पर भी प्रश्न खड़े होते हैं। अदालती चेतावनी को भी नजरअंदाज किया जाता है। वर्ष 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे लेकर चेतावनी देने के साथ ही वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहने वाले अधिकारियों की जवाबदेही पर जोर दिया था। इसके बावजूद अवैध और असुरक्षित भवनों के विरुद्ध कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। राजधानी में सस्ते आवास की कमी के

मायने नहीं होते हैं। उनमें से कई लोग अनाधिकृत निर्माण में लিপट होते हैं और राजनीतिक रसूख अथवा पैसों की मदद से अपने विरोधियों का मुंह बंद कर देते हैं। अहम सवाल ये है कि देश की राजधानी में हुई घटना के लिए किसको जिम्मेदार ठहराया जाए? दिल्ली सरकार, एमसीडी या स्थानीय प्रशासन? कहने की तो कुछ अधिकारियों को निलंबित किया गया है, जैसा कि ऐसे हादसों के बाद हमेशा होता है। क्या निलंबन कोई कार्रवाई होती है? जो आज निलंबित होंगे, वे चार-छह महीनों में दोबारा कुरसियों पर आ टिकेंगे।



**भारतीय शहरों की घनी आबादी और जमीनों की ऊंची कीमत भी निम्न मध्यम वर्गीय लोगों को, जिन्होंने किसी तरह से खुद के लिए छोटे मकान का बंदोबस्त किया है, वे ही अतिरिक्त निर्माण के लिए बाध्य हैं। ऐसे सभी निर्माण, योजना कानूनों का बंदोबस्त किया है, वे ही अतिरिक्त निर्माण को धराशायी कर देते हैं। उन्हें स्थानीय निकायों के तरफ से नोटिस भी दिया जाता है, परंतु आमतौर पर ऐसे हालातों में स्थानीय प्रबंधन का सहारा ले लिया जाता है, ताकि इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाए। कई धनाढ्य लोगों के लिए, कानून के कोई**

क्या इससे जवाबदेही तय होगी? कामकाज में कोई सुधार आएगा? क्या इस कार्रवाई के बाद इमारतें नहीं ढहेंगी? यह सिर्फ दिल्ली का नहीं, पूरे देश का मामला है। सरकारों क्या कर रही हैं? अधिकारी कब जागेंगे? आम आदमी की जान की कद्र कब होगी? दुर्भाग्यवश, हमें ईमानदारीपूर्वक ये मानना होगा कि शहरों में अवैध निर्माण के प्रसार पर समूची रोकथाम नहीं लगाई जा सकी है। इनके सतत बढ़त के पीछे कई वजह हैं। जैसे-जैसे हम बढ़ते हैं और घेरा बनते जाते हैं, ये शहर अपने साथ-साथ समस्याओं में और भी जटिलताएं लाते हैं ।

## बेहतर व्यवस्था ही दिलाएगी असली गौरव

अवैध निर्माण का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है, जो शहरी नियोजन और सुरक्षा प्रणालियों की खामियों को उजागर करता है। रोशनी, हवा से महरूम डिब्बानुमा कमरे में आज लाखों बच्चे दिल्ली के विभिन्न सघन आबादी वाले इलाकों में पढ़ाई कर रहे हैं। इस उम्मीद में कि एक दिन उसका करियर और सपना पूरा होगा। इसके लिए विभिन्न शिक्षण संस्थानों में महंगी फीस चुकाकर और महंगे खर्च उठाकर अपना भविष्य संवारने की कोशिश करते हैं। परंतु पैसा कमाने की हवस में मकान मालिक या पीजी



मौजूदा अर्थव्यवस्था के चलते किसी भी राज्य या शहरी निकाय प्रशासन और सरकार के लिए संभव ही नहीं है कि हर व्यक्ति को साफ और उचित घर मुहैया करा सके। केंद्र सरकार के भी वश का नहीं कि हर छात्र को वह स्वच्छ और सहूलियत युक्त छात्रावास और कमजोर आर्थिक आय वाले व्यक्ति को मकान उपलब्ध करा सके। लेकिन सरकार एक काम जरूर कर सकती है। खुले बाजार में उचित दर पर सहूलियत भरे मकान उपलब्ध कराने वाले मकान मालिकों और छात्रावास संचालकों की निगरानी जरूर कर सकती है, लेकिन ऐसा होता नहीं। स्थानीय प्रशासन और स्थानीय निकायों के जवाबदेह ज्यादातर लोगों की निगाह ऊपरी कमाई पर होती है। दिल्ली के लोगों को पता है कि वे अगर घर बनाना शुरू करते हैं तो नगर निगम का स्थानीय बेलबंदर मकान मालिक से वसूलने में देर नहीं लगाता। कानूनी रूप से अब दिल्ली पुलिस की भूमिका इन मामलों में खत्म कर दी गई है। लेकिन अब भी स्थानीय बीट कांस्टेबल भी निर्माण को एकदम के एवज में तस्कूली करते हैं।

मौजूदा अर्थव्यवस्था के चलते किसी भी राज्य या शहरी निकाय प्रशासन और सरकार के लिए संभव ही नहीं है कि हर व्यक्ति को साफ और उचित घर मुहैया करा सके। केंद्र सरकार के भी वश का नहीं कि हर छात्र को वह स्वच्छ और सहूलियत युक्त छात्रावास और कमजोर आर्थिक आय वाले व्यक्ति को मकान उपलब्ध करा सके। लेकिन सरकार एक काम जरूर कर सकती है। खुले बाजार में उचित दर पर सहूलियत भरे मकान उपलब्ध कराने वाले मकान मालिकों और छात्रावास संचालकों की निगरानी जरूर कर सकती है, लेकिन ऐसा होता नहीं। स्थानीय प्रशासन और स्थानीय निकायों के जवाबदेह ज्यादातर लोगों की निगाह ऊपरी कमाई पर होती है। दिल्ली के लोगों को पता है कि वे अगर घर बनाना शुरू करते हैं तो नगर निगम का स्थानीय बेलबंदर मकान मालिक से वसूलने में देर नहीं लगाता। कानूनी रूप से अब दिल्ली पुलिस की भूमिका इन मामलों में खत्म कर दी गई है। लेकिन अब भी स्थानीय बीट कांस्टेबल भी निर्माण को एकदम के एवज में तस्कूली करते हैं।

मौजूदा अर्थव्यवस्था के चलते किसी भी राज्य या शहरी निकाय प्रशासन और सरकार के लिए संभव ही नहीं है कि हर व्यक्ति को साफ और उचित घर मुहैया करा सके। केंद्र सरकार के भी वश का नहीं कि हर छात्र को वह स्वच्छ और सहूलियत युक्त छात्रावास और कमजोर आर्थिक आय वाले व्यक्ति को मकान उपलब्ध करा सके। लेकिन सरकार एक काम जरूर कर सकती है। खुले बाजार में उचित दर पर सहूलियत भरे मकान उपलब्ध कराने वाले मकान मालिकों और छात्रावास संचालकों की निगरानी जरूर कर सकती है, लेकिन ऐसा होता नहीं। स्थानीय प्रशासन और स्थानीय निकायों के जवाबदेह ज्यादातर लोगों की निगाह ऊपरी कमाई पर होती है। दिल्ली के लोगों को पता है कि वे अगर घर बनाना शुरू करते हैं तो नगर निगम का स्थानीय बेलबंदर मकान मालिक से वसूलने में देर नहीं लगाता। कानूनी रूप से अब दिल्ली पुलिस की भूमिका इन मामलों में खत्म कर दी गई है। लेकिन अब भी स्थानीय बीट कांस्टेबल भी निर्माण को एकदम के एवज में तस्कूली करते हैं।

| बुनियादी जरूरत   |  |
|------------------|--|
| सुशील देव        |  |
| स्वतंत्र पत्रकार |  |

इस समय दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन चल रहा है, जिसमें चीन,रूस जैसी महाशक्तियों समेत कुल 21 देशों की मंहाशक्तियों समेत कुल 21 देशों के प्रमुख एक ही मंच पर दिखाई दे रहे हैं। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। यानी दुनिया की नजरें इस समय दिल्ली पर टिकी हैं। सम्मेलन में वैश्विक साझेदारी, खुले व्यापार या बदलते शक्ति संतुलन की चर्चाएं हो रही हैं, लेकिन दूसरी तरफ इस राजधानी में नागरिक सुविधाओं को लेकर भी चर्चाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। आखिर क्यों किसी खास मौके पर ही सरकारी तंत्र सक्रिय हो जाते हैं और यातायात, सफाई व्यवस्था, सुरक्षा तथा पुलिसिंग सब ठीक-ठाक हो जाती है? दिल्ली के नागरिकों की ओर से सरकार के समक्ष यह एक बड़ा सवाल है। कहते हैं कि सस्ती सुविधाओं के लिए सरकार राजधानी शहर में भी सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों से समझौता करती है। सरकार कई मोर्चे पर असफल साबित होती है। यातायात, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के अलावा कई बुनियादी जरूरतें भी हैं जिनमें हिलाला, भ्रष्टाचार या लापरवाही शामिल हैं। इनके कारण दिल्ली शहर की लगातार बदनामी होती है।

दिल्ली में सत्य निकेतन की घटना में 9 लोगों की जान चली गई। इनमें ज्यादातर छात्र थे। पांच मंजिला इमारत में नियम-कानून को ताक पर रखकर पीजी चलाया जा रहा था। हालांकि इस घटना में एमसीडी के कई अफसरों को निलंबित कर दिया गया। मकान मालिक को गिरफ्तार किया गया। लेकिन यह सब तब हुआ, जब हादसा हो गई। ऐसे में यह सवाल उठता है कि हादसा होने से पहले प्रशासन नींद से क्यों नहीं जागता? घटना के बाद पड़ताल की जा रही है तो एक के बाद एक ऐसी जर्जर इमारतों का पता चल रहा है, जो बहुत ही खतरनाक हैं। पता नहीं, वह किस दिन गिर जाए और कई जिंदगियां दफन हो जाएं। इन इमारतों में रहने वाले छात्र, जो देश का भविष्य हैं। उनका जीवन हर पल खतरे के साग में रहता है।

# निकायों की जवाबदेही तय करने का समय

परिवर्तन संसार का नियम है। तरक्की करना व्यक्ति व देश की अनिवार्यता है, लेकिन इसके चलते साइड इफेक्ट का भी ध्यान रखना जरूरी है। भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। गांवों और कस्बों से शहरों की ओर बढ़ती आबादी ने महानगरों पर भारी दबाव पैदा कर दिया है। सड़कों पहले से अधिक व्यस्त हैं, सीवर व्यवस्था पर बोझ बढ़ रहा है, पेयजल की मांग बढ़ रही है और कचरा प्रबंधन जैसी समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी व्यवस्था आज भी काफी हद तक पुराने ढरे पर चल रही है। सवाल यह है कि क्या केवल नई सड़कें, प्लाईओवर और कुछ बड़ी परियोजनाएं बनाकर शहरों को बेहतर बनाया जा सकता है; शायद नहीं। आवश्यकता इस बात की है कि स्थानीय निकायों और शहरी प्रशासन के पूरे ढांचे की समीक्षा की जाए। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत नागरिकों के सबसे नजदीक की सरकार हैं। नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी अधिकांश समस्याएं इन्हीं संस्थाओं से संबंधित होती हैं- सड़क, नाली, सीवर, कूड़ा, स्ट्रीट लाइट, पार्क, पार्किंग और स्थानीय स्तर की स्वच्छता। लेकिन समस्या यह है कि कई बार जिम्मेदारी स्थानीय निकाय की होती है, जबकि निर्णय लेने और धन उपलब्ध कराने की शक्ति किसी दूसरे स्तर पर होती है। परिणामस्वरूप नागरिक विभागों के बीच चक्कर लगाता रहता है। इस व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। जिस संस्था को जिम्मेदारी दी जाए, उसे पर्याप्त अधिकार और वित्तीय संसाधन भी दिए जाने चाहिए। सड़क बने और कुछ दिन बाद फिर खोद दी जाए। हमारे शहरों की एक बड़ी समस्या विभागों के बीच समन्वय की कमी है। एक एजेंसी सड़क बनाती है, कुछ समय बाद सीवर या पानी की पाइपलाइन के लिए सड़क खोद दी जाती है। फिर किसी अन्य एजेंसी द्वारा केबल या पाइपलाइन डालने के लिए वही सड़क दोबारा खोदी जाती है। इससे सरकारी धन की बर्बादी तो होती ही है, नागरिकों को भी धूल, जाम, दुर्घटना और जलभराव जैसी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। इसका समाधान एकीकृत शहरी योजना में है। सड़क निर्माण से पहले यह तय होना चाहिए कि अगले कई वर्षों में उस सड़क के नीचे किन-किन सेवाओं की जरूरत पड़ेगी। नागरिक केवल करदाता नहीं, भागीदार भी हैं। शहर में रहने वाला नागरिक केवल संपत्ति कर, पानी का बिल या अन्य शुल्क देने वाला व्यक्ति नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसे यह जानने का अधिकार भी है कि उसके क्षेत्र के विकास के लिए कितना धन आया, कहां खर्च हुआ और काम की गुणवत्ता कैसी रही। सूचना का अधिकार नागरिकों को सरकारी रिकॉर्ड और परियोजनाओं से संबंधित जानकारी हासिल करने का महत्वपूर्ण माध्यम देता है। इसी तरह शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था नागरिकों को अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का रास्ता देती है। लेकिन अधिकार तभी प्रभावी होंगे जब शिकायतों पर सम्यक्बद्ध कार्रवाई भी हो। यदि किसी इलाके में महीने से सड़क टूटी हुई है, नाली जाम है या जलभराव लगातार हो रहा है, तो नागरिक को यह पता होना चाहिए कि इसके लिए जिम्मेदार विभाग कौन है और समाधान की समयसीमा क्या है। आज जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें हर शिकायत का एक जिम्मेदार अधिकारी, निश्चित समयसीमा और कार्रवाई की स्थिति नागरिक को दिखाई दे। इसके साथ ही नगर निकायों के बजट और परियोजनाओं को अधिक पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। जनता को यह जानकारी आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए कि उसके वॉर्ड में कितना पैसा स्वीकृत हुआ और उसका उपयोग कहां किया गया। वार्ड स्तर पर बड़े नागरिकों को भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। शहरी प्रशासन को केवल अधिकारियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। वार्ड समितियों और स्थानीय नागरिक समूहों को प्रभावी बनाया जाना चाहिए। मोहल्ले के लोगों को यह बताने का अवसर मिलना चाहिए कि उनके क्षेत्र की प्राथमिक जरूरत क्या है। कहीं सड़क की जरूरत है, कहीं पार्क की, कहीं पार्किंग की और कहीं जल निकासी की। हर इलाके की समस्या एक जैसी नहीं होती। इसलिए स्थानीय जरूरतों के आधार पर स्थानीय योजनाएं बनाना अधिक प्रभावी होगा। शहरों का भविष्य केवल सरकार नहीं, नागरिक भी तय करेंगे। शहरों को स्मार्ट बनाने का अर्थ केवल कैमरे, ऐप और डिजिटल सिस्टम लगाना नहीं है। स्मार्ट शहर वह है जहां नागरिक को साफ सड़क, सुरक्षित फुटपाथ, व्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पानी, बेहतर सीवर, स्वच्छ वातावरण और सरकारी सेवाएं मिलें। सरकार को शहरी प्रशासन का विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार, बेहतर समन्वय और नागरिकों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। आखिरकार शहर किसी एक सरकार या विभाग के नहीं होते। शहर वह जगह है जहां नागरिकों के होते हैं। इसलिए शहरी विकास की हर योजना के केंद्र में नागरिक होना चाहिए। यदि सरकार स्थानीय निकायों की अधिकार, संसाधन और जवाबदेही के तीनों दरमजबूत कर दे, तो शहरों की अनेक बुनियादी समस्याओं का समाधान से संभव हो सकता है। अब समय केवल शहरों को फैलाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर तरीके से संचालित करने का है।

**हमारे शहरों की एक बड़ी समस्या विभागों के बीच समन्वय की कमी है। एक एजेंसी सड़क बनाती है, कुछ समय बाद सीवर या पानी की पाइपलाइन के लिए सड़क खोद दी जाती है। फिर किसी अन्य एजेंसी द्वारा केबल या पाइपलाइन डालने के लिए वही सड़क दोबारा खोदी जाती है। इससे सरकारी धन की बर्बादी तो होती ही है, नागरिकों को भी धूल, जाम, दुर्घटना और जलभराव जैसी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। इसका समाधान एकीकृत शहरी योजना में है। सड़क निर्माण से पहले यह तय होना चाहिए कि अगले कई वर्षों में उस सड़क के नीचे किन-किन सेवाओं की जरूरत पड़ेगी। नागरिक केवल करदाता नहीं, भागीदार भी हैं। शहर में रहने वाला नागरिक केवल संपत्ति कर, पानी का बिल या अन्य शुल्क देने वाला व्यक्ति नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसे यह जानने का अधिकार भी है कि उसके क्षेत्र के विकास के लिए कितना धन आया, कहां खर्च हुआ और काम की गुणवत्ता कैसी रही। सूचना का अधिकार नागरिकों को सरकारी रिकॉर्ड और परियोजनाओं से संबंधित जानकारी हासिल करने का महत्वपूर्ण माध्यम देता है। इसी तरह शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था नागरिकों को अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का रास्ता देती है। लेकिन अधिकार तभी प्रभावी होंगे जब शिकायतों पर सम्यक्बद्ध कार्रवाई भी हो। यदि किसी इलाके में महीने से सड़क टूटी हुई है, नाली जाम है या जलभराव लगातार हो रहा है, तो नागरिक को यह पता होना चाहिए कि इसके लिए जिम्मेदार विभाग कौन है और समाधान की समयसीमा क्या है। आज जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें हर शिकायत का एक जिम्मेदार अधिकारी, निश्चित समयसीमा और कार्रवाई की स्थिति नागरिक को दिखाई दे। इसके साथ ही नगर निकायों के बजट और परियोजनाओं को अधिक पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। जनता को यह जानकारी आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए कि उसके वॉर्ड में कितना पैसा स्वीकृत हुआ और उसका उपयोग कहां किया गया। वार्ड स्तर पर बड़े नागरिकों को भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। शहरी प्रशासन को केवल अधिकारियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। वार्ड समितियों और स्थानीय नागरिक समूहों को प्रभावी बनाया जाना चाहिए। मोहल्ले के लोगों को यह बताने का अवसर मिलना चाहिए कि उनके क्षेत्र की प्राथमिक जरूरत क्या है। कहीं सड़क की जरूरत है, कहीं पार्क की, कहीं पार्किंग की और कहीं जल निकासी की। हर इलाके की समस्या एक जैसी नहीं होती। इसलिए स्थानीय जरूरतों के आधार पर स्थानीय योजनाएं बनाना अधिक प्रभावी होगा। शहरों का भविष्य केवल सरकार नहीं, नागरिक भी तय करेंगे। शहरों को स्मार्ट बनाने का अर्थ केवल कैमरे, ऐप और डिजिटल सिस्टम लगाना नहीं है। स्मार्ट शहर वह है जहां नागरिक को साफ सड़क, सुरक्षित फुटपाथ, व्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पानी, बेहतर सीवर, स्वच्छ वातावरण और सरकारी सेवाएं मिलें। सरकार को शहरी प्रशासन का विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार, बेहतर समन्वय और नागरिकों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। आखिरकार शहर किसी एक सरकार या विभाग के नहीं होते। शहर वह जगह है जहां नागरिकों के होते हैं। इसलिए शहरी विकास की हर योजना के केंद्र में नागरिक होना चाहिए। यदि सरकार स्थानीय निकायों की अधिकार, संसाधन और जवाबदेही के तीनों दरमजबूत कर दे, तो शहरों की अनेक बुनियादी समस्याओं का समाधान से संभव हो सकता है। अब समय केवल शहरों को फैलाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर तरीके से संचालित करने का है।**

## एफएसएसएआई ने उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने बड़ा कदम उठाया

एजेंसी ►►नई दिल्ली

खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। नियामक ने 2 कंपनियों, निलगिरी ऑयल एंड एलाइड इंडस्ट्रीज और एक्वाग्री प्रोसेसिंग, को अपने दो उत्पादों को तुरंत बाजार से वापस बुलाने का निर्देश दिया है। इन उत्पादों में उच्च कीटनाशक अवशेष और सुरक्षा संबंधी चिंताएं पाई गई हैं। एफएसएसएआई ने बीते शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इस कार्रवाई की जानकारी दी।



काम की खबर

### खबर संक्षेप

#### ट्रेन में महिला से छेड़छाड़ करने पर टीटीई गिरफ्तार

**पलक्कड़।** पलक्कड़ के शोरानूर के पास ट्रेन में महिला यात्री से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के आरोप में टिकट निरीक्षक (टीटीई) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान कोल्लम के कडक्कल निवासी शिजू के रूप में हुई है। वह रेलवे के तिरुवनंतपुरम मंडल से जुड़ा है।

#### छग पीएससी पेपर लीक अतिरिक्त कलेक्टर अरेस्ट रायपुर।

इंडी ने छग के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के एडिशनाल कलेक्टर चेतन बोरघरिया को लोक सेवा आयोग पेपर लीक में गिरफ्तार किया है। इंडी ने यह कार्रवाई मनी लॉडिंग रोकथाम अधिनियम के तहत की। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान हुए इस घोटाले के सिलसिले में इंडी ने गिरफ्तारी से पहले बोरघरिया से पूछताछ की थी।

#### प्रशिक्षण के दौरान दौरा पड़ने से पायलट की मौत

**नई दिल्ली।** एयर इंडिया के एक पायलट का दिल्ली में प्रशिक्षण के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। यह घटना दिल्ली के एक हॉटेल में हुई, जहां वे लेआउट आराम पर थे। एयर इंडिया ने कॉकपिट क्रू सदस्य के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। पायलट को शुक्रवार शाम हॉटल में अचेत पाया गया था।

#### हॉकी : महानिदेशक को कारण बताओ नोटिस भेजा

**नई दिल्ली।** हॉकी इंडिया ने अपने महानिदेशक कमांडर आरके श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उनके सभी अधिकार तत्काल प्रभाव से खीन लिए। भारतीय हॉकी टीम की जर्सी के रंग में बदलाव का विवाद इस नोटिस में लागू हुए प्रमुख आरोपों में शामिल है।

## कांनपुर में 5,600 करोड़ रुपए की साइबर लूट का खुलासा

### सीपी ने दी हैदराबाद से गिरोह के 2 शातिर अरेस्ट जानकारी

### आरोपियों की 76 फर्जी कंपनियां मिलीं

एजेंसी ►►कांनपुर

पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी डिजिटल ठगी का पर्दाफाश किया है। चमनगंज और बेकनगंज के 2साइबर अपराधियों ने मिलकर पूरे देश में करीब 5,600 करोड़ का फ्रांड किया है। इन्हें साइबर क्राइम टीम ने हैदराबाद से गिरफ्तार किया है टीम ने रैकेट के सरगना बेकनगंज के तत्काल महल निवासी शाहवेज वारिस को हैदराबाद में ट्रेस किया। इन्हें कांनपुर लाया गया। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने नेटवर्क का खुलासा किया।

## नीलगिरी ऑयल के धनिया पावडर और एक्वाग्री प्रोसेसिंग के ‘असुरक्षित और कीटनाशक अवशेष’ ज्यादा होने पर 2 उत्पादों को तुरंत हटाने को कहा

### इनके उत्पादों में सुरक्षा संबंधी चिंताएं पाई गई

#### प्रयोगशाला परीक्षण और मूल्यांकन के बाद की कार्रवाई

एफएसएसएआई ने इन फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को वापसी के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई प्रयोगशाला परीक्षण और मूल्यांकन के बाद की गई है। निलगिरी ऑयल एंड एलाइड इंडस्ट्रीज के ‘शालीमासं शेफ- धनिया पाउडर’ में कीटनाशक अवशेष निर्धारित मानकों से अधिक मिले। वहीं, एक्वाग्री प्रोसेसिंग के ‘केरागीनन’ उत्पाद को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण वापस लेने को

कहा गया है। एफएसएसएआई द्वारा ‘केरागीनन’ के नमूने में कैडमियम की मात्रा असंतोषजनक पाई गई। यह उत्पाद निर्धारित विशिष्टताओं के अनुरूप नहीं था। खाद्य विश्लेषक ने दोनों नमूनों को ‘असुरक्षित’ घोषित किया। दोबारा परीक्षण में भी परिणाम वही रहे। नियामक ने कहा कि इन उत्पादों का निर्माण एफएसएस अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है।

### कैडमियम की मात्रा अधिक पाई गई

एफएसएसएआई ने नीलगिरी ऑयल एंड एलाइड इंडस्ट्रीज को ‘शालीमासं शेफ - धनिया पाउडर’ को तत्काल वापस बुलाने का आदेश दिया है। कंपनी के परिसर से लिए गए इस धनिया पाउडर के नियामक नमूने में कीटनाशक अवशेष निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं थे। इसे असुरक्षित पाया गया। इसी तरह, एक्वाग्री प्रोसेसिंग को अपने ‘केरागीनन’ उत्पाद को बाजार से हटाने का निर्देश मिला है। इस उत्पाद में कैडमियम की मात्रा अधिक पाई गई, जिससे यह असुरक्षित श्रेणी में आ गया।

#### नमूनों का दोबारा परीक्षण कराया

खाद्य नियामक ने इन उत्पादों के नियामक नमूने लिए थे। ‘केरागीनन’ का नमूना फसाई के दक्षिणी क्षेत्र द्वारा लिया गया था। ‘शालीमासं शेफ - धनिया पाउडर’ का नमूना कंपनी के परिसर से लिया गया। दोनों नमूनों का प्रयोगशाला में परीक्षण किया गया। प्रारंभिक परीक्षण में ही वे असुरक्षित पाए गए। इसके बाद दोबारा परीक्षण भी किया गया, जिसमें भी वही असंतोषजनक परिणाम सामने आए। इनके आधार पर वापसी के आदेश दिए।

#### उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना ही हमारा लक्ष्य

एफएसएसएआई ने खाद्य कारोबार संचालकों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई तेज की है। नियामक का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना है। एफएसएसएआई अपनी इन कार्रवाइयों को सोशल मीडिया मंचों पर भी साझा कर रहा है। नियामक ने ऊर्जा पेय और मादक पेय बनाने वाली कंपनियों पर भी शिकंसा कसा है।

## नड्डा और नायडू ने आंध्र प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का किया उद्घाटन

## स्वास्थ्य प्रणालियों के बुनियादी ढांचे को मिलेगी मजबूती और लोगों को मिलेगा ज्यादा फायदा

एजेंसी ►►विजयवाड़ा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू ने राज्यभर में 249 करोड़ की लागत से स्थापित 10 गहन चिकित्सा खंडों और 12 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (आईपीएचएल) का शनिवार को उद्घाटन किया।

गहन चिकित्सा खंडों में कुल 500 बिस्तर हैं और इनमें अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर के साथ-साथ अल्ट्रासाउंड, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और न्यूरोसर्जरी की सुविधाएं भी मौजूद हैं। उद्घाटन के बाद विजयवाड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि यह स्वास्थ्य प्रणालियों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है। हमने 12 जगहों पर आईपीएचएल और 10 स्थानों पर गहन चिकित्सा खंड का उद्घाटन किया है। नड्डा ने 2020 में आई कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य प्रणाली और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की जरूरत को समझा।

#### विजयवाड़ा में 10 गहन चिकित्सा खंडों, 12 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य लैब का लोकार्पण किया



आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लिए 1,271 करोड़ दिए

उन्होंने कहा कि 2021 में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन शुरू किया गया। सरकार ने अगले 5 वर्षों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए 64,180 करोड़ खर्च करने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य महामारी और आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली को तैयार करना है। नड्डा ने कहा कि 23 गहन चिकित्सा खंड, 26 आईपीएचएल और 45 आयुष्मान आरोग्य शहरी मंदिर, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लिए 1,271 करोड़ से अधिक की राशि आवंटित की गई है।

#### ‘संजीवनी परियोजना’ राज्य में शुरू होगी: नायडू

नायडू ने कहा कि राजग सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कई सुधार किए हैं और कई देशों को कोविड- के टीके उपलब्ध कराए हैं। देश में मेडिकल सीट की संख्या 51 हजार से अधिक बढ़कर दोगुनी से ज्यादा हो गई है और मंगलागिरि में एम्स को बेहतर तरीके से विकसित किया जा रहा है। नायडूने कहा कि स्वास्थ्य रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण से जुड़ी ‘संजीवनी

परियोजना’ जल्द पूरे राज्य में शुरू की जाएगी और यह एक बड़ा बदलाव लाएगी। इससे पहले नड्डा और नायडू ने विजयवाड़ा के पुराने सरकारी अस्पताल में एक गहन चिकित्सा खंड और आईपीएचएल का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। बाद में दोनों नेताओं ने इन नई सुविधाओं का दौरा किया जहां अधिकारियों ने उन्हें इनकी विशेषताओं की जानकारी दी।

#### गहन चिकित्सा खंड में सारी सुविधाएं उपलब्ध होंगी

उन्होंने कहा कि गहन चिकित्सा खंड में आपातकालीन सेवाएं, आईसीयू, पृथक वार्ड, बड़े और छोटे ऑपरेशन थिएटर तथा बच्चों के इलाज की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अमरावती क्वार्टम बायो वैली को राष्ट्रीय स्तर की पहचान दिलाने के नायडू के अनुरोध पर नड्डा ने केंद्र के संयोजन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक तकनीकी दल राज्य की नई राजधानी में भेजा जाएगा।

## विपक्षी गुट के ऋतब्रत ने कहा अगर ममता उपचुनाव लड़ेंगी तो हम प्रत्याशी वापस ले लेंगे

एजेंसी ►►कोलकाता

टीएमसी के बागी गुट के नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बेनर्जी ने कहा कि अगर ममता बेनर्जी उपचुनाव लड़ती हैं, तो वे अपना उम्मीदवार वापस ले लेंगे। हम चाहते हैं कि ममता विधानसभा में वापस आए। ऋतब्रत ने कहा कि उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार को लगभग अंतिम रूप दे दिया है, लेकिन अगर ममता स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में भी चुनाव लड़ने का फैसला करती हैं, तो हम नहीं लड़ेंगे।

#### वे नंदीग्राम से विधानसभा पहुंचें

उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि वे नंदीग्राम से आए। उन्होंने उस निर्वाचन क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा, जहां से वह 2021 के विधानसभा चुनाव हार गई थीं। वे टिप्पणियां ममता की टीएमसी और ऋतब्रत गुट में पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर विवाद के बीच आई हैं।

## पूर्व सीएम रावत का कांग्रेस से इस्तीफा पार्टी के संघर्ष में मेरी वजह से कोई कमजोरी नहीं होनी चाहिए

एजेंसी ►►देहरादून



उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत ने कांग्रेस में सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वे नहीं चाहते कि उनसे जुड़ी किसी भी चीज की वे विधानसभा चुनावों से पहले भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी की लड़ाई कमजोर पड़े। रावत ने उन रिपोर्टों का जिक्र किया जिनमें कहा गया था कि उनके पूर्व ओएसडी और सहयोगी जीना के पास से भारी मात्रा में कैश और गहने जब्त किए गए हैं। रावत ने उन्हें सज्जन और मेहनती व्यक्ति बताया और कहा कि सच्चाई सामने आएगी।

#### मुझे आरोप पर विश्वास नहीं

रावत ने कहा कि अगर ग्राम सेवकों की भर्ती में ओएमआर शीट के साथ छेड़छाड़ की और कोई भी गलती उन्होंने की है, उसके प्रमाण हैं तो यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। कोलकाता में अमेरिकी कॉन्सल जनरल कैथी जाइल्स-डियाज के साथ, गोर शुक्रवार को इफाल पहुंचे। गोर ने लोकटक झील का दौरा किया और वहां नाव की सवारी की।

#### ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बीच अमेरिकी राजदूत सर्जियो पहुंचे मणिपुर

कॉन्सल जनरल साथ थे

## विष्णुपुर में सबसे बड़ी मीठे पानी की झील लोकटक में नाव की सवारी की

एजेंसी ►►बिष्णुपुर

इन दिनों ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। उधर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर,मणिपुर के 2दिन के दौरे पर हैं। उन्होंने शनिवार को बिष्णुपुर जिले में पूर्वोत्तर क्षेत्र की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील, लोकटक झील में नाव की सवारी की। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। कोलकाता में अमेरिकी कॉन्सल जनरल कैथी जाइल्स-डियाज के साथ, गोर शुक्रवार को इफाल पहुंचे। गोर ने लोकटक झील का दौरा किया और वहां नाव की सवारी की।



राज्यपाल से ‘सहयोग’ पर चर्चा की

#### सीएम से आर्थिक संबंधों पर बात की

एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में गोर ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री से मणिपुर के लिए उनके विजन के बारे में सुनकर अच्छा लगा। हमने इस बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया कि आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के लिए कैसे मिलकर काम कर सकते हैं पर बात की।

### उत्तर प्रदेश की राजनीति में बसपा ने किया एक अहम प्रयोग

## मायावती की भतीजी दीपिका मिशान को आगे बढ़ाएंगी

#### अब आनंद के बेटों को कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी

#### कांशीराम की तरह मैं भी ‘परिवारवाद’ की विरोधी

मायावती ने कहा कि अविवाहित होने की मजबूरी की वजह से मुझे अपने सभी सगे भाई-बहनों में से आनंद कुमार को अपने साथ रखने की भी जरूरत पड़ी है, जो मेरी देखभाल करने के साथ मेरी निगरानी में पार्टी की अहम जिम्मेदारियों को लंबे समय से निभा रहे हैं। लेकिन इसका लाभ अब उनके परिवार के लोग भी उठाएं, यह पार्टी व मूवमेंट के हित में सही नहीं होगा। कांशीराम जिस प्रकार से ‘परिवारवाद’ के विरुद्ध रहे, उनकी शि्षा होने के नाते मैं भी उसी पर कायम हूं। यदि मैं लड़की नहीं होती तो कांशीराम की तरह अपने भाई-बहनों आदि में से किसी को साथ नहीं रखती।

#### सफलता में किसी का भी रोड़ा बनना स्वीकार नहीं

मायावती ने कहा कि बसपा के मिशन की सफलता में किसी का भी रोड़ा बनना मुझे स्वीकार नहीं है। मुझे केवल अपने ‘बहुजन समाज परिवार’ के हित व कल्याण की ही रात-दिन चिंता है। इसी पर चल रही हूं।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अब भाई आनंद कुमार के बेटे नहीं बल्कि उनकी बेटी दीपिका आनंद बसपा के मिशन को आगे बढ़ाएंगी। मेरे लिए मिशन सर्वोपरि है, लिहाजा अब मेरे भाई आनंद कुमार के बेटे नहीं, वकालत की पढ़ाई कर रही बेटी दीपिका आनंद पार्टी का कार्य करेगी। आनंद जरूरत पड़ने पर अपनी जिम्मेदारियां उसे सौंप सकते हैं। आनंद दोनों बेटों को व युवा बच्चों में से किसी को भी जिम्मेदारी नहीं सौंपेंगे। बेटी के तैयार नहीं होने पर दलित वर्ग में से ही अन्य किसी मिशनरी कार्यकर्ता को भी अपनी यह जिम्मेदारी दे सकते हैं। आनंद के किसी भी बेटे को मौका नहीं दूँगे।

एजेंसी ►►लखनऊ

#### डिजिटल अरेस्ट के नान पर ठगी



दोनों आरोपी ऑनलाइन गेमिंग, आईपीएल में सट्टा, शेयर मार्केट में निवेश और डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लोगों से ठगी करते थे। कम समय में पैसा कई गुना करने का झांसा देकर लोगों से उनके बैंक खातों में रकम मंगवाई जाती थी।

#### एनसीआरसी पोर्टल पर 86 शिकायतें

नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दोनों के खिलाफ 86 शिकायतें दर्ज हैं। शाहवेज वारिस के 11 बैंक खातों में 170 करोड़ की ठगी की शिकायतें हैं, जबकि सलमान के 2 खातों पर 16 करोड़ से ज्यादा के फ्रांड की 32 शिकायतें हैं।

#### केवल एक ही व्यक्ति को दिया जाएगा मौका

मायावती ने कहा कि संगठन व सरकार बनने पर भी चाहे वह कोई भी हो, केवल एक व्यक्ति को ही मौका दिया जाएगा। उसकी आड़ में उसके परिवार के अन्य किसी भी सदस्य को कोई भी लाभ नहीं दिया जाएगा, ताकि पार्टी परिवारवाद से मुक्त रहे तथा सर्वसमाज में से ज्यादा से ज्यादा लोग ‘सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति’ आंदोलन के सहभागी बन सकें।

फिलीपींस में आग से पूरी तरह जल चुकी यात्री नौका से बचावकार्यियों ने शनिवार को नौका बच बरामद किए। इसके साथ ही हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। 13 लोग अब भी लापता हैं।

नौका में सवार 132 लोगों में से 43 लोग बुधवार रात लगी आग से बच गए थे। यह नौका राजधानी मनीला से रवाना हुई थी और दक्षिण-पश्चिमी पालावान प्रांत के कोरोन में अपने गंतव्य से करीब 39 किलोमीटर दूर थी, तभी इसमें आग लग गई। आग लगने की वजह अभी तय नहीं हो सकी है। तटरक्षक बल की प्रवक्ता ने एक जीवित बचे

## आपसी सहमति से निपटे पति-पत्नी के 148 मामले

► नेशनल लोक अदालत में निपटे 18 हजार 86 केस  
► 88 करोड़ 68 के अवार्ड पारित, होगी वसूली

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

शनिवार को जिला अदालत में रखी गई नेशनल लोक अदालत में आपसी सहमति और राजीनामा के आधार पर 18 हजार 86 मामलों को निपटाय गया, जिसमें 88 करोड़ 68 लाख रुपए के अवार्ड पारित किए गए हैं, जिससे इतनी राशि की वसूली की जाएगी। लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में महत्वपूर्ण समझौता हुआ। दिव्यांश पटवारी की 25 नवंबर 2023 को दिल्ली में सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इसके बाद उनकी माता मंजू पटवारी ने दावा पेश किया था। लोक अदालत में टाटा एआईजी जनरल इश्योरेंस कंपनी ने 34 लाख 50 हजार रुपए में समझौता कर राशि का चेक सौंप दिया है। शनिवार को लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर किया।



तलाक की कगार पर पहुंची शादी, समझाइश पर माना जोड़ा

पिछले साल से लंबित दो अन्य पारिवारिक मामलों में पति और पत्नी के बीच समझौता कराया गया। एक मामले में 12 मार्च 2004 को शादी हुई थी, जिससे इनके दो पुत्र हैं, आपसी मतभेद की वजह से अदालत में तलाक का केस फाइल किया गया था। सुलह के प्रयासों के बाद दोनों ने साथ रहने पर सहमति जताई है। एक अन्य मामले में 22 जनवरी 2022 को विवाह के बाद पत्नी अलग रहने लगी थी। काउंसिलिंग के बाद दोनों ने साथ रहने की सहमति जताई है।

### 776 आपराधिक मामले भी निपटे

लोक अदालत चेक बाउंडस के 589, मोटर दुर्घटना दावा के 707, आपराधिक राजीनामा 776, पारिवारिक 148, बैंक रिकवरी के 479, व्यवहार वाद के 65, विद्युत अधिनियम के 1 हजार 805, श्रम विभाग से संबंधित 18 और नगर निगम से जुड़े प्रॉपर्टी टैक्स के 9 हजार 974 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

### खबर संक्षेप

**मेट्रो कर्मचारियों की कार पर पथराव, मोबाइल लेकर भागे ऑटो सवार भोपाल।** जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित सुभाष नगर में मेट्रो कर्मचारियों की कार पर पथराव कर मोबाइल ले जाने का मामला सामने आया है। ऑटो सवार बदमाशों ने देर रात कार पर पथराव किया। कर्मचारी बाहर निकलकर देखने लगे। इसी बीच बदमाशों ने कार में रखे मोबाइल निकाल लिए। आरोपी ऑटो से आए थे। पुलिस ने ऑटो बरामद कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके साथियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार वीरेंद्र राजपूत मेट्रो में सुपरवाइजर का काम करते हैं। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब साढ़े 12 बजे वे दो साथियों के साथ स्विफ्ट कार से अपने घर जा रहे थे। सुभाष नगर के पास उनकी कार पर किसी ने पत्थर मारा। पत्थर लगने से कार का आगे का कांच टूट गया। कार रोकने के बाद वह अपने साथियों के साथ कार रोकर आसपास देखने लगे। इसी बीच आटो में सवार चार लोग पहुंचे और उन्होंने कार में रखे मोबाइल निकाल लिए।

### औबेदुल्लागंज में आज 4 घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी बंद

औबेदुल्लागंज। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा रविवार, 13 सितंबर को 33 केवी अर्जुननगर (इनकमिंग) फीडर की विद्युत लाइन का आवश्यक मेंटेंस कार्य किया जाएगा। मेंटेंस के चलते सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक फीडर की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बिजली से जुड़े आवश्यक कार्य निर्धारित समय से पहले निपटा लें और असुविधा से बचने के लिए आवश्यक तैयारी कर लें। विभाग के अनुसार, मेंटेंस कार्य की स्थिति के आधार पर विद्युत आपूर्ति बंद रहने का समय घटया या बढ़ाया जा सकता है। बिजली उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की गई है।

## दो साल पहले दिल्ली में सड़क हादसे में बेटे की मौत, माता-पिता को मिला 34 लाख का चेक

नजीराबाद पुलिस ने किया अंधे हत्या के प्रयास की घटना का खुलासा

# पंचायत सचिव ने रु. न देने पर प्लॉट के खरीदार से 50 हजार की सुपारी देकर कराई थी मारपीट

हरिभूमि न्यूज ►► नजीराबाद

रुनाह से बिजवा खुर्द रतनपुरा जाने के दौरान एक ग्रामीण इंंदर सिंह गुर्जर पिता धन्ना लाल (55) के साथ बीते 8 सितंबर को एक सफेद रंग की टोयोटा कार से आए पांच लोगों ने पुरानी रंजिश में मारपीट कर दी, जिससे इंंदर सिंह के हाथ पैर में फ्रैक्चर आया। मामले की रिपोर्ट इंंदर सिंह ने नजीराबाद थाने में की। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया और आरोपियों की धरपकड़ में जुट गई। फरियादी ने पुलिस को बताया कि आरोपियों में से एक ने पहले उससे नरसिंहगढ़ जाने का रास्ता पूछा था। दरअसल, यह पूरी घटना सचिव ने पांच बदमाशों की 50 हजार रुपए की सुपारी देकर फरियादी इंंदर सिंह के पूर्व में ग्राम पंचायत से खरीदे गए एक प्लॉट को लेकर और राशि मांगने को लेकर की थी।

पुलिस के अनुसार इस मामले में आरोपियों का पता लगाने के लिए आना प्रभारी नजीराबाद निरीक्षक शाहबाज खान के नेतृत्व में एक चार सदस्यीय टीम का गठन किया गया, जिसने जांच के दौरान 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले और भोपाल की साइबर शाखा की मदद से तकनीकी बिंदुओं की जांच की। इस दौरान घटना स्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की गई। इसके साथ ही घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों पर 3000 रुपए का इनाम घोषित किया गया। अंततः पुलिस की टीम ने आरोपियों को दबोच लिया। इसके साथ ही पुलिस ने घटना के दौरान उपयोग में लाई गई टोयोटा कार भी जब्त कर ली है। इस दौरान टीम ने उक्त कार्रवाई के

### ►► पुलिस ने 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार, नरसिंहगढ़ का पता पूछने के बहाने की थी मारपीट



नजीराबाद पुलिस की गिरफ्त में आरोपीज

आधार पर सफेद रंग की टोयोटा कर की नंबर प्लेट पर मिट्टी लगाकर भोपाल तरफ से घटना को अंजाम देने आए चार बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में हाकम सिंह गुर्जर पिता लखन सिंह गुर्जर (32), प्रीतम गुर्जर पिता लक्ष्मण सिंह उर्फ नाना जी गुर्जर (27) निवासी ग्राम गुर्जर खेड़ी, दीपक लोधी पिता अजब सिंह (22) ग्राम निवास मनकुंड थाना नजीराबाद, धनवीर उर्फ श्याम विश्वकर्मा पिता प्रेम

सिंह (21) निवासी गुर्जर खेड़ी थाना नजीराबाद, रामवीर लोधी तोरण सिंह लोधी (24) ग्राम सेमरा थाना बैरसिया हाल करौंद हैं।

वहीं दो आरोपी फरार हैं, जिनमें सचिव जितेंद्र श्रीवास्तव पिता मुन्नालाल श्रीवास्तव की (42) ग्राम रुनाह थाना नजीराबाद और विशाल गुर्जर पिता मांगीलाल गुर्जर (23) निवासी ग्राम अमरपुर थाना नजीराबाद शामिल हैं।



### आरोपियों ने स्वीकार की घटना

एसडीओपी वैशाली सिंह और थाना प्रभारी शाहबाज खान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अमरपुर थाना नजीराबाद नजीराबाद पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों ने बताया कि आरोपी हाकम सिंह गुर्जर द्वारा पूछताछ में बताया गया है कि इंंदर सिंह गुर्जर को 3 वर्ष पूर्व प्लॉट देने के बावजूद भी पुनः वही रसीद दिखाकर प्लॉट लेने के लिए अड़ीबाजी करता है जिसके कारण हमारे पास द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया। आरोपी सचिव जितेंद्र श्रीवास्तव व हाकम सिंह गुर्जर ने योजनाबद्ध तरीके से घटना को अंजाम देने अन्य आरोपी गण सजन गुर्जर एवं उसके साथी आरोपी को 50 हजार रुपए देकर घटना सहित करने के लिए कहा गया था।

दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद है पति, मामला दर्ज होते ही पत्नी हुई फरार

## दंपती ने सिम बेची, जालसाजों ने की साढ़े 11 लाख रु. की ठगी

**भोपाल।** अशोक गार्डन में जालसाज दंपती द्वारा अपने नाम से दो सिम जारी नाम से दो सिम अपने नाम से दो सिम अपनी कयाक जालसाजों को बेचने का मामला सामने आया है। जालसाजों ने इन दोनों सिम का इस्तेमाल जालसाजी में करते हुए करीब साढ़े 11 लाख रुपए की ठगी की है। पुलिस ने जांच के बाद

दंपती पर धोखाधड़ी, आईटी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी इन दिनों दुष्कर्म के मामले में जेल में हैं, जबकि उसकी पत्नी प्रकरण दर्ज होते ही फरार हो गई। पुलिस के अनुसार अशोक गार्डन थाना क्षेत्र में रहने वाले अभिषेक वर्मा और उसकी पत्नी प्रियंका सिंह

ने अपने नाम से अशोक गार्डन इलाके से दो सिम जारी कराई थी। दोनों ही सिम आरोपी दंपती ने सायबर जालसाजों को बेच दी। बाद में सायबर जालसाजों ने उक्त दोनों सिम का इस्तेमाल कर आधा दर्जन से अधिक ऑनलाइन धोखाधड़ी की वारदातों को अंजाम दिया।

### पत्नी की गिरफ्तारी और उसके बयान पर ही खुलेगा मामला

जांच के बाद ही पता चल सकेगा की इन सिमों के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी की वारदातें भोपाल में की गई हैं या फिर भोपाल से बाहर मध्य प्रदेश में कहीं और की गई है। जांच में पता चला है कि आरोपी अभिषेक वर्मा इन दिनों बलात्कार के मामले में जेल में बंद है जबकि उसकी पत्नी भी फरार है। आरोपी दंपति के हिरासत में आने और उनके बयान दर्ज होने के बाद ही खुलासा हो सकेगा कि उन लोगों ने दोनों सिम सायबर फ्राँड के लिए किन लोगों को उपलब्ध कराई थीं और क्या इससे पहले भी सायबर जालसाजों के लिए सिम जारी करा चुके हैं।

## हिंदी पखवाड़े का समापन

हरिभूमि न्यूज ►► संतनगर

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में आयोजित हिंदी पखवाड़े का परिणामय समापन विशेष प्रार्थना सभा के माध्यम से उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। समारोह में विद्यार्थियों की भाषायी प्रतिभा, रचनात्मक अभिव्यक्ति, भारतीय संस्कृति के प्रति अनुराग तथा हिंदी भाषा के प्रति गौरव की भावना का सुंदर संगम देखने को मिला। शुभारंभ प्रार्थना सभा से हुआ। संस्कृत विषय की शिक्षिका मृणाल देशपांडे के निर्देशन में 8वीं की छात्राओं ने संस्कृत में मंत्रोच्चारण की मनोहारी प्रस्तुति दी। इसके पश्चात सिंधी विषय की शिक्षिका सुश्री समीक्षा पेसवानी के सहयोग से विद्यार्थियों ने सिंधी भाषा में प्रार्थना एवं सुविचार प्रस्तुत किए। संस्कृत, सिंधी और हिंदी जैसी भारतीय भाषाओं

## प्रतियोगिताओं के साथ भाषायी विविधता के बीच अनेकता में एकता की प्रस्तुतियों ने बांधा समां



की इन प्रस्तुतियों ने भाषायी विविधता, सांस्कृतिक समृद्धि और 'अनेकता में एकता' का सुंदर संदेश दिया। हिंदी शिक्षिका नीतिका सोलंकी ने हिंदी भाषा की समृद्ध विरासत, व्यापकता और जीवन में उसकी महत्ता पर प्रभावशाली चर्च प्रस्तुत किया। कक्षा पहली से दसवीं तक के विद्यार्थियों की आयु, रुचि एवं क्षमताओं

को ध्यान में रखते हुए विविध साहित्यिक, रचनात्मक एवं अभिव्यक्तिपरक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

कक्षा पहली एवं दूसरी के लिए भाषण, कक्षा तीसरी के लिए 'अभिनय के रंग हिंदी के संग', कक्षा चौथी के लिए 'हिंदी पंखुड़ी', कक्षा पांचवीं के लिए पोस्टर मेकिंग, कक्षा 6वीं के लिए 'ज्ञान समाचार-पत्र', कक्षा 7वीं के लिए 'महान महिला व्यक्तित्व' भूमिका-अभिनय एवं विचारभिव्यक्ति, कक्षा 8वीं के लिए 'विज्ञापनों की मुखड़ी', कक्षा 9वीं के लिए कविता लेखन तथा कक्षा 10वीं के लिए पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय की प्राचार्या अमृता मोटवानी ने विद्यार्थियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपने प्रेरणादायी संबोधन में हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला।

## चार बाल अपचारी हिरासत में, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित अन्ना नगर में बीते शुक्रवार की रात घर के बाहर बातचीत कर रहे दंपती से नाराजियों ने अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर मारपीट कर दी। बहन और जीजा के साथ मारपीट होती देख घर से निकल आए युवक ने बहन जीजा को बचाने का प्रयास किया। इस दौरान झुमाझटकी और मारपीट में वह गिरकर घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उक्त

## बहन-जीजा के साथ मारपीट होती देख बीच-बचाव में गई थी युवक की जान

मामले में चार बालअपचारी को हिरासत में लिया है, जबकि दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार रितिक गौर पिता पिता अवधेश गौर (22) अन्ना नगर में रहता था और प्राइवेट काम करता था। उसके घर के पास ही उसके जीजा विशाल रहता है। शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे जीजा और बहन घर के बाहर बैठे हुए थे। वे आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान एक नाबालिग आया और कहने लगा कि मेरी बुराई क्यों कर रहे हो। इसी बात को लेकर विवाद हो गया।

### रिश्तेदारों को लेकर पहुंचा नाबालिग

विवाद बढ़ने पर नाबालिग अपने भाई और रिश्तेदारों को लेकर पहुंच गया। उसने विशाल और उसकी पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर घर से रितिक निकला तो उसने जीजा और बहन के साथ मारपीट होती देख बहन और जीजा को बचाने के लिए पहुंच गया। इस दौरान आरोपियों ने उससे भी मारपीट की। तभी आसपास के लोग इकट्ठे हो गए और विवाद शांत कराया। रितिक और मारपीट करने वाले आरोपी अपने अपने घर चले गए थे। रात करीब 12 बजे रितिक की तबीयत बिगड़ी। परिजन उसे एम्स लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर रितिक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि रितिक के शरीर पर चोट के निशान नहीं थे। अनुमान है कि पत्थर पर गिरने के कारण उसे अंदरूनी चोट आई थी।

## एक्स भोपाल में उपचार के दौरान प्रशांत नागर की मौत, हादसे में पांच युवाओं की गई जान

## दिवटिया सड़क हादसे में घायल पांचवें युवक ने भी दम तोड़ा

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

दिवटिया के समीप रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल पांचवें युवक प्रशांत नागर की भी शनिवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। प्रशांत नागर पुत्र प्रकाश नागर का भोपाल स्थित एम्स में उपचार चल रहा था। उनकी मौत के साथ ही इस हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की संख्या पांच हो गई है। जानकारी के अनुसार, 6 सितंबर की देर रात करीब 12 बजे नूरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम दीवटिया स्थित पेट्रोल पंप के पास एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार पांच युवकों में से चार की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि प्रशांत नागर गंभीर रूप से घायल हुए थे। हादसे में मृत युवकों की पहचान गौरव नागर (19), शुभम नागर (20), प्रवीण नागर (17) और आशीष नागर (18) के रूप में हुई थी।

### आंवली घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

प्रशांत नागर के निधन के बाद शनिवार को उनके पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ग्राम दिवटिया स्थित निज निवास से दोपहर 1 बजे आंवली घाट ले जाया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में परिजन, ग्रामीण और समाजजन शामिल हुए। एक ही सड़क हादसे में पांच युवाओं की मौत से दीवटिया सहित आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है। हादसे ने कई परिवारों से उनके युवा सदस्यों को छिन लिया है।

चारों के शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया था। वहीं गंभीर रूप से घायल प्रशांत नागर को उपचार के लिए भोपाल एम्स रेफर किया गया था। हादसे की सूचना मिलने पर नूरगंज थाना प्रभारी संजय यादव और डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार से घायलों एवं मृतकों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया था। मामले की जांच की जा रही है।

मां से कहा था-माइग्रेन से परेशान हूं...

## माइग्रेन की बीमारी से परेशान युवती ने फांसी लगाकर दी जान

►► दोस्त को कॉल कर बात की, दोस्त जब तक घर पहुंचता लगा चुकी थी फांसी

►► वाट्सएप और सोशल प्लेटफॉर्म पर मिले मैसेज, दोस्त से माफी मांगी

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

कमला नगर थाना क्षेत्र रविदास मंदिर के पास नया बसेरा में युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले उसने अपने दोस्त से मोबाइल पर बातचीत की थी। दोस्त जब तक उसके रूम पर पहुंचता वह फांसी लगा चुकी थी। दोस्त आसपास के लोगों की मदद से उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार वैशाली पिता स्वर्गीय राजकुमार (24) मूलतः रेलवे कॉलोनी राजकुनी की थी। बीकॉम की पढ़ाई करने के बाद वह भोपाल में रहकर प्राइवेट जॉब कर रही थीं। शुक्रवार रात उसने अपने दोस्त अतुल से मोबाइल पर बातचीत की। वह परेशान लग रही थी। अतुल ने उससे कहा था कि वह मिलने के रूम पर पहुंच रहा है। अतुल रूम पर पहुंचा तो उसने वैशाली को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। इसके बाद आसपास के लोगों की मदद से वैशाल को फंदे से उतारा और हजेला अस्पताल लेकर पहुंचा। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर वैशाली को मृत घोषित कर दिया।

### छोटी बेटी थी वैशाली

वैशाली के पिता राजकुमार का वर्ष 2009 में निधन हो चुका है। मां को अनुकंपा नियुक्ति मिली है। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। वैशाली महीने में एक दो बार कटनी मां से मिलकर आ जाती थी। गुरुवार को उसकी मां से मोबाइल पर बातचीत हुई। उसने मां से कहा कि माइग्रेन से वह परेशान हो चुकी है और जीना नहीं चाहती है साथ नौकरी भी नहीं करनी। मां ने उसे कहा था कि मैं लेने भोपाल आ जाती हूं, लेकिन उसने मना कर दिया। वह कहने लगी कि वह खुद कटनी पहुंच जाएगी।

### दिल्ली में रहता है दोस्त

वैशाली का दोस्त अतुल दिल्ली में रहता है। वह हाल ही में भोपाल लौटा था। उसकी वैशाली से बातचीत हुई और वह उससे मिलने के लिए उसके कमरे पहुंचा था। वैशाली के फोन पर मिले मैसेज से खुदकुशी की सही वजह का पता नहीं चल सका है।

## पानी भरा होने से नहीं चल पाता गहराई का पता, हादसे का बना रहता है अंदेशा



स्टेशन रोड पर गड्ढों से बचकर चलता हुआ एक ग्रामीण।

## स्टेशन रोड पर गड्ढे ही गड्ढे बने राहगीरों दोपहिया वाहन चालकों की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

नगर के स्टेशन रोड की बदहाल सड़क राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। सड़क को जगह-जगह गड्ढे होने से वाहन चालकों को प्रतिदिन आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भर जाने से समस्या और

बढ़ जाती है। इस रोड पर दुकानों के सामने और सड़क के बीचोंबीच कई स्थानों पर गड्ढे दिखाई दे रहे हैं। सड़क की उखड़ी हुई गिट्टी और गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को संभलकर निकलना पड़ता है। कई जगह पानी भरा होने से गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है।



स्टेशन रोड के हाल।

### जिम्मेदारों से मरम्मत की मांग

रहवासियों और दुकानदारों का कहना है कि स्टेशन रोड नगर का अहम मार्ग है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। सड़क पर बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को परेशानी हो रही है। रहवासियों ने नगर परिषद से मांग की है कि स्टेशन रोड का निरीक्षण कर सड़क के गड्ढों को शीघ्र भरवाया जाए।

## जनप्रतिनिधियों का सहयोग न मिलने के बावजूद भी विकास कार्य जारी: अशोक मारन

हरिभूमि न्यूज ►► संतनगर

वार्ड 5 में शनिवार को लक्ष्मण नगर स्थित संत हिरदाराम कालेज के पास वाली सड़क का भूमिपूजन वार्ड 5 के पार्षद अशोक मारन द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप उप ब्लॉक अध्यक्ष धनरथ्याम लालवानी, आनंद फुलवानी, मनोहर कृपलानी, लक्ष्मण मुलचवानी, प्रकाश कुमवानी, कन्हैयालाल गुलबर्शानी भागदंड आहुजा, सुरेश महेरचंदानी, शिव कुमार शर्मा, हरिश रायचंदानी, कन्हैयालाल



लखवानी, गोविंदराम साधवानी, सुरेश कुमार नावानी, दीपु वरदानी प्रवक्ता महेश गुप्तावानी, नरेन्द्र केवलानी, जगदीश सांवल, राजेश लीलानी, आत्माराम सूर्यवंशी, सहित बड़ी संख्या में स्थानीय

रहवासी उपस्थित थे। पार्षद अशोक मारन ने कहा कि वार्ड में लगातार रहवासियों की मांग पर हर दिन सड़कों का भूमिपूजन कर सीसी मिर्मित सड़कों का निर्माण किया जा रहा है।

# स्पोर्ट्स के जुनून ने बदली राह, सरकारी नौकरी छोड़ बनीं सोशल मीडिया स्टार

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मैं एक मध्यमवर्गीय परिवार से हूँ, जहाँ मुझे अपने पेरेंट्स को यह बताना कि मैं 'स्पोर्ट्स' को प्रोफेशन के रूप में लेना चाहती हूँ, काफी मुश्किल लगा। लेकिन जब मेरे पेरेंट्स ने देखा कि मेरा रुझान सिर्फ 'स्पोर्ट्स' की तरफ है तो उन्होंने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मैं लॉना जंप की चैंपियन बन गई, फिर मुझे लगा कि मुझे सरकारी नौकरी के लिए प्रयास करना चाहिए और मैंने इम्तिहान दिया और मेरा सिलेक्शन केंद्रीय विद्यालय में फिजिकल टीचर के रूप में हो गया। लेकिन फिर मुझे लगा कि शायद मैं टीचिंग के लिए नहीं बनी, सिर्फ खेल के लिए ही बनी हूँ तो मैंने लास्ट इयर अपनी पोस्ट से रिजाइन देकर दौबार स्पोर्ट्स की तरफ रुख किया...

यह कहना है प्रसिद्ध एथलीट और स्टोरी टेलर भावना जायसवाल का, जो शनिवार को कोर्टयार्ड बाय मैरियट में 'आप्टर ड बिगनिंग' थीम पर आयोजित टेड एक्स टॉक शो में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रही थीं। कार्यक्रम में मुख्य सहयोगी आईसेक्ट इंडिया है, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी यूनिवर्सिटी पार्टनर और रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी शैक्षणिक पार्टनर रहे।

कोर्टयार्ड बाय मैरियट में आयोजित टेड एक्स टॉक शो में मुख्य वक्ता के रूप में बोली प्रसिद्ध एथलीट भावना जायसवाल



## कम उम्र का होना अक्षमता का प्रमाण नहीं

वहीं आठ वर्षीय युवा इन्जिनेटर लक्षवीर ने इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक्स और एआई के क्षेत्र में अपने प्रयोगों तथा उम्र के कारण सामने आई चुनौतियों के बारे में बताया। उनका संदेश था कि कम उम्र का होना अक्षमता का प्रमाण नहीं है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को उनकी रुचियों के अनुसार अवसर, समय और सहयोग देने की अपील की।



## परफेक्शन के बजाय प्रयोग, धैर्य और निरंतर प्रगति की बात कही

कार्यक्रम में इशा चिटनिस ने नई शुरुआत के रास्ते में आने वाले पांच दुश्मनों—आत्म-संदेह, शुरुआत करने वाले की झिझक, तुलना, ऑल और नर्थिंग सोच और परिणामों का पर्याप्त इंतजार न करना पर अपनी बात रखी। उन्होंने परफेक्शन के बजाय प्रयोग, धैर्य और निरंतर प्रगति को महत्व देने का संदेश दिया।

## कोविड में फोन से बनाती रील, बन गए दस लाख फॉलोअर्स

भावना ने कहा कि बीच में कोविड आया, हम सब घरों में बैठ गए, मुझे लगा कि मुझे कुछ नया करना है, लोगों से कनेक्ट होना है और फिर मैंने अपनी कहानियों की, अपने जीवन की जर्नी और स्पोर्ट्स लाइफ पर रील बनानी शुरू कर दी, देखते ही देखते मेरे दस लाख फॉलोअर्स बन गए।



## ‘देसी ब्लिंग’ शो से जुड़े द्विती, अरीना ने की ऊर्जा गुरु गुप्ता से मुलाकात

सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन से जुड़े पहलुओं पर की चर्चा

भोपाल । शहर के जाने माने ऊर्जा गुरु आयुष गुप्ता द्वारा दुबई में रेकी हीलिंग सेशन का आयोजन किया गया। जिसमें रेकी हीलिंग के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण अंडर वाटर हीलिंग सेशन रहा, जिसमें प्रतिभागियों को एक अलग और अनुभवात्मक वातावरण में हीलिंग प्रक्रिया से जुड़ने का अवसर मिला। आयुष के इस रेकी हीलिंग सेशन में ‘देसी ब्लिंग’ शो से जुड़े द्विती पारीक और अरीना पारीक ने खास मुलाकात की। इस दौरान रेकी हीलिंग, ऊर्जा संतुलन और हीलिंग से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई साथ ही दोनों ने आयुष से गॉल्डन वीजा से जुड़े पहलुओं पर भी चर्चा की।



## रंग श्री लिलिटल बैले में नाटक ‘भगवान तुम क्यों आए’ का मंचन

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

अविराम जनकल्याण संस्था, भोपाल की प्रस्तुति हास्य-व्यंग्य नाटक ‘भगवान तुम क्यों आए’ का प्रभावी मंचन रंग श्री लिलिटल बैले टूप में किया गया। नाटक प्रसिद्ध मराठी लेखक पु र पो त्त म लक्ष्मण देशपांडे ने लिखा है, जबकि इसका निर्देशन भोपाल की रंगकर्मी आरती विश्वकर्मा ने किया। नाटक में भगवान के



धरती पर आने की कल्पना के माध्यम से वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों, मनुष्य की बदलती सोच और उसकी स्वार्थपरक

प्रवृत्तियों पर हास्य और व्यंग्य के साथ सवाल उठाए गए। प्रस्तुति में हास्य के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी प्रभावी ढंग से सामने रखा गया।

## ‘न दहेज लेंगे, न देंगे और न सहेंगे’ के संकल्प के साथ इंक एंड इंटेलेक्ट गेट-टुगेदर

भोजपुर क्लब में 45 कार्यस्थ समाज की महिलाओं ने लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ जागरूकता का संदेश देते हुए इंक एंड इंटेलेक्ट की ओर से शनिवार शाम भोजपुर क्लब में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आरती सिन्हा द्वारा किया गया, जिसमें करीब 45 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में महिलाओं ने दहेज प्रथा के विरोध में एकजुटता प्रदर्शित करते हुए न दहेज लेंगे, न देंगे और न सहेंगे का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि दहेज केवल एक परिणाम नहीं, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित



करने वाली कुरीति है। इसे समाप्त करने के लिए महिलाओं और युवाओं को आगे आकर सामाजिक सोच में बदलाव लाना होगा। आयोजन का उद्देश्य सामाजिक बदलाव के लिए महिलाओं की सामूहिक भागीदारी को मजबूत करना रहा।

शब्दों की गूंज, विचारों की ऊर्जा और संस्कृति की छटा से जीवंत हुआ ‘तूर्यनाद- 26’ का द्वितीय दिवस

# झांसी की रानी से रानी पद्मावती तक ‘परिधानिका’ ने जीवंत किया इतिहास



## सुरों की सरगम और थिरकते कदनों से सजी ‘अभिव्यक्ति’

वहीं सांस्कृतिक संध्या में आयोजित अभिव्यक्ति ने गायन और नृत्य की विविध प्रस्तुतियों के माध्यम से मंच को भाव, लय और संगीत से भर दिया। इस प्रस्तुति ने नृत्य की लय, भाव-भंगिमाओं और सशक्त मंचीय प्रस्तुति के माध्यम से अपनी कला का परिचय दिया। थिरकते कदमों के साथ भारतीय नृत्य-परंपराओं के विविध रंग मंच पर साकार हुए और प्रत्येक प्रस्तुति ने संगीत को भाषा तथा भावों को गति प्रदान की तथा उपस्थित दर्शकों ने तालियों के साथ प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मिन्टो हॉल में चल रहे तूर्यनाद महोत्सव के दूसरे दिन भारतीय संस्कृति और इतिहास की समृद्ध छवि ‘परिधानिका’ में स्वदेशी फैशन शो के रूप में जीवंत हो उठी। सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को मंच पर साकार करती इस प्रस्तुति में छात्राओं ने ऐतिहासिक किरदारों की भूमिका में मंच



पर उपस्थित होकर दर्शकों का ध्यान खींच लिया, इस प्रस्तुति में किसी ने अहिल्याबाई का किरदार को जीवंत किया तो किसी ने झांसी की रानी और रानी दुर्गावती को। वहीं इस प्रस्तुति में रानी पद्मावति और इतिहास के अलग-अलग कालखंडों की वीरांगनाओं को मंच पर साकार करती नायिकाओं ने भारत की विविधता, गौरवशाली अतीत और समृद्ध विरासत से रूबरू कराया।

## देश की ‘विविधता में एकता’ दर्शाती ‘खिचड़ी’

वहीं कार्यक्रम में सुबह के सत्र में छात्र संसद, खिचड़ी, अभिव्यक्ति नृत्य, अभिव्यक्ति गायन आदि प्रस्तुतियां भी खास रही। जिसमें खिचड़ी प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्यों की भाषाओं, परंपराओं एवं सांस्कृतिक विशेषताओं को साझा करते हुए ‘विविधता में एकता’ की भावना को सशक्त किया। इस प्रतियोगिता ने भाषा और क्षेत्र की सीमाओं को मिटाते हुए राष्ट्रीय एकता का परिचय दिया और तूर्यनाद महोत्सव की भावना को और भी जीवंत कर दिया।

## ललित कला गैलरी में दो दिवसीय प्रदर्शनी ‘अर्थ की प्रतिध्वनियां’ का आयोजन धरती की गूंज में दिखा परंपरा और समकालीन कला का संगम

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

भारतीय कला की विविध परंपराओं और समकालीन अभिव्यक्तियों का अनूठा संगम शनिवार से ललित कला गैलरी, रवींद्र भवन में देखने को मिला। लिखंदरा आर्ट सोसाइटी की ओर से यहां दो दिवसीय कला प्रदर्शनी ‘धरती की प्रतिध्वनियां’ प्रदर्शनी में देश के विभिन्न शहरों से करीब 40 कलाकार अपनी कला कृतियां प्रदर्शित कर रहे हैं।



रवींद्र भवन की ललित कला गैलरी में ‘धरती की प्रतिध्वनियां’ प्रदर्शनी में प्रदर्शित कलाकृतियों को निहारते कला प्रेमी।



चित्रकार निधि ठक्कर

## राम-सीता मिलन, मछली रास से सजे चित्र

प्रदर्शनी में निधि ठक्कर ने राधा-कृष्ण की रासलीला, जनक की फुलवारी में राम-सीता मिलन, मछली रास, कछुआ रास, झुला झूलते राधा-कृष्ण, ॐ की आकृति में हंस तथा बांसुरी बजाते राधा-कृष्ण को प्रमुखता से दर्शाया।

पूर्व आईपीएस स्व. विजय रमन की साहसिक पुलिसिंग पर आधारित पुस्तक ‘खाकी वर्दी का योद्धा’ का विमोचन

## पान सिंह तोमर पर फिल्म बन सकती है तो ‘विजय रमन’ पर क्यों नहीं...

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

पान सिंह तोमर पर फिल्म बन सकती है तो ‘विजय रमन’ पर क्यों नहीं... क्योंकि स्व. विजय रमन वह आईपीएस ऑफिसर हैं, जिन्होंने 1981 में भिंड के एसपी रहते हुए पान सिंह तोमर के खिलाफ पुलिस से अभियान का नेतृत्व किया था। इतना ही नहीं, उन्होंने गाजी बाबा अभियान 2003 में बीएसएफ के आईजी रहते हुए आतंकवादी गाजी बाबा के खिलाफ अभियान का नेतृत्व किया। साथ ही चार प्रधानमंत्रियों की सुरक्षा से भी जुड़े रहे.... तो इतनी महान हस्ती पर तो फिल्म बनना लाजमी है.... कुछ ऐसे ही उद्गार सुनने को मिले शनिवार शाम दुर्धत संग्रहालय में पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया मंत्र द्वारा वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी स्व. विजय रमन के जीवन, कार्यशैली, साहस और पुलिस सेवा के अनुभवों पर आधारित पुस्तक ‘खाकी वर्दी का योद्धा’ के विमोचन समारोह में।

1981 में भिंड के एसपी रहते पान सिंह तोमर के खिलाफ चलाया था ऑपरेशन, बीएसएफ आईजी रहते 2003 में आतंकी गाजी बाबा को किया था डेर, चार प्रधानमंत्रियों की सुरक्षा से जुड़े रहे थे रमन



दुर्धत संग्रहालय में पूर्व आईपीएस स्व. विजय रमन की साहसिक पुलिसिंग पर आधारित पुस्तक ‘खाकी वर्दी का योद्धा’ का विमोचन करते डीजीपी मकवाना व अन्य अतिथि।

## भाग्यशाली हूं जो रमन सर के सानिध्य में काम करने का मिला मौका

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित मंत्र के डीजीपी कैलाश मकवाना ने कहा कि मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूँ कि विजय रमन के सानिध्य में काम करने का मौका मिला। वहीं कार्यक्रम में विजय रमन की पत्नी वीना रमन तथा वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक गिरिजा शंकर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनोज द्विवेदी ने अतिथियों का स्वागत किया।



आवरण कथा

यामिनी गजानन रामपल्लीवार

भाषा और संस्कृति का रिश्ता कोई ऊपरी बंधन मात्र नहीं होता, वह जड़ और वृक्ष का रिश्ता होता है। हिंदी के संदर्भ में यह बात और भी गहरे अर्थ रखती है, क्योंकि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, हिंदुस्तान की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रमाण है। इसकी जड़ें संस्कृत जैसी वैज्ञानिक और अनुशासित भाषा में हैं, जिसने भोजपुरी, अवधी और ब्रज जैसी सैकड़ों बोलियों को अपनी सुंदर शाखाओं की तरह जन्म दिया। यह विस्तार किसी एक भाषा की सीमा नहीं, बल्कि एक पूरे उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक चेतना का फैलाव है।

भाषा से जुड़ी देश की पहचान

14 सितंबर को जब हम हिंदी दिवस मनाते हैं, तो यह अवसर केवल एक तिथि का उत्सव नहीं होना चाहिए। यह अवसर रुककर यह सोचने का भी हो कि हमने इस भाषा को कितना जिया है और कितना केवल औपचारिकता में समेट दिया है? इतिहास गवाह है कि जब कवि इकबाल ने लिखा था, ‘हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा।’ तब उन्होंने भाषा और राष्ट्र की पहचान को एक ही सांस में बांध दिया था। उनकी यह पंक्ति आज भी उतनी ही सार्थक है, क्योंकि जिस भाषा की पहचान हिंद महासागर के तट से लेकर हिमालय की चोटियों तक फैली हो, वह भाषा किसी परिचय की मोहताज नहीं।

शब्दों में सदियों की साधना

हिंदी का यह वैभव किसी एक कवि या रचनाकार की देन नहीं, बल्कि सदियों की साधना का परिणाम है। तुलसी ने इसे भक्ति की मिठास दी, सूर ने इसमें वात्सल्य का रस घोला, कबीर ने इसे सीधी और निर्भीक वाणी दी और निराला ने इसमें विद्रोह और नवीनता का स्वर भरा। इन सबने मिलकर हिंदी को वह समृद्धि दी, जो आज भी हर हिंदुस्तानी की रग-रग में बहती है। यही कारण है कि हिंदी को केवल एक भाषा कहना उसके साथ अन्याय होगा, वह तो भावनाओं की वह साड़ी विरासत है, जिसमें देश की विविधता खुद को सहज पाती है।



कविता

अलका 'सौनी'

जन-मन में बसती है हिंदी

किताबों के पन्नों पर पढ़े जाने से पहले, भाषणों में, कहीं सुने जाने से पहले, गुंजी थी वो मेरे कानों में। जैसे गुंजी थी अभिमुख्य के कानों में चक्रव्यूह भेदने की कला। फिर अकसर गुंजती ही रही वो, मां की आवाज में। लोरी में, और पिता की डांट में छिपे दुलार में भी। और उनके कई अनकहे भय के बीच, हौसला देने वाले संसार में भी। उसने तब भी गले लगाया था मुझे जब मैं नहीं जानती थी उसके व्याकरण का कोई नियम। क्योंकि यह उसके और मेरे बीच के

उन रिश्तों की गर्माहट है, जिन्हें परिभाषित नहीं कर सकता कोई शब्दकोश। वो मेरे आंगन में बिखरी सुबह की धूप है। सर पर बनी रुबने वाली, मगता की छांव है। दादी की कराही में १८ बार आता हुआ कोई पुराना गांव है। वो और कोई नहीं मेरी हिंदी है। जिसमें बसी है कबीर की निर्भीकता, तुलसी की लोक-गंध की खुशबू प्रेमचंद के पात्रों का संघर्ष, महादेवी की करुणा, और निराला की विद्रोही चेतना। क्योंकि मेरी हिंदी ने बनाया है राजमहलों से अधिक जन-मन में अग्रवा घर।

हर साल 14 सितंबर के आस-पास सरकारी दफ्तरों में हिंदी पखवाड़ा शुरू होता है, मंचों से हिंदी की महिमा गाई जाती है और अपनी भाषा पर गर्व करने की बातें होती हैं। लेकिन इन औपचारिकताओं से आगे बढ़कर हमें यह सवाल भी पूछना चाहिए कि क्या हम अपनी रोजमर्रा के जीवन में हिंदी को सचमुच सम्मान देते हैं? उससे प्यार करते हैं?

हमारे हिंदुस्तान की आत्मा है हिंदी

समावेशी भाषा है हिंदी यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हिंदी की श्रेष्ठता का यह अर्थ कभी नहीं कि अन्य भाषाओं या बोलियों को कमतर आंका जाए। हिंदी का असली गौरव इसी में रहा है कि उसने सदा दूसरी भाषाओं और बोलियों को अपनाया, उनसे शब्द लिए और उन्हें भी फलने-फूलने का अवसर दिया। भोजपुरी, अवधी, ब्रज, मैथिली और राजस्थानी जैसी बोलियां हिंदी की प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसकी शक्ति हैं। इसी समावेशी स्वभाव के कारण हिंदी हर हिंदुस्तानी के मन में अपना स्थान बना पाई है।

कहां हैं झिझक की जड़ें

यह विडंबना ही है कि आज कुछ लोगों को हिंदी बोलते हुए झिझक या कमतरी का एहसास होता है। यह झिझक कहां से आती है, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बड़े शहरों के कॉर्पोरेट



कार्यालयों में, महानगरों की पाटियों में और यहां तक कि कुछ शिक्षित परिवारों में भी हिंदी बोलने को पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाने लगा है। अंग्रेजी में दक्षता आवश्यक है, इसमें कोई संदेह नहीं, क्योंकि वह आज वैश्विक संपर्क की भाषा बन चुकी है। परंतु किसी दूसरी भाषा को सीखने और अपनी भाषा को त्यागने में बुनियादी अंतर है। जब यह अंतर धुंधला पड़ने लगता है, तभी भाषा का यह संकट जन्म लेता है। बरसों पहले मेरे एक पारिवारिक समारोह में एक किशोर अपनी दादी से अंग्रेजी में बात करने की कोशिश करने लगा, टूटे-फूटे शब्दों में, केवल इसलिए कि साथ बैठे उसके अंग्रेजी-माध्यम के मित्र उसे 'देसी' न समझें। दादी ठहरकर मुस्कराई और बोलीं, 'बेटा, जिस भाषा में मैंने तुझे कहानियां सुनाईं, उसी में बात कर, शर्म किस बात की?' उस किशोर की दादी के एक वाक्य ने पूरा वातावरण बदल दिया। गहराई से सोचें तो स्पष्ट होता है, वह झिझक केवल उस बच्चे की नहीं थी, वह उस पूरी पीढ़ी की झिझक थी, जिसे यह सिखाया गया कि तरक्की अंग्रेजी की जुबान से होकर गुजरती है और अपनी भाषा पीछे छूट जाने वाली चीज है। यह संकट केवल

खंखर / गोविंद भारद्वाज

सरकार जब नई आती है तो रुतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी नहीं होगी। लेकिन धीरे-धीरे ना-एन तरीके से गड़बड़ी आरंभ हो जाती है।

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं



लुटेरों, बदमाशों, उठाड़ीगीरों या जमाखोरों, भ्रष्टाचारियों, लापरवाहों, रिश्तखोरों, बलात्कारियों या मिलावटखोरों के लिए चेतावनी दी गई या आम नागरिकों के लिए। खैर यह जुमला अस्सरदार हो न हो पर लोगों को दिलासा दिलाए रखने के लिए कहना जरूरी है। हालांकि गड़बड़ी करता कौन है, ये विषय शोध का है। \*



पिछली सदियों की बात है। रात के अंधेरे को चीरती हुई ट्रेन अंबाला की तपक भागती चली जा रही थी और साथ ही मेरी घबराहट भी बढ़ती जा रही थी। कुछ ही देर में अंबाला आने वाला था। आज सुबह की ट्रेन से मैं पापा के साथ दिल्ली गई थी। पुलिस इंस्पेक्टर की परीक्षा देने और अब वापिस लौट रही थी। वापिस लौटते हुए ट्रेन में पापा की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। माइग्रेन के दौर के कारण उन्हें चक्कर आने लगे थे और मितली भी। ऐसी तकलीफ उन्हें हर चार-छह महीने में कभी भी

विशेष: गणेश चतुर्थी

परंपरा-आस्था का संगम महापर्व गणेशोत्सव



सांस्कृतिक पर्व / शिखर चंद जैन

गणेश चतुर्थी का त्योहार भारतीय जनमानस के हृदय में अत्यंत पवित्र स्थान रखता है। यद्यपि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी (14 सितंबर) को विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की स्थापना और अनंत चतुर्दशी को उनके विसर्जन का दृश्य हर वर्ष भारत के कोने-कोने में दिखाई देता है, परंतु इस महापर्व के कई ऐसे पहलू हैं, जो बहुधा लोकस्मृति या सामान्य वार्ताओं से परे छूट जाते हैं। यह उत्सव केवल धार्मिक कर्मकांड, ढोल-नगाड़ों और सुंदर झांकियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके मूल में राजनीति, समाज, प्राचीन भूगोल, खगोल विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की गहरी जड़ें जुड़ी हुई हैं। गणेश चतुर्थी भारत की उस अमर सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जो अथ्यात्म को समाज सेवा से, इतिहास को भविष्य की सोच से और धर्म को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ती है। तिलक की दूरदर्शी सामाजिक पहल: गणेश चतुर्थी का इतिहास अत्यंत प्राचीन है और 18वीं शताब्दी में पेशवाओं के काल में इसे पुणे में राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता था। आधुनिक भारत में इसका स्वरूप पूरी तरह से बदलने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को जाता है। वर्ष 1893 में तिलक ने इसे निजी गृह-पूजा के बंद कमरों से निकालकर 'सार्वजनिक गणेशोत्सव' का रूप दिया। ब्रिटिश हुकूमत के दौर में 'नॉनक्युलर प्रेस एक्ट' और अन्य कठोर कानूनों के कारण भारतीयों के लिए राजनीतिक सभाएं करना या सामाजिक मुद्दों पर एकत्र होना पूरी तरह प्रतिबंधित था। तिलक ने भांप लिया कि अंग्रेज शासक धार्मिक सामंजस्य में सीधे हस्तक्षेप करने से डरते हैं। अतः उन्होंने गणेशोत्सव को एक सांस्कृतिक और सामाजिक मंच बनाया। पंडालों में स्वतंत्रता संग्राम के विचारों, स्वदेशी आंदोलनों और सामाज सुधारों पर चर्चा होने लगी। इस प्रकार, एक धार्मिक उत्सव औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ जनक्रांत का प्रतीक बन गया। जल निकायों का वैज्ञानिक कार्यालय: आधुनिक समय में विसर्जन के कारण होने वाले जल प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की जाती है, लेकिन पुराने दौर में गणेश प्रतिमा का निर्माण और उसका जल-विसर्जन एक अत्यंत वैज्ञानिक और पर्यावरणीय प्रक्रिया थी। पारंपरिक रूप से, गणेश प्रतिमाएं केवल शुद्ध चिकनी मिट्टी (शादू माटी) से बनाई जाती थीं। इसमें हल्दी, चंदन, भस्म और कुमकुम का लेप किया जाता था। मानसून के अंत में जब नदियां और तालाब नए पानी से भर जाते थे, तब इन मिट्टी की मूर्तियों को जल में विसर्जित किया जाता था। मिट्टी, जल निकायों को समृद्ध करती थी, जबकि हल्दी और चंदन प्राकृतिक एंटीसेप्टिक तथा जीवाणुरोधक के रूप में पानी को शुद्ध करते थे। यह प्राचीन परंपरा वास्तव में वर्षा ऋतु के बाद जल स्रोतों के वैज्ञानिक कार्यालय का माध्यम थी। मोदक का औषधीय महत्व: गणेश जी को 'मोदक प्रिय' कहा जाता है, लेकिन मोदक केवल एक स्वादिष्ट मिठाई नहीं है। इसका निर्माण आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित है। पारंपरिक रूप से भाद्रपद (सितंबर) के महीने में उकड़ीके मोदक (भाप में पके हुए मोदक) बनाए जाते हैं। मानसून के खतम होने और शरद ऋतु के आगमन के समय शरीर में 'पित्त' दोष बढ़ने की संभावना होती है। मोदक के बाहरी आवरण में चावल का आटा और अंदर गुड़, ताजा कसा हुआ नारियल, जायफल और इलायची का मिश्रण होता है, जिसे शुद्ध देशी घी के साथ परोसा जाता है। नारियल और गुड़ पेशी की अंगिठा को शांत करते हैं और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं। इस तरह मोदक का भोग ऋतु परिवर्तन के दौरान स्वास्थ्य की रक्षा करने वाला एक आयुर्वेदिक आहार है। समृद्ध करे सांस्कृतिक परिदृश्य: भारत के कला और सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करने में गणेशोत्सव ने एक 'अदृश्य अकादमी' के रूप में भूमिका निभाई है। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में सार्वजनिक पंडालों द्वारा संगीत संध्याएं, नाटक (नाट्य संगीत), लोककलाएं (जैसे लावणी, गोंधल) और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस तरह इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। \*

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संगीतमय जीवन



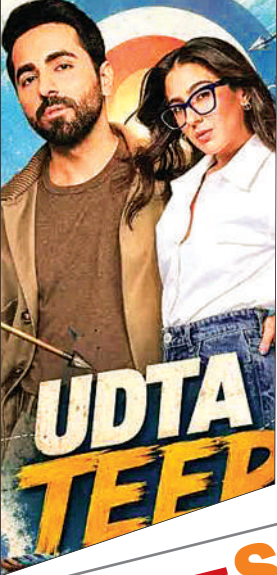
विख्यात खयाल गायिका गंगूबाई हंगल की आत्मकथा कई वर्ष पहले कन्नड़ भाषा में प्रकाशित हुई थी। हाल में ही उसका हिंदी अनुवाद 'जीवन संगीत' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। यह आत्मकथा सामाजिक उपेक्षाओं, पारिवारिक समस्याओं और आर्थिक संकटों के बीच रहकर संगीत को समर्पित एक कलाकार की साधना यात्रा है। गंगूबाई हंगल ने कई स्थलों पर स्वीकार किया है कि उनकी मां के त्याग और उनके गुरुओं के सही मार्गदर्शन ने ही उन्हें इतनी प्रतिष्ठा दिलाई। यही नहीं वे पूरी विनम्रता से हर उस शख्स के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती दिखाई देती हैं, जिन्होंने किसी भी रूप में उनकी संगीत साधना में जरा भी सहयोग प्रदान किया था। हालांकि कुछ स्थलों पर उनके मन में समाई टीस प्रकट हुई है। जातिगत भेदभाव पर अपने अतीत को याद करते हुए वह कहती हैं, 'अगर हम लोग किसी ऊंची जाति के घर खाना खाने जाते थे तो हमें खुद अपने बर्तन मांजने पड़ते थे।' किशोरावस्था में ही विवाह कर दिए जाने और उसके कुछ समय बाद ही मां-पिता के निधन होने के बावजूद गंगूबाई ने कभी अपनी संगीत साधना में व्यवधान नहीं आने दिया। इसी का परिणाम रहा कि वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उपलब्धियों के सोपानों पर अग्रसर रही और अद्वितीय प्रतिष्ठा प्राप्त की। इस आत्मकथा में कहीं भी आत्मश्लाघा का भाव नजर नहीं आता है। वे अपने सभी प्रशंसक संगीत प्रेमियों, विभिन्न सम्मानों से नवाजने के लिए सरकार के प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित करती हैं। \*

पुस्तक: जीवन संगीत- गंगूबाई हंगल (आत्मकथा), अनुवाद: मृत्युंजय, मूल्य: 199 रुपये, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

अविनाश पुलिस महकमे का वरिष्ठ स्केच आर्टिस्ट था। उसके हाथों से बने खाके कभी गलत नहीं होते थे। एक शाम, एक सहमी हुई बुजुर्ग महिला उसके घर में हुई डकैती के गवाह के तौर पर एक शख्स का हुलिया बताने पहुंची। अविनाश ने कागज पर पेंसिल टिकाई। जैसे-जैसे महिला उस शख्स के माथे के कटे निशान, तीखी नाक और गहरी आंखों का ब्योरा देने लगी, अविनाश की अंगुलियां कांपने लगीं। कैनवास पर उसके अपने इकलौते बेटे का चेहरा उभर रहा था। अविनाश के भीतर भयंकर द्वंद्व छिड़ गया, एक कलाकार की निष्ठा और बाप के मोह के बीच। क्या वह लकीरों को बदलकर अपने बेटे को बचा ले? उसने भारी मन से, बिना कोई हेर-फेर किए बिल्कुल हूबहू वैसा चेहरा उकेरा, जैसा महिला ने बताया था और ड्राइंग शीट पुलिस अफसर की ओर बढ़ा दिया। तभी महिला स्केच देखकर रोते हुए बोली, 'हां साहब! यही वो जांबाज लड़का है, जिसने डकैतों से पिड़कर मेरी जान बचाई। अस्पताल में इलाज पड़ा है, इधर घर खबर करवा दो।' अविनाश की कांपती अंगुलियों से पेंसिल छूटकर गिर गई। \*

-देवेंद्रराज सुराहार



लाइफ **Style**

## ‘उड़ता तीर’ की रिलीज टली, नई तारीख का ऐलान

मुंबई। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म ‘उड़ता तीर’ अब नई तारीख पर आएगी। आकाश ए कौशिक द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म को पहले 11 सितंबर को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब इंतजार की घड़ियां बढ़ गई हैं। फिल्म अब 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों का रुख करेगी। निर्माताओं ने नई तारीख का खुलासा

करते हुए फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी किया है। इसमें आयुष्मान का मजेदार अंदाज देखने को मिल रहा है। बता दें, ‘उड़ता तीर’ निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस और सिखिया एंटरटेनमेंट ने किया है। ‘उड़ता तीर’ के पोस्टर में आयुष्मान को भारत-पाकिस्तान सीमा के बीच झूलते हुए देखा जा सकता है। उनके ऊपर एक अति गोपनीय फाइल रखी है।

## यामी

### ‘नई नवेली’ में ‘डायन भागी’ बनकर आई

एजेसी ►► मुंबई

यामी गौतम अपने अब तक के सबसे अलग अवतार के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘नई नवेली’ का आधिकारिक टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसका निर्माण ‘कलर येलो’ और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने मिलकर किया है। इसका निर्देशन बालाजी मोह ने किया है, जबकि कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। यह फिल्म एक ऐसी नई-नवेली दुल्हन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका देवर उसे डायन समझने लगता है।

**यामी का अलग अंदाज, दशहरा पर जमाएंगी धाक :** टीजर की शुरुआत मेरठ के एक सीधे-सादे और आम परिवार से होती है, जहां नई नवेली बहू (यामी) आई है। पल भर में माहौल बदल जाता है, जब घर का छोटा बेटा (देवर) अपनी ही भाभी पर डायन होने का आरोप लगाता है। फिर यामी का अनदेखा अवतार नजर आता है, जो अपने पीछे अजीब शक्तियों और रहस्यों को छिपाए है। फिल्म में सुनीता राजवार या मीता वशिष्ठ जैसे कई कलाकार हैं। यह दशहरा पर 16 अक्टूबर को रिलीज होगी।



### हॉलीवुड मसाला

द सीक्रेट लाइव्स... का सीजन

## 6 आएगा

लॉस एंजिल्स। हनु के मशहूर रियलिटी शो ‘द सीक्रेट लाइव्स ऑफ मॉर्मन वाइव्स’ को 2 और सीजन के लिए हरी झंडी मिल गई है। इससे दर्शकों को खूब सारा ड्रामा और असल जिंदगी की कहानियां देखने को मिलेंगी। इसके छठे सीजन की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है और सातवें सीजन के साथ मिलकर कुल 20 नए एपिसोड दर्शकों को देखने को मिलेंगे। इस शो का पांचवां सीजन 10 सितंबर को स्ट्रीम हुआ था। इसमें मुख्य रूप से टेलर फ्रैंकी पॉल के मुश्किल भरे साल को दिखाया गया, जिसमें उनकी ‘बैचलरेट’ जर्नी रद्द होना, डग मेसन के साथ सगाई टूटना और पूर्व पार्टनर डकोटा नोर्टेसन के साथ कामूनी पचड़े शामिल थे।



## ‘जेन वी’ के स्टार मार्वल की ‘एक्स-मेन’ कास्ट से जुड़े

लॉस एंजिल्स। मार्वल ने अभी-अभी यह बताया है कि ‘जेन वी’ के आसा जर्जन आने वाली ‘एक्स-मेन’ फिल्म में एंजेल का किरदार निभाएंगे। पिछले महीने हुए डी23 इवेंट में मार्वल के प्रमुख केविन फाये ने ‘एक्स-मेन’ के नए कलाकारों का खुलासा किया था। इस फिल्म में साडी सिक जीन वे, किट कॉर्नर साइबलॉक्स, समरा वीथिंग एरमा फ्रॉस्ट और एडन झुडवर मिस्टर सिक्सटर की भूमिका में नजर आएंगे। एंजेल, जिसका असली नाम वॉरेन वॉर्थिंगटन III है, एक म्यूटेंट है जिसके पास बड़े पंख और उड़ने की शक्ति है। इससे पहले भी वह ‘एक्स-मेन’ की पिछली फिल्मों में दिख चुका है, जहां बेन फॉस्टर ने फ्लैमबैक में बच्चे के रूप में और कैडन बॉयड ने बड़े होने पर उसका किरदार निभाया था। इस नई फिल्म का निर्देशन जेक श्रयर (‘थंडरबोल्ट्स’ वाले) कर रहे हैं और यह 5 मई, 2028 को सिनेमाघरों में आएगी।



## सस्पेंस और थ्रिल घुमा देगा दिमाग

मुंबई। परिणीति चोपड़ा की मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज ‘शक: ट्रस्ट नो वन’ अपने डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। इससे पहले निर्माताओं ने इसका आधिकारिक ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें ताहिर राज हुसैन, सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, सुमित व्यास और हर्लिन सेठी जैसे कई सितारे भी शामिल हैं। निर्देशन रेनसिल डी ‘सिल्वा’ ने किया है, जबकि निर्माण मशहूर फिल्ममेकर सिद्धार्थ पी मल्होत्रा द्वारा किया गया है। ‘शक’ एक मां और 9 साल पहले अस्पताल से चुराई उसकी बेटी पर आधारित सीरीज है। ट्रेलर की शुरुआत परिणीति के किरदार से होती है, जो अपनी नवजात बच्ची की हमेशा सुरक्षा करने की कसम खाती है। उसकी पूरी जिंदगी तब बदलती है, जब एक रात वही बच्ची अस्पताल से चोरी हो जाती है।



## ‘वृषकर्मा’ दिसंबर में करेगी धमाका

मुंबई। नाग चैतन्य की आने वाली फिल्म ‘वृषकर्मा’ के लिए तैयार हो जाइए। यह एक पौराणिक थ्रिलर फिल्म है, जिसे कार्तिक दंडु ने निर्देशित की है। यह फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लगभग 2 साल के लंबे इंतजार के बाद बन रही यह फिल्म दर्शकों को एक शानदार और अलौकिक रोमांच से भरी यात्रा पर ले जाने का वादा करती है। नाग ने खुद एक्स पर फिल्म की रिलीज की तारीख का ऐलान किया। फिल्म का टीजर एक रहस्यमय खजाने की खोज की कहानी दिखाता है, जहां एक ताकतवर बुराई अपना सिर उठा रही है। ऐसे में नाग का किरदार, जिसे ‘वृषकर्मा’ के रूप में चुना गया है, एक योद्धा बनकर इस बुराई का सामना करेगा। इस फिल्म में नाग के साथ मुख्य हीरोइन के तौर पर मीनाक्षी चौधरी दिखेंगी।

### टीवी मसाला



## कुशाल तंडर : ट्रक ड्राइवर बनने के सपने से लेकर आधे घंटे में नौकरी छोड़ने तक की अनसुनी कहानी

मुंबई। रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ का आगाज हो चुका है और इस बार घर में कई ऐसे चेहरे आए हैं, जिनकी लाइफस्टोरी काफी प्रेरणादायक और अनेकौं हैं। इन्हें कंटेस्टेंट्स में से एक हैं कुशाल तंडर (जिन्हें ‘गुल्लू’ के नाम से भी जाना जाता है)। शो के दौरान गुल्लू ने अपनी जिंदगी के संघर्ष और करियर के शुरुआती दिनों से जुड़े कुछ ऐसे दिलचस्प खुलासे किए हैं, जिन्हें सुनकर हर कोई हैरान रह गया।  
**ट्रक ड्राइवर बनने का था सपना :** गुल्लू ने हाल ही में शो की साथी कंटेस्टेंट कनिका मान के साथ बातचीत करते हुए अपने अतीत के पन्नों को पलटा। उन्होंने बताया कि कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद शुरुआती तीन सालों तक उन्होंने कुछ नहीं किया, क्योंकि उनका सबसे बड़ा सपना विदेश जाकर ट्रक ड्राइवर बनने का था। वह अपने खुद के ट्रक खरीदकर कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में चलाना चाहते थे, लेकिन वीजा रिजेक्ट हो जाने के कारण उनका यह सपना अधूरा रह गया।

**सिर्फ आधे घंटे में छोड़ दी पहली नौकरी :** विदेशी धरती पर ट्रक चलाने का सपना टूटने के बाद गुल्लू ने देश में ही नौकरी करने का फैसला किया। उन्होंने गुरुग्राम में एक कॉर्पोरेट जॉब ज्वाइन की, लेकिन उनका यह अनुभव बेहद अजीब और मजेदार रहा। गुल्लू के मुताबिक, उन्होंने वह नौकरी महज आधे घंटे के भीतर ही छोड़ दी थी। उन्हें ऑफिस में डेस्क वर्क की उममीद थी, लेकिन वहां पहुंचते ही उन्हें वाहकों को जूते दिखाने का काम सौंप दिया गया। इस बात से नाखुश होकर उन्होंने तुरंत मैनेजर को डिखा वापस थमना और ऑफिस से बाहर आ गए।

**शेफ बनने से लेकर सोशल मीडिया तक का सफर :** नौकरी छोड़ने के बाद गुल्लू ने अपनी रुचि के अनुसार आगे बढ़ने का फैसला किया। वह गोवा चले गए और वहां कंफ़र्ट डाई महीने तक शेफ के रूप में काम सीखा। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया की दुनिया में कदम रखा और रील्स बनानी शुरू कीं, जिससे उन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पहचान मिली और आज वह बिग बॉस के मंच तक पहुंच चुके हैं।

**‘बिग बॉस 20’ के अन्य चर्चित चेहरे :** इस सीजन में सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले इस शो में कुशाल तंडर के अलावा कई और जाने-माने सितारे नजर आ रहे हैं। इस साल के कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में कनिका मान, आसिफ खान, काजी तौकीर, आसपाली दुबे, इंशा रिखी, रोहद खान, तवा मिल, हर्ष, अरिशाफा खान, अमन गांधी, उदित सिंह, रीति तिवारी, माही विज, मैरी कॉम और प्रसिद्ध गैमिंग क्रिएटर स्काउट (तन्मय सिंह) शामिल हैं।

## ‘हनुमान अंश’ अब तेलुगू में, 160 करोड़ कमाने के बाद नए धमाके की तैयारी...

मुंबई। कम बजट में बनी फिल्म ‘हनुमान अंश’ ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर इतिहास रच दिया है। महज 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने भारत में 163 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। अब ये फिल्म तेलुगू दर्शकों के बीच पहुंचने के लिए तैयार है। मशहूर निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास इसे प्रस्तुत कर रहे हैं। ‘हनुमान अंश’ की तेलुगू दर्शकों के बीच सिनेमाघरों में मध्य तरीके से रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म की कमाई ने ट्रेड पंडितों को भी हैरान कर दिया है। उत्तर भारत में धमाल मचाने वाली इस फिल्म के तेलुगू वर्जन के अधिकार



को लेकर पूरी योजना तैयार कर ली है।  
**नीम करोली बाबा की जिंदगी का अनसुना और अनदेखा सफर :** लक्ष्मी नारायण शर्मा नाम का एक छोटा बच्चा भगवान हनुमान की भक्ति में लीन होकर ईश्वर की तलाश में निकल पड़ता है और आगे चलकर नीम करोली बाबा बन जाता है।

### 200 करोड़ से बस इतनी दूर ‘हनुमान अंश’

सैकनलिक की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 35वें दिन फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन करीब 192 करोड़ रुपये पहुंच गया। फिल्म अब 200 करोड़ रुपये के आंकड़े के बेहद करीब है। भारत में ये फिल्म 163 करोड़ रुपये कमा चुकी है। कम बजट में बनी इस फिल्म ने अपनी लगातार कमाई से सभी को हैरान कर दिया है। खास बात ये है कि पांचवें हफ्ते में भी फिल्म की कमाई की रफ्तार बनी हुई है और दर्शकों का उत्साह बरकरार है।

## 25 मिनट तक गूंजती रहीं तालियां

# इजराइली फिल्म ‘नाजा’ ने वेनिस फिल्म फेस्टिवल में रचा इतिहास

**लॉस एंजिल्स। ऑस्कर विजेता इजराइली फिल्ममेकर युवल अब्राहम और राचेल सोर की डॉक्यूमेंट्री ‘नाजा’ ने वेनिस फिल्म फेस्टिवल में धूम मचा दी। गाजा में आम फिलिस्तीनियों के साथ हुए दर्दनाक नरसंहार पर बनी इस फिल्म के प्रीमियर पर दर्शकों ने खड़े होकर 25 मिनट तक तालियां बजाईं। पिछले साल की ‘द वॉइस ऑफ हिंद रजब’ के बाद इस बार ‘नाजा’ को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया सिनेमा के जरिए दुनिया तक सच्चाई पहुंचाने की असरदार मिसाल बन गई है।**



### 3 साल तक गुपचुप शूट हुई ‘नाजा’

ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल्स में स्टैंडिंग ओवेशन से ही किसी फिल्म के प्रभाव का अंदाजा लगाया जाता है। डॉक्यूमेंट्री ‘नाजा’ को 3 साल तक तेल अवीव की छतों पर गुपचुप तरीके से शूट किया गया है। इस फिल्म में 24 इजराइली सैन्य अधिकारियों और सैनिकों ने पहली बार कैमरे पर आकर गाजा युद्ध और फिलिस्तीनी नागरिकों के व्यवस्थित नरसंहार की सनसनीखेज सच्चाई उजागर की है। उनकी पहचान छुपाने के लिए आवाज और चेहरे डिजिटल रूप से बदले गए हैं।

### फिल्म ने बनाया नया रिकॉर्ड

रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियर पर फिल्म को 25 मिनट का ऐतिहासिक स्टैंडिंग ओवेशन मिला, जो इस फेस्टिवल का नया रिकॉर्ड माना जा रहा है। स्क्रीनिंग खत्म होने के बाद दर्शकों ने दोनों निर्देशकों के लिए लगातार तालियां बजाईं। इसी के साथ इस फिल्म ने पिछले साल की डॉक्यू-ड्रामा ‘द वॉइस ऑफ हिंद रजब’ को मिले 23 मिनट की तालियों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जो इजराइली सेना द्वारा 5 साल की मासूम बच्ची की हत्या पर बनी थी।

### रेड कार्पेट पर लगे ‘फ्री फिलिस्तीन’ के नारे

इससे पहले रेड कार्पेट पर जब दोनों फिल्ममेकर युवल अब्राहम और राचेल सोर ऑडिटोरियम की तरफ बढ़ रहे थे, तब वहां मौजूद लोगों ने फ्री फिलिस्तीन और फ्री इजराइल के जोरदार नारे लगाए। इस फिल्म को वेनिस फेस्टिवल के शीर्ष पुरस्कार की मजबूत दावेदार माना जा रहा है। बता दें कि पिछले साल भी ‘द वॉइस ऑफ हिंद रजब’ को भारी समर्थन से मुख्य दावेदार माना गया था, लेकिन जूरी में फूट के कारण उसे दूसरा पुरस्कार ही मिला।

# सूर्यवंशी या सैमसन? अफगानिस्तान के खिलाफ चयन की दुविधा

## फाइनल में शेल्टन, आज ज्वेरेव से खिताबी भिड़ंत

### यूएस ओपन : सेमीफाइनल में टियाफो को हराया

एजेसी ►► नई दिल्ली

अफगानिस्तान के खिलाफ रविवार को 3 मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में भारत के सामने दुविधा होगी कि 'वंडर ब्रॉय' वैभव सूर्यवंशी को उतारा जाए या संजू सैमसन के अनुभव पर भरोसा किया जाए।

सूर्यवंशी को इंग्लैंड में सैमसन की जगह अंतिम एकादश में जगह दी गई थी लेकिन श्रृंखला के आखिरी मैच में 15 वर्ष के सूर्यवंशी की जगह सैमसन को उतारा गया। टी20 प्रारूप में सैमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी कामयाब रही है। उम्मीद है कि कोच गौतम गंभीर और कप्तान श्रेयस अय्यर जापान में होने वाले एशियाई खेलों की अंतिम एकादश तय करने से पहले सैमसन और सूर्यवंशी दोनों को बराबर मौके देंगे।

### अव्यास सत्र में सैमसन अधिक संतुलित

अभ्यास सत्र के दौरान सूर्यवंशी की तुलना में सैमसन अधिक संतुलित नजर आए। सूर्यवंशी को जसप्रीत बुमराह की गेंदों पर सहज होकर खेलने में समय लगा क्योंकि पिच से भी बुमराह की गेंदों को मदद मिल रही थी। यह भी हो सकता है कि लगातार लाल गेंद के तीन मैच खेलने के बाद सूर्यवंशी को सामंजस्य बिठाने में समय लग रहा हो। वैसे अफगानिस्तान के पास बुमराह जैसा कोई गेंदबाज नहीं है। अफगानिस्तान के गेंदबाजों के सामने सूर्यवंशी को फुटवर्क का इस्तेमाल नहीं करने पर भी दिक्कत नहीं आएगी।



**सूर्यवंशी को लेकर हाइप बढ़ी**

सैमसन की बात करें तो तीन पारियों में नाकामी के बाद उन्हें इंग्लैंड घेरे से बाहर करना ज्यादा ही था। लेकिन सूर्यवंशी को लेकर हाइप इतनी बढ़ गई थी कि टीम प्रबंधन ने जनता की मांग पर फैसला लिया भले ही बार-बार ये कहते हों कि बाहरी आवाज का असर नहीं होता। अगर इंडियन क्रिकेट नहीं खेल पाते हैं तो सूर्यवंशी और सैमसन दोनों को मौका मिल सकता है। इंडियन को टेस्ट अभ्यास के दौरान कमर में चोट लगी थी।

**टीमें इस प्रकार**

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अश्विनी सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई

अफगानिस्तान : इब्राहिम जदरान (कप्तान), दारविश रसूली, नूर उल रहमान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजद, राशिद खान, मोहम्मद नबी, गुलबदिन नायब, नांगिरा खरोटे, अब्दुल्लाह अहमदजद, फजलहक फारुकी, नवीगुल हक, मुजीबुर रहमान, नूर अहमद।

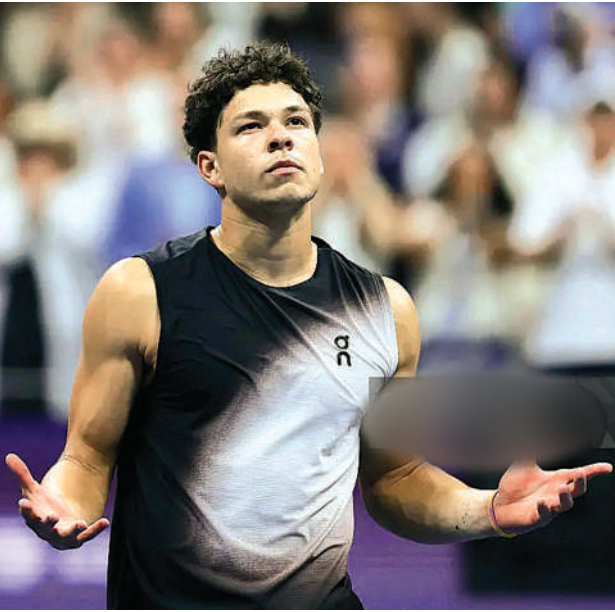
**मैच का समय : शाम 7.30 से**

एजेसी ►► न्यूयॉर्क

अमेरिका के बेन शेल्टन ने हमवतन फ्रांसिस टियाफो को हराकर अमेरिकी ओपन के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश कर लिया, जहां उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। स्थानीय खिलाड़ियों के बीच हुए इस मुकाबले को देखने के लिए स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा था। दोनों का हौसला बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक और कई मशहूर हस्तियां मौजूद थीं। दोनों पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे थे। रविवार को होने वाले फाइनल में दर्शकों का समर्थन लगभग पूरी तरह शेल्टन के पक्ष में रहने की उम्मीद है। अब वह लंबे समय से चले आ रहे अमेरिकी ग्रैंड स्लैम खिताब के सुखे को खत्म करने की सबसे बड़ी उम्मीद बन गए हैं।

**अमेरिका को पिछला खिताब 2003 में मिला था**

आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने सेमीफाइनल में टियाफो को 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। अमेरिका को पुरुष एकल में पिछला ग्रैंड स्लैम खिताब 2003 में मिला था, जब एंडी रॉडिक ने फ्लोरिंग मीडोज में अमेरिकी ओपन का खिताब जीता था।



### अपना सब कुछ झोंकने जा रहा हूं : शेल्टन

शेल्टन ने कहा, 'मैं यहां अपना सब कुछ झोंकने जा रहा हूं और कोर्ट पर कुछ भी बाकी नहीं छोड़ूंगा। उम्मीद है कि आप सभी आकर मेरा समर्थन करेंगे। आइए, इसे अमेरिका के लिए करते हैं।'

### ज्वेरेव ने खाचानोव को हराया



### अमेरिकी सपने को साकार नहीं होने दूंगा : ज्वेरेव

ज्वेरेव ने कहा, 'उम्मीद है कि रविवार को मैं अमेरिकी सपने को साकार नहीं होने दूंगा।'

ज्वेरेव ने पहले सेमीफाइनल में कारेन खाचानोव को 6-3, 7-6 (7), 7-6 (6) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। टियाफो को तीसरी बार अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2024 में उन्हें हमवतन टेलर फ्रिट्ज ने हराया, जबकि उससे पहले यानिक सिनर ने हराया था। टियाफो ने कहा, 'मैं ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचना चाहता था। जाहिर तौर पर यह बहुत बड़ा मुकाबला था। उसकी सर्विस भी बेहतरीन अचूक रही, जिससे मेरे लिए मुकाबला काफी मुश्किल बना दिया। ज्वेरेव को लंबे समय तक ऐसे पुरुष खिलाड़ी के तौर पर देखा जाता रहा, जिन्होंने ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीता था, लेकिन उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिना जाता था। इस साल फ्रेंच ओपन में आखिरकार उन्होंने यह इंतजार खत्म किया।



## टाउनसेंड-सिनियाकोवा ने जीता महिला युगल खिताब

### जोड़ी ने पूरा किया करियर ग्रैंडस्लैम

अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरिना सिनियाकोवा ने एक टीम के रूप में कैरियर ग्रैंडस्लैम पूरा करते हुए वाइल्ड कार्डधारी एशालिन क्रूजर और रॉबिन मांटगोमेरी को हराकर अमेरिकी ओपन महिला युगल खिताब जीत लिया। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 5-7, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की। 30 वर्ष की टाउनसेंड को एकल वर्ग में दुनिया

की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने हराया था। टाउनसेंड और सिनियाकोवा ने 2024 विम्बलडन, 2025 आस्ट्रेलिया ओपन और इस साल फ्रेंच ओपन जीता था। यह सिनियाकोवा का 12वां ग्रैंडस्लैम है, जिन्होंने चेक गणराज्य की ही बारबोरा क्रेसिकोवा के साथ सात और क्रिको गाफ के साथ एक खिताब जीता है।

### खबर संक्षेप



### 8 अक्टूबर से एपीएल हिस्सा लेगी दीपिका

**नई दिल्ली।** चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी और विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अतनु दास 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू हो रही तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सत्र में मेजबान रिकव टीम का हिस्सा होंगे। गत एशियाई चैंपियन धीरज बोम्पदेवरा समेत भारत के 36 सर्वश्रेष्ठ तीरंदाज इसमें दस देशों के 12 अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ मुकाबला करेंगे। कंपाउंड वर्ग में कई बार विश्व कप जीत चुकी एशियाई खेल चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्म और अभिषेक वर्मा के साथ पूर्व विश्व चैंपियन ओजस प्रवीण देवतोल उतरेंगे। विदेशी खिलाड़ियों में तोक्यो ओलंपिक 2020 चैंपियन तुर्किये के मेटे गाजोज, पेरिस ओलंपिक 2024 कांस्य पदक विजेता अमेरिका की कासे काउफहोल्ड, ब्राजील के अलमैडडा और दुनिया की दूसरे नंबर की तीरंदाज ब्रिटेन की एला गिब्सन शामिल हैं।

### 20 से 23 नवंबर तक एशियाई कैडेट कप



**चेन्नई।** उपमहाद्वीप के युवा तलवारबाजों के लिए एशियाई कैडेट कप 20 से 23 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में 30 से अधिक देशों के 500 से अधिक खिलाड़ी, कोच, अधिकारी और तकनीकी अधिकारी भाग लेंगे। टूर्नामेंट तीन वर्गों एपी, फॉल और साबरे में आयोजित की जाएगी। इसका आयोजन भारतीय तलवारबाजी संघ ने एशियाई तलवारबाजी परिषद के साथ मिलकर युवा कार्य और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण के साथ किया है। एफएआई महासचिव राजीव मेहता ने कहा, 'इससे एशिया के युवा तलवारबाजों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा और भविष्य में एशियाई खेलों, विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक में सफलता का मार्ग प्रशस्त होगा।'

## जूनियर एशिया कप हॉकी : फाइनल में टीम इंडिया, सुप्रिया ने लगाई हैट्रिक

एजेसी ►► मोदी

ड्रैग फ्लिकर सुप्रिया के तीन गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराकर एएचएफ जूनियर महिला एशिया कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सुप्रिया ने तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए। भारत का सामना अब चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

दोनों टीमों ने संभलकर शुरुआत की लेकिन भारत ने 13वें मिनट में खाता खोला जब मधु सिंदर ने शानदार फील्ड गोल पर टीम को 1-0 से बढत दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने कोरियाई गोल पर लगातार हमले बोले। भारत को 17वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने गोल करके बढत दुगुनी कर दी।



गत चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया

## एशियाई खेलों में गोल्ड जीतना लक्ष्य : प्रणवी

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय गोल्फर प्रणवी उस का मानना है कि भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक की मजबूत दावेदार है और इसके लिए जापान में निरंतर प्रदर्शन तथा अधिक से अधिक बर्डी के मौके बनाना अहम होगा।

भारत एशियाई खेलों में 6 सदस्यीय गोल्फ दल उतारेगा। महिला टीम में अदिति अशोक, दीक्षा डायर और प्रणवी उस शामिल हैं जबकि पुरुष वर्ग में युवराज संधू, वीर अहलावत और सप्तक तलवार देश का



प्रतिनिधित्व करेंगे। मैसूर की 23 वर्षीय प्रणवी ने कहा, 'मैं नलीजे के बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहती। मैं अपनी प्रक्रिया पर कायम रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगी।' उन्होंने कहा कि गोल्फ आमतौर पर

व्यक्तिगत खेल है इसलिए देश और टीम के लिए खेलने का अनुभव उनके लिए खास होगा। प्रणवी ने कहा, 'गोल्फर के तौर पर हम ज्यादा टीम स्पर्धाएं नहीं खेलते। यह मुख्य रूप से व्यक्तिगत खेल है। इसलिए देश और टीम के लिए मैदान पर उतरना ऐसी चीज है, जिसका मैं इस साल बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। अदिति और दीक्षा के टीम में होने से यह सप्ताह और भी अच्छा रहेगा।' भारत ने एशियाई खेलों में पिछली बार पुरुष वर्ग में 2002 में शिव कपूर के जरिए स्वर्ण पदक जीता था।

## महिला एशिया कप : भारत की नजरें आठवें खिताब पर

एजेसी ►► दुबई

सात बार की चैंपियन भारतीय टीम की नजरें श्रीलंका के खिलाफ रविवार को महिला टी20 एशिया कप फाइनल में श्रीलंका को हराकर आठवीं बार खिताब जीतने पर लगी होगी और इसके लिए शेफाली वर्मा के साथ दीपति शर्मा पर काफी दारोमदार रहेगा। दो अर्धशतक समेत 168 रन बना चुकी शेफाली भारत की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज साबित हुई हैं और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन उन्होंने बनाई हैं। धीमी और स्पिनरों की मददगार दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर भी उन्होंने सहज बल्लेबाजी की है। स्मृति मंधाना (154 ) ने एक शानदार शतक

### आज श्रीलंका से भिड़ंत



लगाया लेकिन दो मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सकी। शेफाली के प्रदर्शन में निरंतरता रही है। शेफाली को अपने चिर परिचित स्टोक्स खेलने में भी परेशानी नहीं आई जबकि दूसरे बल्लेबाज जूझते नजर आए हैं।

### दीपति ने दिखाया जौहर

श्रीलंका की कप्तान चामारी अटापट्ट के साथ सर्वाधिक 11 विकेट ले चुकी दीपति ने गेंदबाजी के अलावा बल्ले के जौहर भी दिखाए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में 6 गेंद में 13

रन बनाकर उन्होंने भारत को 150 रन के पास पहुंचाया। दीपति के साथ श्रीचरणी और प्रेमा रावत ने भी उन्दा स्पिन गेंदबाजी की है और इन तीनों ने टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा है। दोनों टीमों फाइनल तक के सफर में अपराजित रही हैं और पिछली बार 2024 में भारत को श्रीलंका ने ही फाइनल में आठ विकेट से हराया था। अटापट्ट की टीम ने भी पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और पाकिस्तान के खिलाफ जुझारूपन दिखाते हुए सेमीफाइनल में जीत दर्ज की। दो साल पहले दाम्बुला में हर्षिता और अटापट्ट ने मिलकर भारत को फाइनल में जीत दर्ज करने से रोका था।

## पाकिस्तान को 8 विकेट से दी करारी शिकस्त इंग्लैंड ने टेस्ट सीरीज की 3-0 से 'क्लीन स्वीप'

एजेसी ►► बर्मिंघम

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ एजबेस्टन में खेले गए टेस्ट सीरीज के तीसरे और अंतिम मुकाबले को 8 विकेट से जीतकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। पाकिस्तान से मिले 130 रन के आसान टारगेट को मेजबान टीम ने मुकाबले के चौथे दिन 24.2 ओवर्स में हासिल कर लिया। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम पहली पारी में 133 रन पर सिमट गई। आलम ये रहा कि इस पारी में 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। सऊद शकील ने सर्वाधिक 43 रन बनाए, जबकि मोहम्मद अब्बास ने 21 रन का पारी खेली। इनके अलावा, रजाउल्लाह ने टीम के खाते में 11 रन का योगदान दिया। मेजबान खेमे से जोश टंग ने 42 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि ओली रॉबिन्सन और जोफ्रा आर्चर ने 3-3 विकेट चटकाए।



### बूक और एमिलियो ने की 104 रन की साझेदारी

इसके जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 453 रन बनाकर 320 रन की शानदार बढ़त हासिल कर ली। इंग्लैंड की टीम 39 रन तक 3 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद हैरी बूक ने एमिलियो के साथ चौथे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। इस पारी में हैरी बूक ने सर्वाधिक 75 रन बनाए, जबकि जेमी रिस्ने ने 69 रन की पारी खेली। इनके अलावा, एमिलियो ने 60 रन और ओली रॉबिन्सन ने 50 रन टीम के खाते में जोड़े। पाकिस्तान के लिए रजाउल्लाह ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद अली और इमरान रंधावा ने 2-2 विकेट चटकाए।

### पाकिस्तान ने पिछली गलतियों से लिया सबक

पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में पिछली गलतियों से सबक लेते हुए 449 रन बनाए, अगर ये स्कोर मैच बचाने के लिए नाकाफी था। मेहमान टीम ने शुरुआती 4 गेंदों में 2 विकेट खो दिए थे। उस समय तक खाता भी नहीं खुल सका था, लेकिन इसके बाद शान मसूद (95) ने अजान ओवैस (59) के साथ तीसरे विकेट के लिए 125 रन और कप्तान बाबर आजम (76) के साथ चौथे विकेट के लिए 89 रन जोड़े। टीम को 318 के स्कोर पर आठवां झटका लगा, जिसके बाद मोहम्मद अब्बास (42) ने रजाउल्लाह (81) के साथ नौवें विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को 400 के पार पहुंचाया। इंग्लैंड के लिए गस एटकिंसन ने सर्वाधिक 3 विकेट निकाले। ओली रॉबिन्सन, जोश टंग और डैन लॉरेंस ने 2-2 विकेट हासिल किए।



एजेसी ►► नई दिल्ली

एशियाई खेलों में पदार्पण करने जा रहे कार्तिक करकेरा आइची-नागोया में पुरुषों की मैरथन में अन्य तेज

धावकों से मिलने वाली चुनौती से बखूब वाकिफ हैं, लेकिन उनका मानना है कि उनके पास पदक जीतने का मौका है। करकेरा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 2 घंटे 13 मिनट 10 सेकेंड है। उन्होंने स्वीकार किया कि जापान के युया योशिदा और इचिटाका यामाशिता काफी बेहतरीन खिलाड़ी हैं, जो 2 घंटे 6 मिनट से कम समय में मैरथन पूरी कर चुके हैं। करकेरा ने कहा, 'निश्चित रूप से उनका काफी दबदबा है और वे मैरथन में हिस्सा लेने वाले दोनों भारतीय धावकों से काफी तेज भी हैं।' एशियाई खेलों की मैरथन स्पर्धा में करकेरा और सावन बरवाल दो भारतीय हिस्सा लेंगे। इनमें से बरवाल ने इस साल 2 मिनट 11 मिनट 58 सेकेंड का समय निकाला था।

**कठिन समस्याएं अब न होंगी**

क्यूक सच्ची सहेली में है **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • [www.sachisaheli.in](http://www.sachisaheli.in)

**67** दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना ‘सच्ची सहेली’ आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी

**सच्ची सहेली**

# इंडियन एथलेटिक्स फाइनल सीरीज़ में मप्र के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज़
 [▶▶](#)
 गोपाल

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 10 सितंबर को आयोजित इंडियन एथलेटिक्स फाइनल सीरीज में मध्यप्रदेश के एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा और मजबूत खेल क्षमता का परिचय दिया। विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 5 पदक अर्जित किए। खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की खेल प्रतिभाओं की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

पुरुष पोल वॉल्ट में मध्यप्रदेश के एक अन्य एथलीट कुलदीप कुमार ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया। कुलदीप ने 5.10 मीटर की ऊंचाई पर करते हुए प्रतियोगिता में चौथा स्थान हासिल किया।

देव मीणा और नितिका ने जीते गोल्ड, समरदीप और आदित्य ने जीता सिल्वर, सुनील ने कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

## पोल वॉल्ट में देव का स्वर्णिन प्रदर्शन



पुरुष पोल वॉल्ट स्पर्धा में मध्यप्रदेश के स्टार एथलीट देव मीणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5.40 मीटर की ऊंचाई पर कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। देव ने प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल किया। देव का लगातार बेहतर होता प्रदर्शन मप्र की एथलेटिक्स प्रतिभाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

## नितिका ने लहराया परचम



महिला पोल वॉल्ट स्पर्धा में मध्यप्रदेश की प्रतिभाशाली एथलीट नितिका आक्रे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4.10 मीटर की ऊंचाई पर कर स्वर्ण पदक जीता। नितिका ने प्रतियोगिता में शानदार तकनीक और दमदार प्रदर्शन के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

## गिल ने शॉटपुट में जीता रजत



पुरुष शॉट पुट स्पर्धा में मध्यप्रदेश के समरदीप सिंह गिल ने 19.59 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक अपने नाम किया। समरदीप ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने एशियन गेम्स के लिए चयनित एथलीट करमवीर सिंह से आगे रहते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

## हाई जंप में रघुवंशी का शानदार प्रदर्शन



पुरुष हाई जंप स्पर्धा में मध्यप्रदेश के आदित्य रघुवंशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2.15 मीटर की ऊंचाई पर की और रजत पदक हासिल किया। आदित्य ने प्रतियोगिता के दौरान निरंतरता और तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन करते हुए पॉडियम पर अपनी जगह बनाई।

## 1500 मीटर में सुनील दावर ने जीता कांस्य

पुरुष 1500 मीटर दौड़ में मध्यप्रदेश के एथलीट सुनील दावर ने 3:43.68 के समय के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। सुनील ने प्रतिस्पर्धी दौड़ में शानदार गति और धैर्य का परिचय देते हुए तीसरा स्थान हासिल किया।



टीटी नगर स्टेडियम में खेली गई संभाग स्तरीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2026-27

# आर्मी पब्लिक स्कूल के एथलीटों ने जमाया गोल्ड व सिल्वर मेडल पर शानदार कब्जा



हरिभूमि न्यूज़
 [▶▶](#)
 गोपाल

संभाग स्तरीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा तात्या टोपे स्टेडियम में 11 से 12 सितंबर तक किया गया। पहले दिन आर्मी पब्लिक स्कूल के एथलीटों ने गोल्ड व सिल्वर मेडल पर अपने नाम किए और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

100 मीटर दौड़ अंडर 14 के बालक वर्ग में अमन प्रताप ने गोल्ड, प्रीतम ने सिल्वर एवं बालिका वर्ग में एलिशबा ने गोल्ड, वंशिका ने सिल्वर मेडल जीता। वहीं 80 मीटर हर्डल अंडर 14 बालक वर्ग में प्रीतम ने गोल्ड, बालिका में एलिशबा गोल्ड मेडल हासिल किया। वहीं शॉटपुट अंडर 14 के बालिका वर्ग में आराध्य ने 8.12 मीटर का श्रो कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं प्रतियोगिता के अंतिम दिन शनिवार को 200 मीटर दौड़ में अंडर 14 के बालक वर्ग में आदित्य ने गोल्ड एवं बालिका वर्ग में वंशिका ने गोल्ड मेडल जीता। वहीं, लॉन्ग जंप अंडर 14 के बालक वर्ग में प्रियांशु ने



गोल्ड एवं अमन प्रताप सिल्वर मेडल जीता। इसी तरह 4x100 मीटर दौड़ के अंडर 14 बालक वर्ग में प्रीतम कुमार, अमन प्रताप आदित्य ने गोल्ड मेडल जीता एवं बालिका वर्ग में एलिशबा, वंशिका, अग्रिम ने गोल्ड मेडल जीता। इस उपलब्धि पर प्राचार्य प्रियंका त्रिवेदी ने कोच व खिलाड़ियों को बधाई दी है।

इंदौर में प्रथम राष्ट्रीय पैरा किक बॉक्सिंग का शुभारंभ

# शारीरिक चुनौती कभी भी प्रतिभा में बाधा नहीं बन सकती: पद्मश्री सत्येंद्र

हरिभूमि न्यूज़
 [▶▶](#)
 गोपाल

एमेच्योर स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ मध्य प्रदेश एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा वाको इंडिया किक बॉक्सिंग फेडरेशन के संयुक्त तत्वाधान में प्रथम राष्ट्रीय पैरा किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का इंदौर में शुभारंभ हो गया है। एमेच्योर स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन आफ मप्र के अध्यक्ष विनोद सोनडवल्ले एवं महासचिव आशुतोष ने बताया कि इस प्रतियोगिता का शुभारंभ जायडस लाइफ साइंसेज की जनरल मैनेजर (सीएसआर) डॉ. विनीता वर्डिया ने मुख्य अतिथि एवं वाको इंडिया किक बॉक्सिंग फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल, पद्मश्री व अंतरराष्ट्रीय पैरा तैराक डॉ. सत्येंद्र सिंह लोहिया एवं एलंड्रिच विलियम्स के विशेष अतिथि में शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर पद्मश्री डॉ. सत्येंद्र सिंह लोहिया ने कहा कि शारीरिक चुनौती कभी भी प्रतिभा में बाधा नहीं बन सकती। पानी में तैराकी हो या रिंग में किक बॉक्सिंग, जज्बा एक ही होता है। आप सभी देश का गौरव हैं, अपनी सीमाओं को खुद तय करें।



## पैरा खिलाड़ी अपनी मेहनत और जज्बे से समाज के लिए प्रेरणास्रोत

डॉ. विनीता वर्डिया ने कहा कि पैरा खिलाड़ी अपनी मेहनत और जज्बे से समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। जायडस लाइफ साइंसेज ऐसे सशक्तिकरण के प्रयासों में हमेशा सहयोग के लिए तत्पर है। वाको इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल ने कहा कि वाको इंडिया का लक्ष्य किकबॉक्सिंग को हर वर्ग तक पहुंचाना है। पैरा किक बॉक्सिंग की यह प्रथम राष्ट्रीय प्रतियोगिता इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी। एलंड्रिच विलियम्स ने कहा कि पैरा खेलों को मुख्यधारा से जोड़ने का यह प्रयास सराहनीय है और मध्य प्रदेश ने इसमें अग्रणी भूमिका निभाई है।

## शौच के लिए गई 16 साल की किशोरी से दुष्कर्म

■ दुष्कर्म करने के बाद आरोपी ने उसे धमकाते हुए छोड़ दिया

**भोपाल।** सुखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में 16 साल की किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। किशोरी शौच के लिए गई थी, तभी आरोपी उसे खींचकर झाड़ियों की तरफ ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म की घटना के एक दिन बाद किशोरी की तबीयत बिगड़ी तो उसने मां को घटना की जानकारी दी थी। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार 16 साल की किशोरी थाना क्षेत्र में रहती हैं। वह घरेलू कामकाज करती है। गत 8 सितंबर की शाम वह घर से शौच करने के लिए निकली थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले 30 साल के युवक ने उसे झाड़ियों में खींच लिया। झाड़ियों में उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद उसे धमकाते हुए छोड़ दिया। डरी सहमी किशोरी ने घटना के दिन किसी को नहीं बताया। अगले ही दिन उसकी तबीयत बिगड़ी तो उसने मां को बताया। मां ने पति को बताया और परिजन किशोरी को लेकर थाने पहुंचे। वहां शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी तीस साल का है और उसकी पत्नी की मौत हो चुकी है। आरोपी अपने पास मोबाइल नहीं रखता है। वह मेमो ट्रेन से बीना जाता था। पुलिस ने उसे बीना से गिरफ्तार कर लिया।



## यह अभियान कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत माता की सेवा

माजपा प्रदेश प्रमारी ने नर्मदापुरम में सेवा संकल्प अभियान की टोली के सदस्यों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज़
 [▶▶](#)
 गोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने शनिवार को नर्मदापुरम के जिला कार्यालय में जिला पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं ‘सेवा संकल्प अभियान’ की टोली के सदस्यों की बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रारंभ की गई सेवा-यात्रा 25 वर्षों का गौरवपूर्ण पड़ाव पूर्ण कर रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र नेतृत्व तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यशस्वी जीवन राष्ट्रहित और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करने एवं सेवा, समर्पण और संकल्प की इस

प्रेरणादायी यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 17 सितंबर से ‘सेवा संकल्प अभियान’ का शुभारंभ हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणादायी यात्रा को जन-जन तक पहुंचाना हर कार्यकर्ता का लक्ष्य है। इस दौरान भाजपा की जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने भी संबोधित किया। डॉ. सिंह ने कहा कि यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत माता की सेवा और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूत करने वाला व्यापक जनअभियान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में निरंतर देश और समाज की सेवा की है। उनके सेवा कार्यों, जनकल्याणकारी प्रयासों, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की सोच को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व है।

17 से ‘सेवा संकल्प अभियान’ का शुभारंभ

## छात्रों को मिला एक और अवसर रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए अंतिम सीएलसी चरण 16 तक

हरिभूमि न्यूज़
 [▶▶](#)
 गोपाल

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को एक और अवसर प्रदान किया गया है। इसके लिए अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण 12 से 16 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। उच्च शिक्षा संचालनालय द्वारा पूर्व में जारी आदेश के अनुसार रिक्त सीटों पर “पहले आओ, पहले पाओ” के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया 21 से 31 अगस्त तक निर्धारित अवधि में प्रवेश की कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए विद्यार्थियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें।

का अतिरिक्त अवसर प्रदान करने के लिए कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण की अवधि में वृद्धि की गई है। अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण के अंतर्गत 12 से 16 सितंबर तक शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर “पहले आओ, पहले पाओ” के आधार पर प्रवेश की कार्यवाही की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित अवधि में प्रवेश की कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए विद्यार्थियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें।

## चेक बाउंस मामले में पति-पत्नी दोषमुक्त

**भोपाल।** 20 लाख रुपए का चेक बाउंस के होने के मामले के आरोपी धनंजय पांडे एवं नीतू पांडे डायरेक्टर मेसर्स शेफिया टेक्नालाजीस प्रायवेट लिमिटेड भोपाल की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी गजल पाहवा सिंह ने प्रकरण प्रमाणित न पाए जाने पर दोषमुक्त कर दिया है। प्रकरण में आरोपियों की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ता मोहम्मद वजाहत खान ने बताया कि परिवर्दाीण ममता भागव और डॉ. मुकेश भागव निवासी अरेरा कॉलोनी, भोपाल ने आरोपियों को 20 लाख रुपए ब्याज पर उधार दिए थे। आरोपियों उपरोक्त उधार लिए गए रुपयों को ब्याज सहित परिवर्दाीण को वापस कर दिए थे। आरोपियों ने बतौर सिक्वोरिटी के परिवर्दाीण को एक खाली चेक दिया था।

## रंजिश के चलते चाकू से किया घायल युवक पर हमला करने वाले तीन आरोपी धराए, शेष की तलाश

हरिभूमि न्यूज़
 [▶▶](#)
 गोपाल

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित मंदर इंडिया कॉलोनी में युवक पर जानलेवा हमला करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पिस्टल और दो जिंदा कारतूस सहित चाकू बरामद किए गए हैं। उक्त जानलेवा हमले में फरार आधा दर्जन आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार अरशद उर्फ बब्बा पिता अकरम मौलाना (26) मंदर इंडिया कॉलोनी में रहता है। 11 सितंबर की देर रात वह मोहल्ले में था। इसी दौरान भूरा हड्डी, तौफीक शूटर, माया बच्चा, मलन्तू



फैजल, शमीम आदिल सहित उसके साथियों ने उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। मारपीट और जानलेवा हमला करने के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। इधर गंभीर रूप से घायल अरशद को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।



## अपोलो सेज की कॉन्फ्रेंस ‘लंग नेक्स्टः पल्मो कनेक्ट’ शुरू

# फेफड़ों की बीमारियों के इलाज में नई तकनीकें बनीं चर्चा का केंद्र

हरिभूमि न्यूज़
 [▶▶](#)
 गोपाल

फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के इलाज, डायग्नोसिस और नई मेडिकल तकनीकों पर देशभर के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मंथन किया। अपोलो सेज हॉस्पिटल्स की ओर से नोवोटेक, बावडियाकलां में मेडिकल कॉन्फ्रेंस ‘अपोलो सेज नॉलेज सीरीज—लंग नेक्स्टः पल्मो कनेक्ट’ का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. खुशबू सक्सेना ने वेलकम एड्रेस दिया। मुख्य अतिथि सेज ग्रुप के सीएमडी डॉ. संजीव अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप के ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर डॉ. अनुपम सिबल, अपोलो सेज के सीईओ धनजय कुमार मौजूद रहे।



विशेषज्ञों ने बताया कि आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल से फेफड़ों की बीमारियों की पहचान और उपचार को अधिक सटीक एवं प्रभावी बनाने में मदद मिल रही है। कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन भी पल्मोनरी मेडिसिन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों के बीच नॉलेज शेयरिंग और डिस्कशन होगा।

## चिरायु विश्वविद्यालय में नए छात्रों के लिए इंडक्शन डे ‘आरम्भ’ का आयोजन

**भोपाल।** चिरायु विश्वविद्यालय में नए छात्रों के लिए इंडक्शन डे ‘आरम्भ’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संकायों जैसे प्रबन्ध, इंजीनियरिंग, शारीरिक शिक्षा एवं खेल तथा कला और वाणिज्य के छात्रों ने भाग लिया। चिरायु चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ अजय गोयनका ने इंडक्शन डे कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलाधिपति नीलम गोयनका ने अभिभावकों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय प्रत्येक विद्यार्थी के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

